प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

जिस प्रकार मनुष्य अपने पुराने वस्त्रों को त्यागकर नये वस्त्र को धारण करता है, ठीक उसी प्रकार आत्मा पुराने तथा व्यर्थ के शरीरों को त्यागकर नए भौतिक शरीर को धारण करता है!!!

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

10

वर्ष - 17 | अंक 233 | दैनिक | रांची | रविवार 7 अप्रैल 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

पशमीना मार्च ने बढ़ाई मोदी सरकार की मुश्किल !

लद्दाख में सोनम वांगचुक के ऐलान से सरकार की उड़ी नींद

लद्दाख (एजेंसी)। पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के पश्मीना मार्च के ऐलान ने सरकार की नींद उड़ा दी है। उनका दावा है कि बॉर्डर पर चीन पिछले कुछ सालों से लगातार अतिक्रमण कर रहा है और 4000 स्क्वॉयर जमीन हड़प ली है लेकिन देश से इस बात को छुपाया गया है। चीनी सेना चरवाहों को भारतीय हिस्से में भी जाने से रोक रही है। अब मार्च के जरिये वह बताना चाहते हैं कि चरवाहे पहले कहां तक जाते थे और अब क्या हालात हैं। वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास के इलाकों में प्रस्तावित वांगचुक की पश्मीना यात्रा में दस हजार लोग शामिल हो सकते हैं। सात तारीख के मार्च को देखते हुए केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के प्रशासन ने लेह में धारा 144 लागू

कर दिया है। इंटरनेट की स्पीड भी 2जी तक सीमित कर दी गई है। सरकार के इस ऐक्शन के बाद केंद्र सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। सोनम वांगचुक ने आरोप लगाया है कि पशमीना मार्च के मद्देनजर लद्दाख को वॉर जोन बना दिया गया है। पश्मीना मार्च को सोनम वांगचुक ने महात्मा गांधी की दांडी यात्रा और लद्दाख की संस्कृति से भी जोड़ने की कोशिश की है। वांगचुक इससे पहले लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के तहत आदिवासी आबादी के अधिकारों की मांग को लेकर 21 दिन की भूख हड़ताल भी कर चुके हैं। वह अभी भी तीन दिनों के उपवास पर हैं। 20 19 में कश्मीर से धारा 370 खत्म करने के बाद लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया गया था। केंद्र सरकार के इस फैसले की काफी सराहना हुई थी। बीजेपी को उम्मीद है कि लोग चुनाव में समर्थन करेंगे।

ईडी के बाद सीबीआई के शिकंजे में केसीआर की बेटी के कविता

- शराब घोटाले में तिहाड़ जेल में पूछताछ की मिली अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को दिल्ली शराब नीति मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के कविता से जेल में पूछताछ करने की अनुमति दे दी है। कविता को पिछले महीने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 15 मार्च को गिरफ्तार किया

था। ईडी कथित शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग एंगल की जांच कर रहा है। सीबीआई की याचिका पर अदालत ने यह आदेश जारी किया। जांच एजेंसी ने न्यायिक हिरासत में कविता से पूछताछ करने की अदालत से अनुमति मांगी थी। कविता (46) ने अपने 16 वर्षीय बेटे की परीक्षाओं का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत पर उन्हें (कविता को) रिहा करने का बृहस्पतिवार को अदालत से अनुरोध किया था।

लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष में बड़ी सेंधमारी

- पूर्व सीएम के बेटे समेत कई बड़े नेता बीजेपी में हुए शामिल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव का माहौल गरमाया हुआ है। तमाम राजनीतिक उठापटक और चुनावी जनसभाओं के बीच यूपी के नेता भी अपने लिए बेहतर विकल्प या यूं कहें कि पार्टी तलाश रहे हैं। इसमें सत्ता धारी भारतीय जनता पार्टी की तरफ तमाम नेता अपना रुख कर रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को बीजेपी ने सपा, बसपा और कांग्रेस पार्टी में बड़ी सेंधमारी करते हुए नेताओं को पार्टी में शामिल कराया है। इसमें पूर्व सीएम रामनरेश यादव के बेटे अजय

यादव, बसपा के पूर्व सांसद वीर सिंह और पूर्व सांसद प्रेम दास कठेरिया का नाम भी शामिल है। 19 अप्रैल को यूपी की 8 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। शनिवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय राम नरेश यादव के पुत्र अजय नरेश यादव ने भाजपा जॉइन कर ली है। इनके साथ बसपा के पूर्व सांसद वीर सिंह, सपा से पूर्व सांसद और मौजूदा जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेम दास कठेरिया इटावा, सपा से पूर्व मंत्री केसी पाण्डेय, सपा से पूर्व मंत्री साधना मिश्रा, गजेंद्र सिंह पूर्व विधायक, वासुदेव सिंह पूर्व विधायक, राष्ट्रीय ब्राह्मण युवजन के प्रदेश उपाध्यक्ष हिमांशु पांडेय और डॉक्टर जय चंद भदौरिया के बेटे विवेक भदौरिया भी भाजपा में शामिल हो गए हैं।

पार्टियों के नहीं, बल्कि आप संविधान के प्रति रहें वफादार

वकीलों और जजों से बोले सीजेआई डीवाय चन्द्रचूड़

कहा-आपकी निष्ठा केवल संविधान के प्रति होनी चाहिए

नागपुर (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि वकीलों को अदालत और भारतीय संविधान को अपने राजनीतिक झुकाव और विश्वास से ऊपर रखना चाहिए। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, सीजेआई चंद्रचूड़ ने एक चिंता जताते हुए भी कहा कि वे लंबित मामलों और अदालती फैसलों पर वकीलों द्वारा टिप्पणी करने की प्रवृत्ति से बहुत परेशान हैं। सीजेआई नागपुर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, हमारे जैसे जीवंत और तर्कशील लोकतंत्र में, अधिकांश व्यक्तियों की एक राजनीतिक विचारधारा और झुकाव होता है। अरस्तू के शब्दों में, मनुष्य राजनीतिक प्राणी हैं।

लंबित मामलों में वकीलों की टिप्पणी चिंताजनक

भारत के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि आगे न्यायपालिका के कंधे चौड़े हैं और वह प्रशंसा के साथ ही आलोचना भी स्वीकार कर सकती है लेकिन लंबित मुकदमों या फैसलों पर वकीलों की टिप्पणी बहुत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि बार के पदाधिकारियों और सदस्यों को न्यायिक निर्णयों पर प्रतिक्रिया देते वक्त यह नहीं भूलना चाहिए कि वे अदालत के अधिकारी हैं, आम आदमी नहीं। उन्होंने कहा कि एक संस्था के रूप में बार न्यायिक स्वतंत्रता, संवैधानिक मूल्यों और अदालत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए आवश्यक है।

कम होंगे मंत्रालय बुजुर्गों की बढ़ेगी पेंशन

- मोदी 3.0 की तैयारी में जुटे केन्द्र सरकार के अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोकसभा चुनाव में अपनी जीत को लेकर आश्वस्त दिख रही है। भगवा पार्टी को विश्वास है कि नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। सरकारी अधिकारी भी इस बात को लेकर काफी आश्वस्त नजर आ रहे हैं। देश के टॉप अधिकारी नई सरकार के लिए कार्य योजना बनाने में जुट गए है।

पीएम मोदी अगर तीसरी बार कमान संभालते हैं तो इस बात की संभावना है कि मंत्रालयों की संख्या कम की जा सकती है। वर्तमान में कुल 54 मंत्रालय हैं। इसके अलावा अगले छह वर्षों में विदेशों में भारतीय मिशनों की संख्या में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की भी संभावना है। बुनियादी ढांचे में अधिक प्राइवेट निवेश के साथ-साथ प्राथमिकता वाली परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण को आसान बनाने के लिए तंत्र वितसित करने पर जोर रहेगा। इस महीने कैबिनेट सचिव द्वारा बुलाई गई बैठकों के दौरान चर्चा किए जाने वाले एक मसौदा पत्र में 2030 तक पेंशन लाभ के साथ वरिष्ठों की हिस्सेदारी को 22 से दोगुना कर 50 फीसदी करने का लक्ष्य रखा गया है।

पीएम के दौरे के बाद लक्षद्वीप की बढ़ गई पॉपुलैरिटी

- टूरिज्म ऑफीसर बोले-भारत ही नहीं विदेश से भी लोग कर रहे इन्क्वायरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2-4 जनवरी 2024 को लक्षद्वीप गए थे। उन्होंने इस दौरे की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। पीएम के दौरे के बाद लक्षद्वीप घूमने जाने की पूछताछ को लेकर लोगों की संख्या बढ़ी है। लक्षद्वीप के टूरिज्म ऑफीसर इम्तियाज मोहम्मद ने न्यूज एजेंसी को बताया कि पीएम के लक्षद्वीप दौरे का असर देखने को मिल रहा है। यहां के

लिए सिर्फ भारत से ही नहीं बल्कि विदेश से भी लोग पूछताछ कर रहे हैं। पीएम मोदी ने लक्षद्वीप दौरे पर स्नोर्कलिंग जैसी कई सारी एक्टिविटीज की थी। इसके अलावा पीएम बीच के किनारे वॉक करते हुए भी नजर आए थे। टूरिज्म डिपार्टमेंट के फ्यूचर प्रोजेक्ट को लेकर इम्तियाज मोहम्मद ने बताया कि वे लक्षद्वीप में जहाज और क्रूज से जुड़ी कंपनियों को ज्यादा बढ़ावा देना चाहते हैं। साथ ही लक्षद्वीप की एयरलाइन कनेक्टिविटी में सुधार होना चाहिए। इससे लक्षद्वीप में ज्यादा लोग आ सकेंगे।

दिल्ली में बच्चों की खरीद-बिक्री करने वाला गैंग पकड़ाया

- 7 गिरफ्तार, 3 नवजात मिले, माता-पिता से बच्चा लेकर 5-6 लाख में बेचते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बच्चों की खरीद-बिक्री करने वाले गैंग का भंडाफोड़ किया है। जांच एजेंसी ने शुक्रवार को दिल्ली और हरियाणा में 7 जगहों पर रेड की थी। इस दौरान दिल्ली के केशवपुरम स्थित एक घर से तीन नवजात को बरामद किया गया। इनमें दो लड़के हैं, जिनमें एक डेढ़ दिन और दूसरा 15

दिन का है। एक बच्ची करीब महीने भर की है। सीबीआई ने एक अस्पताल के वार्ड बॉय समेत 7 लोगों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें 5 महिलाएं शामिल हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आरोपियों का गिरोह बच्चों के रियल माता-पिता या सरोगेट मां से उन्हें खरीदते थे। फिर सोशल मीडिया एड के जरिए नि:संतान दंपत्तियों को बेच देते थे। एक बच्चे की कीमत 4 से 6 लाख रुपए लगाई जाती थी। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान इंदु पवार, असलम, पूजा कश्यप, अंजलि, कविता और रितु के रूप में हुई है।

यूपी के सहारनपुर में पीएम मोदी की रैली, कहा

कानून-व्यवस्था से समझौता नहीं करते सीएम योगी

राहुल और अखिलेश पर तंज-2 लड़कों की फ्लॉप फिल्म फिर रिलीज हो गई

सहारनपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सहारनपुर में 37 मिनट तक रैली को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि क्कके दो लड़कों की फ्लॉप फिल्म फिर से रिलीज हो गई है। अरे काठ की हांडी को इंडी गठबंधन वाले कितनी बार चढ़ाएंगे। पीएम ने सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि योगी जी कानून व्यवस्था में रत्तीभर छूट नहीं देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति पर चलती है। हम देश को झुकने नहीं देंगे। इंडी अलायंस कमीशन के लिए और मोदी मिशन के लिए है। क्करूके साथ 3 राज्यों के मुख्यमंत्री भी मंच पर मौजूद रहे। इनमें यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल थे। पीएम का एक हफ्ते में यह दूसरा यूपी दौरा है। इससे पहले 31 मार्च को मेरठ में पीएम मोदी ने चुनावी ऐलान के बाद पहली रैली की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचारी गरीबों के सपनों को तोड़ते हैं। आपको लुटते हैं। मैं आपके बेटे बेटियों को बचाने के लिए गालियां खा रहा हूं। मोदी को धमकी दी जा रही है। मेरे देशवासियों यह मोदी है, जो पीछे नहीं हटेगा। 10 साल में जो मोदी ने किया है। ये तो ट्रेलर है। अभी तो बहुत कुछ करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस भारत को आगे नहीं बढ़ा सकती है। आपने मेरा काम देखा है। हर पल देश के नाम। मैं आपको कहता हूं कि 2047 तक मोदी का हर पल आपके नाम, देश के नाम है।

मोदी बोले-

- कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग और थोड़े हिस्से में वामपंथी हावी

पीएम मोदी ने कहा कि यहां के दो लड़कों की, जो फिल्म पिछली बार फ्लॉप हो चुकी है। उसे फिर से रिलीज किया है। अरे काठ की हांडी को इंडी गठबंधन वाले कितनी बार चढ़ाएंगे। जिस कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई लड़ी। दिग्गज महात्मा गांधी का नाम जुड़ा हुआ था। आज देश एक स्वर से कह रहा है कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस दशकों को पहले समाप्त हो चुकी है। आज जो कांग्रेस बची है, उसके पास कोई नीति नहीं है। कल कांग्रेस ने जिस तरह का घोषणा पत्र जारी किया है। आज की कांग्रेस भारत की आकांक्षाओं से कट चुकी है। उनके घोषणा पत्र में वहीं सोच झलकती है, जो आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग और थोड़े हिस्से में वामपंथी हावी हो चुके हैं। कांग्रेस दूर-दूर तक दिखाई दे रही है। मोदी ने कहा कि सपा तो हर घंटे उम्मीदवार बदल रही है।

लोकतंत्र की मर्यादा का चीरहरण कर रहे पीएम मोदी

- राजस्थान से सोनिया गांधी का पीएम मोदी पर बड़ा हमला
- कहा-मोदी खुद को महान मानते हैं, पूरे तंत्र में डर बिठा रहे

जयपुर (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पूरे देश में सियासी पारा हाई है। सभी पार्टियां चुनाव प्रचार में जुटी हुई हैं। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत बीजेपी के कई दिग्गज नेता ताबड़तोड़ रैली कर रहे हैं तो वहीं कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता आज जयपुर पहुंचे हैं जहां पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र न्याय पत्र लॉन्च किया जाएगा। इसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा जयपुर में आयोजित रैली में शामिल हुए हैं। इस दौरान सोनिया गांधी ने रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा, मोदी जी खुद को महान मान कर देश और लोकतंत्र की मर्यादा का चीरहरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, विपक्षी नेताओं को बीजेपी में शामिल होने की धमकी दी जा रही है। आज हमारे देश का लोकतंत्र खतरे में है। हमारे संविधान को बदलने की साजिशें की जा रही हैं। रैली को संबोधित करते हुए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों से देश एक ऐसी सरकार के हाथों में है जिसने बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, आर्थिक संकट और असमानता को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सोनिया गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा, आज हमारे देश का लोकतंत्र खतरे में है। लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट किया जा रहा है और हमारे संविधान को बदलने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा, यह तानाशाही है और हम सभी

इसका जवाब देंगे। इससे पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए दावा किया कि केंद्र में बीजेपी शासन के तहत विपक्ष पर हमला हो रहा है। उन्होंने कहा, बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है और हर राज्य में पेपर लीक हो रहे हैं। गरीबों और किसानों की सुनने वाला कोई नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा था, हमने अपने घोषणापत्र को न्याय पत्र नाम दिया है। यह घोषणापत्र सिर्फ उन घोषणाओं की सूची नहीं है जिन्हें हम चुनाव के बाद भूल जाएंगे। यह उस देश की आवाज है जो न्याय चाहता है। सोनिया गांधी बोली ने कहा कि हमारे महान पूर्वजों ने अपने संघर्ष के बल-बूते देश की स्वाधिनता के सूर्य को खोजा और पाया था। इतने सालों बाद महान ज्योति मध्यम पड़ गई हैं। चारों ओर अंधकार का अन्याय बढ़ा है। हमारा संकल्प होना चाहिए कि हम इसके खिलाफ लड़ेंगे और न्याय की रोशनी खोजेंगे। हमारा देश पिछले 10 सालों से ऐसी सरकार के हाथ में जिसने बेरोजगारी, आर्थिक संकट को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोदी सरकार ने जो-जो किया है वो हमारे सामने है। इसलिए यह समय हताशा से भरा हुआ है, लेकिन जान लीजिए हताशा के साथ उम्मीद का भी जन्म होता है। मुझे पूरा यकीन है कांग्रेस के हमारे साथी न्याय के दीपक को सीने की आग से जलाएंगे और हजारों की आंधियों से संभाल आगे बढ़ेंगे। ये देश चंद लोगों की जागीर नहीं है, ये सभी का है।

महाराष्ट्र की सियासत

टूटा 30 सालों का रिश्ता, मुश्किल में उद्धव की सेना

- अब पूर्व मंत्री ने दिया झटका, थाम लिया मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का दामन

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले उद्धव गुट की शिवसेना (यूबीटी) को एक और झटका लगा है। 30 सालों तक उद्धव के साथ रहे पूर्व मंत्री बबनराव घोलप ने अब उनका साथ छोड़ने का फैसला कर लिया है। एक रिपोर्ट की मानें तो घोलप एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने वाले हैं। ऐसा बताया जा रहा था कि घोलप शिरडी से अपने लोकसभा टिकट के काटे जाने से नाराज हैं। हालांकि, उन्होंने पिछले फरवरी में उपनेता और प्राथमिक सदस्य के रूप में ठाकरे की शिवसेना से इस्तीफा दे दिया था मगर अब उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी है कि वह शिंदे की शिवसेना में शामिल होंगे। रिपोर्ट की मानें तो बबनराव घोलप मुंबई में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आवास पर उनकी पार्टी में शामिल होंगे। जाहिर है लोकसभा चुनाव से पहले घोलप का शिंदे गुट में आना ठाकरे की शिवसेना के लिए बड़ा नुकसान है। ऐसा बताया जा रहा है पूर्व मंत्री बबनराव घोलप पिछले कुछ दिनों से नाखुश थे। घोलप शिरडी लोकसभा क्षेत्र से ठाकरे की शिवसेना की उम्मीदवारी की आशा में थे। मगर इसी बीच भाऊसाहेब वाकचौरे की एंट्री होती है और महाविकास अघाड़ी की ओर से उन्हें शिरडी सीट उम्मीदवार बनाया जाता है। उद्धव की तरफ से वाकचोरे को शिरडी लोकसभा के लिए शिवसेना (यूबीटी) का उम्मीदवार घोषित किया गया और बबनराव घोलप का पत्ता काट दिया गया। इसके बाद ऐसी चर्चा थी कि घोलप उद्धव ठाकरे से मुलाकात करेंगे और भविष्य की राजनीतिक दिशा तय करेंगे, लेकिन बबनराव घोलप ने सीधे तौर पर संजय राउत और मिलिंद नार्वेकर पर आरोप लगाया।

आशा की किरण: झारखंड में नंद घर के स्वास्थ्य कार्यों से बदल रहा लोगों का जीवन

वरीय संवाददाता

रांची। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर, जब दुनिया इस पर विचार कर रही है कि हर किसी को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं कैसे मिल सकती हैं। नंद घर लोगों के स्वास्थ्य संकेतक में सुधार लाने और साथ ही पूरे भारत में स्थानीय समुदायों तक अपनी पहुंच स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। झारखंड में इस प्रोजेक्ट का एक शानदार उदाहरण देखने को मिलता है जहां, चास पंचायत, बोकारो के मधुनिया गांव में रहने वाली बुजुर्ग महिला मूसरी देवी को नंद घर ने उनकी स्वास्थ्य समस्याओं से निजात पाने में मदद की है। अपने परिवार से कोई मदद न मिलने के कारण मूसरी देवी का जीवन बहुत कठिन हो गया था। वह अपने पति के साथ अकेली रहती हैं, जो दिहाड़ी मजदूर हैं और उनकी कमाई भी अनियमित है। धुंधली नज़र की समस्या के कारण उन्हें अपने रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

बहुत समय तक मूसरी देवी ने अपनी आंखों की समस्या को नजरअंदाज किया क्योंकि उन्हें लगा ये बुढ़ापे की वजह से है। लेकिन उनके गांव के नंद घर में आयोजित निःशुल्क आंखों के जांच शिविर में उन्हें वह इलाज मिला, जिसकी उन्हें सख्त जरुरत थी। यहां हुई जांच में पता चला कि उन्हें मोतियाबिंद है और शिविर में उपस्थित डॉक्टरों ने उनका सही इलाज करवाया। सफल ऑपरेशन के बाद न केवल मूसरी देवी की आँखें ठीक हो गई बल्कि जीवन के प्रति उनका नज़रिया भी बदल गया।

स्वास्थ्य देखभाल के विभिन्न पहलुओं को एक साथ लाकर, नंद घर समुदायों को समग्र रूप से स्वस्थ बनाने में योगदान दे रहा है। 25-30 नंद घरों के प्रत्येक समूह में मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) या टेलीमेडिसिन किट या स्वास्थ्य शिविर की उपलब्धता सुनिश्चित की है। उक्त इकाइयाँ डॉक्टर्स और पैरामेडिक्स से सुसज्जित हैं, जो महत्वपूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करते हैं। वे सिर्फ तत्काल चिकित्सा जरूरतों में ही मदद नहीं करते हैं, बल्कि आपातकालीन स्थिति में लोगों को निकटतम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में रेफर करने की सुविधा भी प्रदान करते हैं।

आफ समुदायों को सशक्त बनाने, जीवन में उचित बदलाव लाने और सतत विकास को बढ़ावा देने में अभूतपूर्व योगदान दे रहा है, यही वजह है कि नंद घर समुदायों को स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करते हुए, भारतवर्ष में समुदायों के जीवन में बदलाव लाने के अपने दृढ संकल्प को पूरा कर रहा है।

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के बारे में

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन वेदांता की सामुदायिक और सामाजिक पहलों के लिए एक मुख्य संगठन है। यह संस्था स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पशु कल्याण प्रोजेक्ट्स तथा खेलों से जुड़ी पहलों पर काम करती है। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन का लक्ष्य स्थायी और समावेशी विकास के जरिये समुदायों को सशक्त बनाना, लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और राष्ट्र निर्माण में मदद करना है। फाउंडेशन ने अगले पांच वर्षों में विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों पर 5000 करोड़ रुपये खर्च करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है।

नंद घर के बारे में

नंद घर, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल है, जो देश के आंगनवाड़ी नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए बनाई गई है। 14 राज्यों में 96000 नंद घर बने हैं, जो बदलाव और विकास में मदद कर रहे हैं। इनके माध्यम से अभी तक 2.25 लाख से अधिक बच्चों और 1.7 लाख महिलाओं को लाभ हुआ है। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमओडब्ल्यूसीडी) के सहयोग से बने ये नंद घर, आधुनिक आंगनवाड़ी हैं, जिनका लक्ष्य बच्चों में कुपोषण मिटाना, उन्हें प्री-प्राइमरी शिक्षा देना, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराना और महिलाओं को स्किल ट्रेनिंग देकर सशक्त बनाना है। नंद घर के रूप में ये आधुनिक आंगनवाड़ी, पूरे देश में 13.7 लाख आंगनवाड़ियों के 7 करोड़ बच्चों और 2 करोड़ महिलाओं के जीवन को बदलने का लक्ष्य रखते हैं। नंद घरों में 24 घंटे बिजली सुनिश्चित करने के लिए सौर पैनल, वाटर प्यूरिफायर्स, साफ शौचालय और स्मार्ट टीवी जैसी सुविधाएं हैं। ये स्थानीय समुदायों के लिए एक आदर्श संसाधन केंद्र भी बन गए हैं। यहां 3-6 साल के बच्चों को प्री-स्कूल शिक्षा दी जाती है। बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पौष्टिक भोजन, मल्टी-मिलेट न्यूट्री बार्स और घर ले जाने का राशन दिया जाता है। मोबाइल हेल्थ वैन और टेलीमेडिसिन सेवाओं के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं, और महिलाओं को कौशल और उद्यम विकास के माध्यम से सशक्त बनाया जाता है।

चडरी सरना समिति का प्रतिनिधिमंडल मिला आजसू पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो से

सरहुल शोभायात्रा में शामिल होने का दिया निमंत्रण

वरीय संवाददाता ,रांची। चडरी सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल ने समिति के केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा के नेतृत्व में झारखंड के पूर्व उप मुख्यमंत्री सह आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो से मुलाकात कर प्रकृति महापर्व सरहुल शोभायात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर चडरी सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा, समिति के संरक्षक जितेन्द्र सिंह, मुख्य सलाहकार कुमोद कुमार वर्मा, सागर भगत,हरिश सिंह, विसवास उरांव, अशोक उरांव रोहित राय सहित अन्य उपस्थित थे। उक्त जानकारी चडरी सरना समिति के प्रधान महासचिव सुरेन्द्र लिंडा ने दी।

सेल, एमटीआई में आयोजित सेल चेयरमैन ट्राफी में भिलाई ने की जीत दर्ज

बोकारो द्वितीय स्थान पर

वरीय संवाददाता ,रांची। सेल के युवा प्रबंधकों के लिए एमटीआई रांची में आयोजित चेयरमैन ट्राफी के फाइनल में सोनल श्रीवास्तव, सिद्धार्थ रॉय तथा विनय कुमार पवार की भिलाई की टीम ने विजय प्राप्त की। ÷पर्यावरण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व एवं उन्नत प्रशासन के माध्यम से सतत सुरक्षित भविष्य के लिए सेल के समक्ष चुनौतियां और आगे की राह÷ विषय पर इस प्रतियोगिता में विभिन्न इकाइयों के युवा प्रबंधकों की उल्लेखनीय भागीदारी और समर्पण देखा गया।

तीन सदस्यीय चयन समिति में डॉ. कीर्ति अविषेक, एसोसिएट प्रोफेसर, बीआईटी मेसरा, कृष्ण कुमार सिंह, निदेशक (कार्मिक), सेल और अतनु भौमिक, निदेशक प्रभारी (राउरकेला एवं बोकारो इस्पात संयंत्र) ने फाइनलिस्ट प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत परियोजनाओं का मूल्यांकन किया। मूल्यांकन और प्रस्तुतियों के आधार पर उपरलिखित भिलाई की टीम को विजयी घोषित किया गया। बोकारो इस्पात संयंत्र की टीम जिनमे शशांक शेखर, चंद्रशेखर कुमार और टी. केदारनाथ थे, प्रथम उपविजेता रही 7 दूसरी उपविजेता राउरकेला की टीम रही जिसके सदस्य थे विजय प्रकाश आर्य, कृष्ण कुमार जैसवाल एवं संजय कुमार गौतम। टीमों द्वारा प्रस्तुत परियोजनाएं नवाचार, पर्यावरण सुरक्षा और प्रबंधकीय उत्कृष्टता के एकीकृत प्रतिरूप थे।

श्री महावीर मंडल की बैठक आयोजित

वरीय संवाददाता ,रांची। महावीर चौक केंद्र कार्यालय में श्री महावीर मंडल की बैठक हुई। इसमें संपूर्ण शोभा यात्रा का नेतृत्व अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू, मंत्री दीपक ओझा, उपाध्यक्ष राजासेन गुप्ता, राजकिशोर, सह मंत्री गोपाल सोनी, उदय रविदास, प्रेमचंद चौधरी, कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा एवं प्रदीप कुमार गुप्ता उपस्थित थे।

इसमें कार्यकारिणी सदस्यों की टोली का पदाधिकारी की नियुक्ति की गई। लंकेश सिंह, धर्मराज यादव, बाबू पाठक, युवराज पासवान, रणधीर रजक, नकुल तिर्की, सुनील रंजन सहाय, राकेश सिंह, पप्पू वर्मा, प्रकाश चंद सिंह, मंतोष सिंह, दीपेश पाठक, बबलू यादव, रोशन लाल यादव, उज्जवल प्रकाश तिवारी, अमरिंदर सिंह, मनीष यादव और अन्य को कार्यकारिणी में शामिल किया गया। सभी पदधारियों को यह दिशा निर्देश जारी किया गया है कि सभी अखाड़ों में घूम कर उनकी समस्याओं को जानकर समाधान महावीर मंडल द्वारा यथाशीघ्र किया जाए। महावीर मंडल के तमाम पदाधिकारी सभी अखाड़ाधारियों की जो भी समस्याएं होगी, उसके समाधान हेतु कोशिश करेंगे। यह जानकारी प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा ने दी।

रमजान का महीना सब्र शुक्र का महीना

आदिल अजीम,रांची। रमजान सब्र, शुक्र और गम(दूसरों के गम को समझने) का महीना है। रमजान नेकियों का महीना है। धैर्य(सब्र) के बिना कोई भलाई(नेकी) नहीं की जा सकती हैं। न तो रोजा रखा जा सकता है और न ही कोई इबादत की जा सकती है। रमजान गुनाहों से तौबा का महीना है। बिना धैर्य(सब्र)के कोई भी गुनाह से नहीं बचा जा सकता। सब्र की एक किस्म इंसान अपने रब और उसके रसूल का फ़रमाबरदार हो जाए। हर हाल में अल्लाह और उसके रसूल की नाफरमानी करने से बचे। चाहे कितना भी कठिन परिस्थिति क्यों न हो, सहन करे और अल्लाह पर भरोसा रखे। जिस हाल में भी रहे अल्लाह का शुक्र अदा करे। (लेखक जिला परिषद सदस्य सह समाजसेवी हैं)

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन आज

वरीय संवाददाता,रांची। अखिल भारतीय महिला सम्मेलन द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सात अप्रैल (रविवार) को अपराह्न तीन बजे से राजधानी के मोरहाबादी (टीआरआई के नज़दीक) फुटबॉल ग्राउंड में चिकित्सा शिविर सह जागरूकता अभियान का आयोजन किया जाएगा।

इस संदर्भ में अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की सचिव अनुपमा प्रसाद ने बताया कि इस शिविर में अनेक चिकित्सक न केवल लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण करेंगे बल्कि वे सभी लोगों के साथ ही विशेष रूप से छात्र-छात्राओं और युवाओं को बीमारियों से बचाव के संदर्भ में जागरूक भी करेंगे।

विष्णुगढ़ श्रीरामनवमी महासमिति के अध्यक्ष चुने गए विनोद सिंह

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श के अनुरूप मनाया जायेगा रामनवमी - विनोद सिंह

पुसू प्रतिनिधि,विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ रामलला के जन्मदिन पर श्रीरामनवमी विष्णुगढ़ में राम नवमी पूजा बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। जो विष्णुगढ़ प्रखंड का सबसे बड़ा त्योहार है। यहां गांव, देहात से लेकर प्रखंड तक लोगों की उत्साह उमंग रहती हैं। भक्ति व उल्लास के साथ मनाने के लिए विष्णुगढ़ राम मंदिर (ठाकुर बाड़ी) में बैठक की गई। अध्यक्षता राजेंद्र दुबे और संचालन ओमकार नाथ शर्मा ने किया। जिसमें सर्वसम्मति से रामनवमी महासमिति का अध्यक्ष विनोद सिंह पर मुहर लगी। निर्णय लिया गया कि ग्रामीणों का सहयोग भी पिछले वर्षों की भांति मिलता ही रहेगा। सफलता पूर्वक पदाधिकारियों का मनोनयन सर्वसम्मति से किया गया। श्रीरामनवमी महासमिति का अध्यक्ष विनोद सिंह, उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार बर्णवाल, रवि पांडेय,अनुराग बर्मन सचिव संदीप कुमार कसेरा, सह सचिव नीतीश वर्णवाल कोषाध्यक्ष विनोद सिंह, मीडिया प्रभारी ओंकारनाथ शर्मा को बनाया गया।

नये अध्यक्ष विनोद सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शांतिपूर्वक आपसी सौहार्द के साथ रामनवमी पूजा मनाया जाएगा। जिसमें आम जनता एवं प्रशासन को किसी भी प्रकार की परेशानी की सामना न करना पड़े। इसके लिए हम एवं हमारे समिति के लोग भरपूर सहयोग करेंगे। मौके पर वरुण कुमार,अनूप कसेरा,हिरामन महतो,गौतम भारती,रणधीर कसेरा,गुरु प्रसाद,किशोर मंडल,पप्पू मिश्रा, प्रभाकर मिश्रा, मुकेश विश्वकर्मा,दीपू अकेला,राहुल गुप्ता समेत काफी संख्या में सैकड़ों की संख्या में रामभक्त उपस्थित थे।

रांची में अमेजन.इन पर कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्सनल कंप्यूटिंग प्रोडक्ट खरीदने वाले ग्राहक बढ़े

रांची। राजधानी रांची में अमेजन.इन पर कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्सनल कंप्यूटिंग प्रोडक्ट पसंद करने वाले ग्राहकों की विजिट साल-दर-साल आधार पर 4 गुना बढ़ी है। नो कॉस्ट ईएमआई और अमेजन पे लेटर जैसे किफायती विकल्पों के उपयोग में लगभग 25 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ, अमेजन.इन पर ग्राहकों का रुझान प्रीमियम उत्पादों के प्रति तेजी से बढ़ा है। रांची में अमेजन.इन पर नए ग्राहकों की सबसे ज्यादा रुचि हेडफ़ोन, स्मार्टवॉच और पीसी एक्सेसरीज़ जैसे उत्पादों के लिए देखने को मिली।

अमेजन.इन की भारत के छोटे शहरों तक पैठ बनाने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए, रांची में कुछ रुझान देखने को मिले हैं। इनमें हेडफोन, स्पीकर, लैपटॉप, कैमरा, डेस्कटॉप, पीसी एक्सेसरीज एवं कंपोनेंट्स के साथ ही वियरेबल्स जैसे प्रोडक्ट की बढ़ती मांग के बीच कस्टमर विजिट में साल-दर-साल आधार पर 4 गुना वृद्धि देखी गई है।

टैबलेट के लिए ग्राहकों की विजिट में 6 गुना से अधिक की वृद्धि देखने को मिली है, जबकि मॉनिटर के लिए ग्राहकों की विजिट 5 गुना बढ़ी है।

अमेजन इंडिया के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्सनल कंप्यूटिंग के डायरेक्टर निशांत सरदाना ने कहा कि उत्पादों की विशाल संग्रह के साथ-साथ किफायती कीमत और ग्राहक सुविधा प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ, हम कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक और पर्सनल कंम्यूटिंग को लेकर रांची में जोरदार ग्रोथ देख रहे हैं। इसके अलावा अमेजन.इन पर टैबलेट के लिए ग्राहकों की विजिट में 6 गुना की वृद्धि देखने को मिली है, वहीं मॉनिटर के लिए ग्राहकों की विजिट 5 गुना बढ़ी है। इन ट्रेंड को ध्यान में रखते हुए, हमारा लक्ष्य है कि हम ग्राहकों को नए अनुभवों प्रदान करने के लिए और ज़्यादा प्रयास करें। हमें उम्मीद है कि हमारी ये कोशिश ग्राहकों को उनकी खास जरूरतों को पूरा करने के लिए सही प्रोडक्ट और सबसे बेहतरीन ऑफ़र प्राप्त करने में मदद करेगा।

मतदाता को जागरूक करने धोबघट पहुंचे बरही एसडीओ, मतदान को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

शत प्रतिशत मतदान के लिए लोगों को जागरूक करना हमारी प्राथमिकता - जोहन टुडू

प्रतिनिधि, बरही। अनुमंडल प्रशासन द्वारा शहरी क्षेत्रों के साथ सुदूरवर्ती क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। बरही एसडीओ जोहन टुडू बरही के सबसे सुदूरवर्ती क्षेत्र रानीचुंवा पंचायत के धोबघट समेत आदिवासी बहुल गांव पहुंचे और परिवार के सभी सदस्यों से मतदान दिवस के दिन बूथों पर जाकर अपने अधिकार का प्रयोग करने की अपील की। वहीं एसडीओ जोहन टुडू ने धोबघट गांव में परिवार के सभी मतदाताओं को मतदान के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें मतदान की शपथ भी दिलाई। इस दौरान एसडीओ जोहन टुडू ने बताया कि मतदाता जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य महिला सहित सभी वर्ग के मतदाताओं को जागरूक करना है ताकी वे मतदान कर सकें। उन्होंने युवाओं को वोटर हेल्प लाइन के एप्लिकेशन से सम्बंधित बातें भी बताएं और उन्होंने कहा कि इच्छुक मतदाता स्वयं घर बैठे भी अपना वोटर आईडी कार्ड बनवा सकते है, उन्हें बेवजह कहीं दौड़ने की आवश्यकता नही है। इसके अलावा उन्होने महिलाओं को मतदाता जागरूकता शपथ के तहत भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा, अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई। कहा कि चुनाव का पर्व, देश का गर्व है और प्रत्येक मतदाता को 20 मई 2024 को अपने घरों से निकलकर मताधिकार का उपयोग जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान हमारा अधिकारी ही नहीं अपितु कर्तव्य भी है। सुदृढ़ लोकतंत्र के लिए मतदान जरूरी है और मतदान का यह पर्व पांच वर्ष में एक बार आता है। उन्होंने सभी नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि अपने परिवार के अलावा आस पड़ोस मतदान करने से कोई भी छूटे नहीं। इसके अलावा उन्होंने महुगढ़ा, चलंगा, रानीचुंवा के विद्यालय का भी निरीक्षण किया और विद्यालय में पड़ने वाले बूथ का सत्यापन कर सभी व्यवस्था से अवगत हुए। मौके पर जेपीएस सांवना मांझी, आलोक कुमार, रंजीत कुमार, रवि कुमार सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

नार्कोटिक दवा विक्रेता गिरफ्तार

पुसू प्रतिनिधि,हजारीबाग। चरही थाना अंतर्गत तापीन पिंडरा निवासी सत्यनारायण ओझा पिता रघुनाथ ओझा को विष्णुगढ़ एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद के नेतृत्व में चरही थाना प्रभारी गौतम कुमार दलबल के साथ छापामारी किया। जिसमें कई नार्कोटिक दवाओं की टैबलेट नार्कोटिक इंजेक्शन सहित कई तरह की नशीला पदार्थ को पुलिस द्वारा बरामद किया गया। एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद ने बताया कि पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को गुप्त सूचना मिली थी कि चरही थाना के तापीन पिंडरा में नार्कोटिक नशीले दवाइयां की बिक्री की जा रही है। जिससे नवयुवको एवं पुरुषों में भी इसकी लत लग गई है। जिससे उनका जीवन काल तहस-नहस हो रहा है। पुलिस अधीक्षक के आदेश का पालन करते हुए विष्णुगढ़ एसडीपीओ चरही थाना प्रभारी तुरंत सक्रिय होकर छापामारी किया और नार्कोटिक दवा सहित सत्यनारायण ओझा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। छापामारी दल में गोविंद महतो और प्रेम कुमार भी शामिल थे।

एचईसी प्रबंधन सप्लाईकर्मियों को प्लांट में प्रवेश का आदेश जारी करे - कैलाश यादव

वरीय संवाददाता ,रांची। प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी एवं एचईसी नागरिक परिषद के अध्यक्ष कैलाश यादव ने एचईसी प्रबंधन को आगाह किया है कि अविलंब सप्लाई कर्मियों को प्लांट के अंदर जाने का आदेश जारी कर श्रम कानूनों का पालन करे। श्री यादव ने कहा कि एचईसी कर्मियों को 22 महीना का बकाया वेतन एक साथ निर्गत करे और मासिक वेतन नियमित करने का ऑर्डर निकाले अन्यथा श्रम कानून के उल्लंघन करने के आरोप में एचईसी प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई करने को विवश होंगे। श्री यादव ने कहा कि वर्षों से मजदूरों के साथ शोषण हो रहा है। बीजेपी के तमाम सांसद और देश के प्रधानमंत्री ऐसे गंभीर विषयों पर मौन हैं। जनविरोधी, मजदूर विरोधी भाजपा सरकार के खिलाफ राजद द्वारा हल्ला बोल कार्यक्रम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन विषयों को लेकर सोमवार को राजद का एक शिष्टमंडल एचईसी के कार्मिक निदेशक से मिलकर वार्ता करेगा। उसके उपरांत आगे की रणनीति तय की जाएगी।

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 106वां भंडारा आयोजित

भगवान को भोग अर्पित कर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित

विशेष संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक शनिवार को होने वाला 106 वां श्री श्याम भंडारा भक्तिमय रंग में सम्पन्न हुआ।

श्री श्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया व उपमंत्री अनिल नारनोली के नेतृत्व में दो श्याम भक्त यजमानश्री परिवार ने श्री श्याम मंदिर में विराजमान खाटूनरेश रिद्धि सिद्धि शिव परिवार बजरंगबली, लड्डू गोपाल, शालिग्रामजी, गरुडजी व गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित किया। आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी के लोकप्रिय भजन का गायन करके यजमानश्री परिवार ने खाटूनरेश की मनोहर की । भोग अर्पित करने के समय पूरा मंदिर श्रध्दा में डूबा हुआ था। भोग लगे प्रसाद को दो श्याम भक्त परिवार ने विशाल वृहद भंडारे में मिश्रित करके सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के साथ मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में यजमानश्री परिवार ने श्री श्याम भंडारे का प्रसाद का वितरण प्रारंभ किया।

106 वे श्री श्याम भंडारा का समय होते-होते मंदिर परिसर भक्तों से अट गया एवं हरमू रोड में लंबी-लंबी कतारे लग गई। खाटू नरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था ।

आज के श्री श्याम भंडारे में वेजिटेबल पुलाव आलू लौकी चना दाल मिक्स सब्जी केसरिया जलेबी शीतल पेय गुलाब शरबत का प्रसाद मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के दिशा निर्देश में श्री श्याम मंदिर में निर्मित किया गया था ।लगभग 2500 से ज्यादा भक्त जनों ने भंडारे का महाप्रसाद प्राप्त किया।इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया श्रवण ढानढनिया अनिल नारनौली पूर्व सांसद अजय मारू वेद भूषण जैन पप्पू रंजना जैन अभिषेक सरावगी कौशल चौधरी रतन शर्मा अनुज मोदी अमित सरावगी कमलेश सावा कमल बिश्नोई अंकित सिंह मनोज खेतावत उपेंद्र पांडे मनीष वर्मा श्याम सुंदर जोशी सहित 60 से ज्यादा स्वयं सेवकों ने भंडारा वितरण में सहयोग किया।

सोमवती अमावस्या आठ को

चैत्र सोमवती अमावस्या सोमवार को बाबा का महास्नान किया जाएगा । सुबह 5-30 बजे की मंगला आरती के बाद मंदिर के पट लगाकर खाटू नरेश का महास्नान अनुष्ठान विधिवत रूप से किया जाएगा । कोलकाता के फूलों से बाबा का श्रृंगार किया जाएगा। नवीन वस्त्र पहनाकर विशेष रूह से मसाज कर पंचमेवा का भोग लगा जाएगा। 8-30 बजे सुबह श्रृंगार आरती की जाएगी।

मंगलवार को श्री सुंदरकांड पाठ

श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा मंगलवार 9 अप्रैल को संध्या 4-30 बजे से हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 96 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक संगीतमय पाठ का आयोजन होगा। मनीष सारस्वत ओम शर्मा व अन्य द्वारा पाठ करवाया जाएगा। सुनील मोदी अपने परिजनों के साथ बजरंगबली की पावन अखंड ज्योति प्रज्वलित करेंगे मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने सभी भक्तों को आमंत्रित किया है।

बोरवेल गाड़ी ने ट्रैक्टर को मारी टक्कर

ट्रैक्टर चालक की मौत

प्रतिनिधि,बड़कागांव। बड़कागांव से हजारीबाग जाने वाली मुख्य मार्ग स्थित 13 माईल टीपी 4 के पास सुबह 6 बजे हजारीबाग से बड़कागांव आ रही बोरवेल गाड़ी (केए 51बी 1777) ने ट्रैक्टर(जेएच 02एके 2853)के पीछे, डाला को जोरदार टक्कर मार दिया जिसके कारण संतुलन बिगड़ गया और सड़क किनारे गड्ढे में ट्रैक्टर जा गिरा। ट्रैक्टर पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया और घटनास्थल पर चालक की मौत हो गई । मृतक की पहचान शिवाडीह गांव निवासी 40 वर्षीय कीर्तन प्रसाद (पिता तिलेश्वर महतो) के रूप में हुई ।ट्रैक्टर को धक्का मारने के बाद बोरवेल गाड़ी लगभग एक किलोमीटर दूर आगे बिजली खम्भे से टकराई गई तब जाकर गाड़ी रुक पाई । घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीण ने तेरह माईल के पास सड़क जाम कर मुआवजे की मांग करने लगे। घटना कि जानकारी मिलते ही बड़कागांव थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति से अवगत हुए । जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध लोगों की उपस्थिति में बोरवेल मशीन गाड़ी के मालिक के बीच मुआवजा देने की बात पर सहमति बनी। पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि बोरवेल मलिक के द्वारा मृतक के परिवार को ? 8 लाख राशि का चेक दिया गया है। तत्पश्चात सड़क जाम को हटाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया। घटना से शिवाडीह गांव में मातम पसर गया है।कीर्तन के मौत से पूरा परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो बच्चे ,माता-पिता व भरपुरा परिवार छोड़ गया। वहीं इस मामले में खबर लिखे जाने तक थाना में किसी प्रकार का कोई आवेदन नहीं दिया गया। मौके पर पुर्व विधायक लोकनाथ महतो ,जिप सदस्य सुनीता देवी, मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार,उपप्रमुख बड़कागांव बचनदेव कुमार,पंसस उपेन्द्र प्रसाद,मुखिया प्रतिनिधि भीखन महतो, पूर्व पंसस बासमती देवी समेंत मृतक के परिजन व ग्रामीण मौजूद थे।

प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय में सेवानिवृत शिक्षक व मैट्रिक के छात्रों को दी गई विदाई

प्रतिनिधि, बरकट्ठा। परियोजना बालिका उच्च विद्यालय बरकट्ठा में शनिवार को विद्यालय के सेवानिवृत शिक्षक राजेंद्र कुमार को विद्यालय परिवार एवं छात्राओं ने नाम आंखों से विदाई दी। विदित हो कि श्री प्रसाद विगत 30 वर्षों से विद्यालय में अवैतनिक रूप से सेवा दे रहे थे। हालांकि 2017 से 2019 तक उन्हें सरकार द्वारा वेतन प्राप्त हुआ। तत्पश्चात वेतन संबंधित मामला न्यायालय में जारी है। इस अवसर पर विदाई समारोह में पहुंचे मुख्य अतिथि विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि गणित के विशेषज्ञ रहे शिक्षक राजेंद्र प्रसाद के बेहतर कार्यों का विद्यालय परिवार सदैव ऋणी रहेगा। मैं इनके शेष जीवन के लिए भगवान से मंगल कामना करता हूं ।वहीं जिप सदस्य कुमकुम देवी, प्रमुख रेणु देवी ने भी सेवानिवृत शिक्षक के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा उनके मंगलमय जीवन की कामना की ।मौके पर छात्राओं की आंखें नम हो गई तथा सेवानिवृत शिक्षक को भावपूर्ण उपहार भेंट किया। वहीं प्रधानाध्यापक अभिषेक कुमार एवं अन्य शिक्षकों ने राजेंद्र प्रसाद को साल, वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर उनका सम्मान करते हुए कहा कि राजेंद्र प्रसाद का योगदान विद्यालय में अतुलनीय रहा है। हम शिक्षकों को उनकी कमी सदैव खलेगी। वहीं मैट्रिक के विद्यार्थियों को भी शिक्षकों ने विदाई देते हुए उनके मंगलमय जीवन की कामना की। मौके पर विद्यालय के शिक्षक विपिन कुमार मौर्या, आरिफ खान, शिक्षिका कीर्ति सीखा, ज्योति श्री, प्रबंधन समिति के शिक्षक नरेश प्रसाद चौधरी, रविंदर प्रसाद वर्नवाल, शशिकांत कुमार वर्नवाल, बहादुर चौधरी , शिक्षकेत्तर कमी चितरंजन प्रसाद यादव ,बैजनाथ प्रसाद समेत सभी लोग उपस्थित थे।

पत्थलगड़ा के कस्तूरबा बालिका विद्यालय में बनाए गए गड़वाल में बरती गई घोर अनियमितता

प्रतिनिधि, पत्थलगड़ा (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के कस्तूरबा बालिका विद्यालय के प्रांगण में बनाए गए गड़वाल में संवेदक के द्वारा घोर अनियमितता बरती गई है। बताया जा रहा है की गड़वाल में संवेदक के द्वारा मरा हुआ पत्थर के अलावे अन्य घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है। अगर देखा जाए तो कस्तूरबा बालिका विद्यालय में छात्राओं की संख्या लगभग ढाई सौ से लेकर तीन सौ के आस-पास रहती है। घटिया किस्म के सामग्री से बनाए गए गड़वाल से कभी भी घटना घटने की संभावना बनी रहेगी। क्योंकि गड़वाल के आसपास बच्चियां खेलते रहती है। अगर समय रहते जांच नहीं किया गया तो बड़ी घटनाएं घटित हो सकती है। अब देखना यह मजे की बात होगी कि अधिकारियों के द्वारा जांच की जाती है या नहीं, अगर जांच हुई तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।

हर घर नल जल योजना में अनियमितता का आरोप

पंचायत समिति सदस्य ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

मिथिलेश कुमार

केरेडारी । प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत हेवई पंचायत में सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना नल जल योजना में निर्माण कार्य कर रहे संवेदक द्वारा भारी अनियमितता बरतने का आरोप पंचायत समिति सदस्य साजन कुमार ने लगाया है। इस संदर्भ में उपायुक्त हजारीबाग को लिखित ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से कहा है कि संवेदक द्वारा घटिया किस्म के सामग्री से नल जल योजना का निर्माण कार्य कराया जा रहा है । हेवई गांव में होम डिलीवरी के लिए लगाए गए पाइप दो से तीन इंच नीचे जमीन में गाड़ दिया जा रहा है। जो चंद दिनों में ही जमीन से ऊपर निकल कर बाहर आ जा रहा हैं। वह कभी भी नष्ट हो सकता है। और बिना बोरिंग किए हीं पुराने चापाकल में मोटर लगा दिया जा रहा है। जिससे गर्मी के पहले मौसम में चापाकल सुख जा रहा है। और पानी का निकासी जीरो हो गया है ! कमजोर और घटिया किस्म के पाइप लगे होने के कारण जगह जगह पाइप फट जाने से पानी की भी बरबादी हो रही है। जिसकी शिकायत निर्माण कार्य कर रही एजेंसी के संवेदक से भी किया गया पर संवेदक के कानों में जु तक नहीं रेंगी। वही प्रकरण की सूचना संबंधित विभाग के जेई से भी किया गया पर जेई भी मामले को लीपापोती करने में लगे हैं। नल जल योजना से संबंध रखने वाले लोगों की भूमिका संदिग्ध है।उपरोक्त घटना क्रम पर जिले के उपायुक्त को लिखित सूचना दी गई है। उक्त मामले पर ग्रामीण एकजुट हो कर नल जल योजना के निर्माण कार्य का खुल कर विरोध जता रहे हैं।

क्या कहते हैं संवेदक

उपरोक्त प्रकरण पर संवेदक राजेश कुमार ने कहा कि क्षतिग्रस्त हुए पाइप को ठीक कराया जाएगा । जिसपर ग्रामीणों ने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवता ऐसी है कि एक ओर से निर्माण कार्य हो रहा है वहीं दूसरी ओर से चंद दिनों में ही खराबी आ रही है ।जिससे कार्य की गुणवाता पर सवाल उठ रहे हैं।

क्या कहते है मुखिया पति अमित कुमार दुबे

हेवई पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अमित कुमार दुबे ने बताया कि हेवई पंचायत में लगभग 32 जल मीनार से लोगो को पानी मिल रहा है और जो बच गए है उसके लिए कार्य चालू है जल्द ही उससे भी लोगो को पानी मिलना सुरु हो जाएगा। रही बात पानी लीकेज का तो बता दे कि जिस जगह कच्चा सड़क है उस जगह भारी वाहन चलने के कारण पाइप से पानी लीकेज हो रहा है जो जल्द ही बन जायेगा।

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के स्वीप पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि,गढ़वा। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने कहा कि जिले के संबंधित पदाधिकारी अपने क्षेत्राधीन उन मतदान केन्द्रों का दौरा करें जहां पूर्व के चुनाव में मतदान का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से कम रहा है। प्रखंड विकास पदाधिकारी से अन्यून श्रेणी के पदाधिकारी अपने क्षेत्रों के ऐसे चिन्हित मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं को पूर्व में यदि कोई असुविधा हुई तो तत्काल संबंधित बी एल ओ एवं संबंधित मतदान केन्द्र के जागरूकता समूह के सदस्यों के सहयोग से इनका निराकरण कराएं। किन्ही का नाम यदि निर्वाचक सूची में दर्ज नहीं हो तो उनका निर्धारित तिथि से पहले फार्म - 6 जमा करवाएं एवं मतदान के प्रति उनकी उदासीनता के कारणों को दूर करते हुए संभावित मतदान प्रतिशत की मैपिंग कर प्रतिवेदित करें। वे आज निर्वाचन सदन, धुर्वा से वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों में चल रहे स्वीप कार्यक्रमों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि स्वीप कार्यक्रमों का उद्देश्य है कि कोई भी मतदाता नहीं छूटे। अतएव सभी जिलों के मतदाताओं की विशिष्टता एवं लक्षित समुदायों को ध्यान में रखते हुए संचार माध्यमों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। शहरी क्षेत्रों में वोटर अवेयरनेस फोरमों, शैक्षणिक संस्थानों के ब्रांड एम्बेसडरों, जिलों के इलेक्शन आइकॉन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान केन्द्रों के जागरूकता समूहों की क्रियाशीलता के द्वारा हरेक मतदाता तक पहुंचा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई मतदान केंद्रों के संबंधित क्षेत्र से निर्वाचन सूची में नाम जुड़वाने के लिए एक भी फॉर्म-6 का जमा नहीं हो पाना चिंता का विषय है। संबंधित पदाधिकारी स्वयं व्यक्तिगत रूप से ऐसे मामलों पर त्वरित कार्रवाई करें। उक्त समीक्षा बैठक में सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, स्वीप के नोडल पदाधिकारी, ए.पी.आर.ओ. एवं एस एम.पी.ओ. को समीक्षोपरांत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

लोकसभा चुनाव का सफल संचालन हेतु विभिन्न कोषांग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रतिनिधि,गढ़वा। समाहरणालय गढ़वा स्थित सभागार में आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर के द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारी एवं अबतक की गई कार्रवाई के निमित विभिन्न कोषांगों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर गठित सभी कोषांगो के नोडल पदाधिकारियों से एक-एक कर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। इनमें मुख्य रूप से पर्सनल एवं कंप्यूटराइजेशन सेल, इलेक्टोरल सेल एवं श्वङ्करूमैनेजमेंट सेल, ट्रेनिंग सेल, स्ख्ष्ट, स्ख्स्ख्ष्ट, लॉ एंड ऑर्डर सेल, कंप्लेन मॉनिटरिंग सेल, इलेक्शन एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग सेल, स्वीप सेल, आईटी सेल, पोस्टल बैलट, श्वष्ठ्ठ सेल, मीडिया एवं पब्लिसिटी सेल, मेटेरियल डिस्ट्रीब्यूशन सेल, कंट्रोल रूम एवं हॉटलाइन सेल, ऑब्जर्वर सेल, ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सेल, स्ट्रॉन्ग रूम सेल, एसएमएस मॉनिटरिंग एवं कम्यूनिकेशन प्लान सेल, जिला डॉक्यूमेंटेशन सेल, नॉमिनेशन एवं रिसीविंग सेल, एमसीएमसी सेल, वेलफेयर सेल एवं डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन सेल की एक एक कर बिंदुवार समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने उक्त कोषांगों के संबंधित नोडल ऑफिसर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी लिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सभी एसओपी का अनिवार्य रूप से सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी एवं अपने अधीनस्थ पदाधिकारी/कर्मियों को सुनिश्चित करें। साथ ही सभी को सक्रिय भूमिका निभाते हुए सभी निर्देशों का अनुपालन करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। चुनाव कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने की बात कही गई। मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने को लेकर भी जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा स्वीप नोडल पदाधिकारी को स्वीप एक्टिविटी के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराने हेतु निर्देश दिया गया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा विभिन्न स्थानों पर बैनर पोस्टर आदि के माध्यम से भी अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि अधिक से अधिक जिले के योग्य मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें, जिससे जिले के मतदान के प्रतिशत को बढ़ाया जा सके। इसके अलावा स्ख्ष्ट घोषणा के बाद से अब तक की गई कार्रवाई की भी जानकारी ली गई एवं एफ0एस0टी / एस0एस0टी टीम को सक्रिय होकर कार्य करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गया। ष्ट1द्वद्दद्वद्य एप्प के माध्यम से प्राप्त शिकायत के निष्पादन की भी जानकारी ली गई। जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि अब तक 5 शिकायत ष्ट1द्वद्दद्वद्य माध्यम से दर्ज हुए, जिसका निष्पादन ससमय कर लिया गया है। इस बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय, उप विकास आयुक्त पशुपति नाथ मिश्रा, अपर समाहर्ता मतियश विजय टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी रंका रुद्र प्रताप, अनुमंडल पदाधिकारी श्री बंशीधर नगर प्रभाकर मिर्धा, निदेशक डीआरडीए रवीश राज सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय, गोपनीय प्रभारी-सह-भू अर्जन पदाधिकारी संजय प्रसाद, जिला जन संपर्क पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह समेत विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित थे।

बीएचयू के छात्र ने मुहिम चलाकर किया कैंसर पीड़िता की मदद, मंत्री ने लिया संज्ञान

प्रतिनिधि,गढ़वा। काजल कुमारी झारखंड के गढ़वा की निवासी है। जो वर्तमान में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी से भूगोल विषय से एमए कर रही हैं, वहीं वह बीए की पढ़ाई भी बीएचयू से ही की थी। अभावों में ये बचपन से ही अपनी बुआ किरण कुमारी के साथ रहती है जो गढ़वा के रंका की निवासी हैं। बुआ किरण उनके लिए मां जैसी हैं। बीते दिनों स्वास्थ्य ख़राब होने पर बुआ को अस्पताल ले गईं टेस्ट वगैरह में पता चला कि बुआ को कैंसर है तथा प्रत्येक 21 दिन के अंतराल पर कुल 3-4 कीमोथेरेपी होनी है। आज दिन शनिवार को पहली थेरेपी थी हॉस्पिटल फ़ीस के अतिरिक्त प्रति थेरेपी का चार्ज 20000 रुपए हैं। काजल ने अपने स्कॉलरशिप के पैसों से अब तक इलाज़ और जांच वगैरह कराया था। लेकिन विपत्ति की इस घड़ी में वह बिलकुल अकेली पड़ गई तो उसके मित्र गढ़वा जिला के बिशुनपुरा निवासी चंदन मेहता ने अपने परिचितों के बीच पीड़ित की मदद के लिए ऑनलाइन मुहिम चलाई। सभी से अपनी क्षमतानुसार सहयोग करने का अनुरोध किया। इसके बाद हर तरफ़ से मदद का हाथ बढ़ाया गया। इस प्रकार बिशुनपुरा, गढ़वा, बीएचयू वाराणसी, बिहार के अलावा भी कई जगहों से लोगों ने वित्तीय मदद की। कुछ ही घंटों में इलाज़ केलिए लगभग 50 हज़ार रुपए जमा हुए। रांची के द फॉलो अप के पत्रकार सन्नी शरद ने ट्विटर(एक्स) पर इसके बारे में मदद मांगी। जवाब में बीबीसी के लिए काम कर चुके रवि प्रकाश ने अपने कैंसर वाले कैमरे की तस्वीर नीलामी में बेचकर फ़ौरन इलाज़ कराने के लिए आगे आए। इसी कड़ी में गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सह झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, उत्पाद एवं निषेध विभाग के मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने संज्ञान लिया और काजल कुमारी को उसके बुआ के इलाज़ के लिए अपने वेतन निधि से तत्काल 50000 रुपए देने की घोषणा की। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ऑनलाइन सोशल मीडिया इंग्लुएंसर्स ने आज़ एक असहाय की मदद करके एक मिशाल पेश की है। जिससे उनकी पहली कैंसर थेरेपी पटना के अतुल्यम अस्पताल में हुई। चंदन और काजल ने सभी लोगों के के प्रति आभार प्रकट किया। वो दोनों भावुक हुए कि आज भी ऐसे लोग समाज में उपस्थित हैं जो एक दूसरे की दुःख में भाग लेना चाहते हैं।

शिवम स्टील फैक्ट्री में कार्यरत फार्निस हेल्पर की मौत,आक्रोशित ग्रामीणों ने किया गेट जाम

दो दिन पूर्व प्लांट में काम करने के दौरान हुई थी घटना,रिम्स में इलाज के दौरान हुई मौत

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। गिरिडीह के औद्योगिक क्षेत्र उदनाबाद में संचालित शिवम स्टील टीएमटी फैक्ट्री में काम कर रहे फार्निस हेल्पर राजू वर्मा की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों और असंगठित मजदूर मोर्चा ने शनिवार को मृतक राजू वर्मा के शव के साथ गेट जाम कर दिया। इस दौरान ग्रामीण और मोर्चा के कार्यकर्ता इतने आक्रोशित थे कि उन्होंने वाहनों के फैक्ट्री में आवागमन को पूरी तरह से बाधित कर दिया। जिसके कारण आयरन और टीएमटी लोड कई ट्रक प्लांट के गेट के बाहर ही खड़े थे। यहां तक कि ग्रामीणों के गुस्से को देखते हुए फैक्ट्री मालिक समेत अन्य कर्मियो को फैक्ट्री के बाहर से वापस लौटना पड़ा।मौके पर गेट जाम कर रहे परिजनों व ग्रामीणों ने बताया कि 47 वर्षीय राजू वर्मा शिवम स्टील फैक्ट्री के फार्निश डिवीजन में करीब पांच साल से कार्यरत था। मृतक राजू वर्मा दो दिन पहले ही काम करने के दौरान चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल राजू वर्मा को पहले स्थानीय नवजीवन अस्पताल में ले जाया गया।उसके बाद रांची के रिम्स में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान शनिवार की अहले सुबह उसकी मौत हो गई। कहा कि फैक्ट्री प्रबंधन के द्वारा अगर सही तरीके से इलाज कराया जाता तो राजू की जान बच सकती थी।इस दौरान जानकारी मिलने के बाद मुफ्फसिल थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों और मोर्चा के कार्यकर्ताओ को समझाने का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीण और मोर्चा के कार्यकर्ता बगैर मुआवजा के गेट से हटने को तैयार नहीं थे। जिसे देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों के पहल पर फैक्ट्री प्रबंधन व ग्रामीणों तथा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के बीच समझौता वार्ता होने के बाद परिजनो ने शव को फैक्ट्री के गेट के पास से हटाया।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने बरगढ़ प्रखंड का किया दौरा

प्रतिनिधि,गढ़वा। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के मद्देनजर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से आज दिन शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त गढ़वा शेखर जामुआर एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय ने संयुक्त रूप से बरगढ़ प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र बूढ़ा पहाड़ एवं हेसतु पंचायत का दौरा किया। सर्वप्रथम उक्त पदाधिकारियों ने नक्सल मुक्त बूढ़ा पहाड़ पहुंच वहां के मतदाताओं से मिल 13 मई को पलामू लोकसभा क्षेत्र में मतदान के दिन अपने घरों से बाहर निकलकर भयमुक्त माहौल में मतदान करने का अपील किया। उपायुक्त ने कहा कि क्षेत्र, जिला एवं देश के विकास में आप सभी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र के लोगों से भयमुक्त माहौल में बिना किसी के दबाव में नैतिक रूप से मतदान करने का अपील किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को सुरक्षा व्यवस्था के लिए चिंतित होने की कोई आवश्यकता नही है। गढ़वा पुलिस एवं सीआरपीएफ बटालियन संयुक्त रूप से आपकी सुरक्षा व्यवस्था के लिए आपके क्षेत्र में तैनात है, इसलिए भयमुक्त माहौल में आप मतदान करें। इस दौरान सीआरपीएफ कैम्प में निशुल्क पढ़ाई कर रहे

बच्चों से भी उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने मुलाकात किया। उक्त पदाधिकारियों ने खुशी व्यक्त करते हुए सीआरपीएफ के कार्यों एवं उनके द्वारा क्षेत्र के बच्चों को दिए जा रहे निशुल्क शिक्षा की सराहना किया। बच्चों से भी उन्हें दी जा रही शिक्षा की जानकारी लिया। बच्चों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को कविता आदि भी सुनाया। मौके पर उपस्थित ग्रामीण जनता की भी उपायुक्त ने समस्याएं सुनी एवं समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित पदाधिकारी को मौके पर निर्देश दिए। क्षेत्र के शतप्रतिशत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने संबंधित निर्देश भी प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि कोई भी योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची से न छुटे, सभी मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज हो एवं बरगढ़ के बूढ़ा पहाड़ में शतप्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराई जा सके। जिसके पश्चात बरगढ़ प्रखंड अंतर्गत बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र के हेसातु पंचायत में स्वीप के तहत चलाये जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में भी जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं पुलीस अधीक्षक शामिल होकर उक्त पंचायत के निवासियों एवं मतदाताओं से रूबरू होने एवं मतदाता जागरूकता अभियान में भाग लेते हुए मतददाताओं से आगामी मतदान दिवस दिनांक-13 मई 2024 को अवश्य मतदान करने की अपील की। आमजनों से उनके लिए बनाए गए मतदान केंद्रों के बारे में जानकारी दी गई। आमजनों से बात करते हुए उनके पंचायतों में व्याप्त समस्याओं के बारे में भी पूछी गई। कुछ लोगों द्वारा मतदान केंद्र उनके निवास स्थान से दूर होने की बात बताई, जबकि कुछ लोंगो ने पंचायत में विद्युत, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा व सड़क आदि में पर्याप्त विकास कार्य कराने की मांग की। कुछ लोगों द्वारा बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र में पहले के अपेक्षा अब के समय मे सतत विकास कार्य सम्पन्न होने की बात कही गई। ज्ञातव्य है कि बूढ़ा पहाड़ पूर्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आता था, जिसे अब जिला प्रशासन व पुलिस तथा सीआरपीएफ बलों द्वारा नक्सलमुक्त कराकर भयमुक्त वातावरण की मिसाल दी गई है। पुलिस अधीक्षक दीपक पांडेय द्वारा आमजनों की मांग को ध्यान में रखते हुए मतददाताओं की मांग पर विचार करने की बात कही एवं उनके लिए उनका मतदान केंद्र संभावित नजदीकी स्थल पर बनाये जाने की बात कही गई। वहीं उपायुक्त शेखर जामुआर द्वारा भी मतददाताओं से अपने मत का प्रयोग करना जरूरी बताया। उन्होंने मतदान दिवस को राष्ट्रीय पर्व बताया। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्रों में बेहतर विकास के लिए एक अच्छा जनप्रतिनिधि होना आवश्यक है, जिसके लिए आपका वोटिंग प्रक्रिया में भाग लेना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि जबसे बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र को नक्सलियों से मुक्त कराया गया है, तब से यहाँ लगातार विकास के कार्य किये जा रहे हैं, ताकि आमजनों को कोई भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव न झेलना पड़े। विद्युत आपूर्ति के संबंध में मौके पर उपस्थित कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल द्वारा बताया गया कि 10 से 15 दिनों के अंदर विद्युत बहाल कर दिए जाएंगे। इसी प्रकार पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता द्वारा उक्त क्षेत्रों में पेयजल की समुचित व्यवस्था करने की बात कही गई। बूढ़ा पहाड़ गांव के वैसे बच्चे-बच्चियां जिनका नाम स्कूलों दर्ज नहीं है, उनका नाम एक सप्ताह के अंदर निकटवर्ती विद्यालय में दर्ज कर देने की बात कही गई एवं स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतर सुधार करने के उद्देश्य से उप स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की नियमित प्रतिनियुक्ति करने की बात कही गई। मौके पर उक्त पदाधिकारियों के अतिरिक्त सीआरपीएफ के अधिकारी अमरेंद्र कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी रंका रूद्र प्रताप, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रंका रोहित रंजन सिंह, भूमि सुधार उप समाहर्ता सह नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग प्रमेश कुशवाहा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी आकाश कुमार, जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी व कर्मी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी भंडरिया एवं बरगढ़ JSLPS के DPM सुशील कुमार दास, चिकित्सा पदाधिकारी, उक्त प्रखण्डों के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी समेत काफी संख्या में आमजनों की उपस्थिति थी।

संक्षिप्त समाचार

फेसबुक पर गलत पोस्ट डालने पर युवक अरेस्ट, पहले भी 6 को पुलिस कर चुकी है गिरफ्तार

मुज़फ़्फ़रपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में लोकसभा चुनाव को लेकर सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ा दी गई है। जहां सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भड़काऊ और समाज में तनाव फैलाने वाले लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक धर्म विशेष के खिलाफ गलत टिप्पणी करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में कुढ़नी पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले को कुढ़नी पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक की पहचान रमेश साहनी के रूप में हुई है। जो कुढ़नी थाना क्षेत्र के बिशनपुर धनराज का रहने वाला है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मुजफ्फरपुर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार पुलिस की विशेष टीम नजर रख रही है। इससे पहले भी जिले में आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में पूर्व में 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की गई थी। इसके बाद इस तरह के मामले में मुजफ्फरपुर पुलिस की यह दूसरी बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

पति के साथ गुप्ताधाम जा रही महिला की मौत

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। रोहतास के चेनारी थाना क्षेत्र में दुर्गावती जलाशय के पास बाइक से गिरी महिला की मौत शुक्रवार रात इलाज के दौरान हो गई। महिला बाइक पर अपने पति के साथ गुप्ताधाम जा रही थी। इसी दौरान वह बाइक से गिर गई, जिससे उसके सर में गंभीर चोट लग गई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दंपती उत्तर प्रदेश के चंदौली से गुप्ताधाम जा रहे थे। मृतका राधेश्याम के पत्नी गुलाबी देवी बताई जाती है, जो चंदौली के नवही के रहने वाले हैं। सदर अस्पताल में पति राधेश्याम ने बताया कि कल देर शाम वो अपनी पत्नी के साथ बाइक से गुप्ताधाम जारहे थे। करमचंट बांध से थोड़ी देर पहले अचानक एक ब्रेकर पर बाइक से पत्नी गिर गई और घायल हो गई। लोगों से अनुरोध कर किसी तरह पत्नी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चेनारी ले आया। जहां प्राथमिक चिकित्सा के बाद चिंताजनक स्थिति में बेहतर इलाज हेतु हायर सेंटर रेफर किया गया।सदर अस्पताल सासाराम में पहुंचने पर चिकित्सक मृत घोषित कर दिया। बताया कि पत्नी के सर में गंभीर चोट लगने के कारण मौत् हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम कराकर अगली कार्रवाई जारी रखी है।

दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट, एक दर्जन घायल

किशनगंज , एजेंसी। किशनगंज के ठाकुरगंज प्रखंड के पथरिया गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी डंडा के साथ जमकर पत्थर बाजी हुआ। जिसमें दोनों पक्ष के लोग लगभग एक दर्जन लोग घायल हो गया। वहीं दो की हालत गंभीर होने के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिकित्साओं ने सदर अस्पताल रेफर किया। मिली जानकारी के अनुसार पथरिया गांव के वार्ड नंबर 5 का मामला अपनी पुश्तैनी जमीन को लेकर मो. महबूब आलम, और रफीक आलम के बीच जमकर मारपीट हुई। वहीं इसकी सूचना गलगलिया थाना अध्यक्ष राहुल कुमार को दी गई। मामले को गंभीरता से लेते थाना अध्यक्ष राहुल कुमार ने दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। जहां तत्काल सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठाकुरगंज उपचार के लिए भेजा। इस जमीनी विवाद में मो. मंजूर, रुस्तम, मो. अकबर हुसैन, नाजिम, नूरशाद, कुमराह फज्जू, आमीर, राबिया बेगम मैजून निशा, रफीक आलम, करीम, अंसार इस विवाद में घायल हो गए। घायलों की सूची में करीम पिता कमाल अंसार, पिता कमाल की गंभीर अवस्था को देखते किशनगंज सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

मार्केट से गायब हैं सीबीएसई और एनसीईआरटी की बुक

पटना में 25 करोड़ की नकली किताबें बरामद 5 प्रिंटिंग प्रेस पर भारती भवन की शिकायत पर रेड

पटना, एजेंसी। पटना में भारी मात्रा में नकली किताबें बरामद हुई हैं। यह कार्रवाई भारती भवन के शिकायत पर की गई थी। जब पुलिस ने प्रिंटिंग प्रेसों पर छापा मारा तो वहां अलग अलग ब्रांड की नकली किताबें मिली। इनमें से सब से ज्यादा सरकारी यानी सीबीएससी और एनसीईआरटी के किताबें सब से अधिक थी। ये सभी किताबें दो दिन में बाजार में निकाल दी जाती। ये सभी किताबें क्लास 6 से क्लास 8 तक की हैं। बताया जाता है कि 25 करोड़ की कुल नकली किताबें बरामद की गई हैं। पुलिस ने सभी प्रिंटिंग को फिलहाल अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक पटना में इससे ज्यादा नकली किताबें एक साथ नहीं बरामद की गई है। पुलिस ने इसके मुख्य सरगना राकेश कुमार को भी गिरफ्तार किया है।

भारती भवन के एक अधिकारी ने बताया कि एक साल से ऐसी शिकायत आ रही थी कि भारती भवन ने प्रकाशन की क्वालिटी खराब हो रही है। जिसके बाद इसकी जांच कराई गई। तो पाया गया कि भारती भवन की पटना में बिकने वाले में 40 प्रतिशत किताबें नकली हैं। जिसके बाद एक टीम बना कर इसके जड़ तक पहुंचने के काम शुरू किया गया। टीम को पटना के रामाकृष्णा नगर थाना इलाके में 3 और बायपास थाना क्षेत्र में दो प्रिंट प्रेस और गोडाउन का पता चला जहां सिर्फ बड़े बड़े ब्रांड्स के का नाम दे कर नकली किताबें छापी जाती हैं।

25 करोड़ की नकली किताब बरामद

भारती भवन ने इसकी सूचना सिटी एसपी पूर्वी भरत सोनी को दी। सिटी एसपी ने सत्यकाम एसडीपीओ 2 सदर पटना और गौरव कुमार एसडीपीओ 2 पटना सिटी को दोनों संबंधित थाना प्रभारियों के साथ छापेमारी का आदेश दिया। जिसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर लगभग 25 करोड़ के नकली किताबें बरामद की हैं। जिसके बाद रामकृष्णा नगर थाना और बायपास थाना में मामला दर्ज किया गया है।

छाप रहे थे कई ब्रांड्स की नकली किताबें

भारती भवन की शिकायत पर पटना के 5 प्रिंटिंग प्रेस पर छापेमारी की गई। इस प्रेसों में सीबीएससी और एनसीईआरटी, भारती भवन, एस चांद, राजकमल समेत लगभग एक दर्जन प्रकाशन की किताबें छप रहीं थीं।

इस प्रिंटिंग प्रेस में प्रिंटिंग मशीन बाइंडिंग मशीन लेबलर कटर के साथ साथ गोडाउन भी थे। इन पांचों में से 3 में तो सिर्फ एनसीईआरटी और सीबीएसई की ही नकली किताबें हीं छापी जा रही थी। जबकि ये दोनों प्रकाशन सरकारी हैं। 25 करोड़ के नकली किताबों में लगभग 20 करोड़ की किताबें एनसीईआरटी और सीबीएसई का ही था। भारती प्रकाशन के 4 करोड़ और बाकी की सब मिला कर लगभग 2 करोड़ की निकली किताबें थी। राकेश पर 2020 में भी रेड पड़ चूका है। उस समय राकेश के 6 ठिकानों से लगभग 9 करोड़ के नकली किताबें बरामद हुई थी। राकेश जेल भी गया। 6 महीने के बाद बेल पर बाहर आ गया। अभी भी वो केस कोर्ट में चल रहा है। राकेश ने जेल से बाहर आने के बाद फिर से यहीं धंधा शुरू कर दिया।

मार्केट से गायब हैं सीबीएसई और एनसीईआरटी की किताबें

पटना में सब से ज्यादा सीबीएसई और एनसीईआरटी की किताबें पढ़ाई जाती है, लिहाजन इनकी किताबें भी बहुत बिकती हैं। अभी लगभग स्कूलों में पढ़ाई शुरू हो गई है या होने वाली है। पटना में इन प्रकाशनों के किताबों की मांग भी बहुत है। लेकिन के दुकानों में कक्षा 6 से कक्षा 8 की किताबें नहीं मिल रही है। अभिभावकों जगह जगह चक्कर लगा रहें हैं। इस समय अगर बाजार में नकली किताबें आ जाती तो सारी किताबें हाथों हाथ बिक जाती। सीबीएसई से मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में एनसीईआरटी किताब न चला कर निजी प्रकाशकों की किताबें अधिक दामों में बेची जा रही हैं। अभिभावकों को निजी प्रकाशक महंगी किताबें तो खरीदनी पड़ ही रही है। एनसीईआरटी की पुस्तक भी महंगे कीमत में मिल रही है। कक्षा छह से आठ तक में एनसीईआरटी की हिंदी, गणित, विज्ञान, सोशल साइंस, अंग्रेजी की पुस्तकें मार्केट से गायब हैं।

पानी भरे गड्ढे में डूबने से मासूम की मौत

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली के महनार थाना क्षेत्र के लावापुर नारायण पंचायत स्थित चिमनी भट्ठा पर पानी भरे गड्ढे में डूबने से एक 3 साल की बच्ची की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। इधर, घटना की सूचना स्थानीय लोगों द्वारा संबंधित थाने के पुलिस अधिकारी को दी गई। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। मृतका बच्ची गया जिले के मजिरगंज थाना क्षेत्र के जमुआमा बेलदारी गांव निवासी अरविंद चौहान की बेटी करुणा कुमारी बताई गई है। उसके मां-पिता सहित पूरे परिवार के साथ चिमनी पर काम कर परिवार भरण पोषण कर रहा है। इसी बिच पिंकी चिमनी भट्ठा पर पानी से भरे गड्ढे में करुणा कुमारी खेलते खेलते गिर गई। घटना को किसी ने नहीं देखा और उसकी डूबने से मौत हो गई। जब परिजनों ने उसे खोजबीन शुरू किया तो दूर दूर तक दिखाई नहीं दी। जब खोजते खोजते लोग पानी भरे गड्ढे की तरफ गए तो देखा कि मृत अवस्था में बच्ची पड़ी हुई थी। इस संबंध में अरविंद चौहान ने बताया कि खेलने के दौरान पानी भरे गड्ढे में गिर कर उसकी मौत हो गई है। किसी ने नहीं देखा था कब पानी की तरफ चली गई है।

झारखंडधाम मंदिर परिसर के पास अतिक्रमण मुक्त कराया गया

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। गिरिडीह में झारखंडधाम की जमीन पर अवैध कब्जा करने का सिलसिला थम नहीं रहा है।शनिवार को हिरोडीह थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार अग्रवाल द्वारा झारखंडधाम मंदिर परिसर के गेट के पास अतिक्रमण को मुक्त कराया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने झारखंड धाम मंदिर के गेट के अगल-बगल दुकानों को अतिक्रमण के लिए 3 लोगों को नोटिस भेजा था और वहाँ से हटाने के लिए कुछ दिनों का समय दिया गया था जिसके बाद,शनिवार को पुलिस ने दुकानों को हटाने के लिए कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि झारखंड धाम मंदिर परिसर के अगल- बगल अतिक्रमण के लिए 3 लोगों को नोटिस भेजने के बाद भी वे सभी अपनी दुकानें हटाने में लापरवाह रहे। इसके बाद, पुलिस ने अतिक्रमण को हटाने के लिए कड़ी कार्रवाई की है, अब सभी लोगों को नोटिस भेजी जायगी जिसके बाद पूरी तरह से अतिक्रमण हटाया जाएगा। बता दें कि झारखंडधाम में 14 एकड़ 22 डिसमील जमीन महादेव मंदिर के नाम पर दर्ज है। इस जमीन पर यात्रियों के रहने के लिए एवं पूजा-पाठ के लिए है। मंदिर परिसर में लगनेवाले मेले या यात्रियों को कथा जागरण करने के लिए जमीन छोड़ी गई थी। उस पर दिन प्रतिदिन अतिक्रमणकारियों का कब्जा करने का सिलसिला रूक नहीं रहा है।

बेटा के कांग्रेस में शामिल होने पर मंत्री पिता बोले- यह उसका राजनीतिक फैसला

मैं पूरी निष्ठा से जदयू और नीतीश कुमार के साथ हूँ

पटना, एजेंसी। बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित एक कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह की मौजूदगी में सन्नी हजारी ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है. सन्नी हजारी समस्तीपुर में पिछले कई सालों से सक्रिय हैं और पंचायती राज के क्षेत्र में उन्होंने बहुत कुछ किया है.

वह खानपुर प्रखंड प्रमुख भी हैं. कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने के बाद सन्नी हजारी ने कहा कि अगर कांग्रेस हाई कमान उन्हें चुनाव लड़ने की अनुमति दे तब वे समस्तीपुर से कांग्रेस के प्रत्याशी होंगे. शांभवी चौधरी के समस्तीपुर के बाहर का उम्मीदवार होने के बारे में पूछे जाने पर सन्नी हजारी ने कहा कि इसका फैसला जनता करेगी. यह पूछे जाने पर की अपने अपने पिता की विपरीत विचारधारा की पार्टी को ज्वाइन किया है तो इसके लिए क्या उनकी अनुमति ली है सन्नी हजारी ने कहा कि इसके लिए उन्होंने कोई अनुमति नहीं ली. उन्होंने कई उदाहरण दिए जिसमें पिता अलग पार्टी और पुत्र अलग विचारधारा की पार्टी में रहे हैं.

लोजपा से नहीं मिली टिकट, समस्तीपुर से लड़ना चाहते थे चुनाव

सन्नी हजारी के पिता महेश्वर हजारी चाहते थे कि उनके पुत्र को समस्तीपुर से लोजपा से टिकट मिले और इसके लिए बतौर पिता उन्होंने कोशिशें भी की थी. लेकिन आखिरकार मंत्री अशोक चौधरी की बेटी शांभवी चौधरी ने लोजपा का टिकट हासिल करने में सफलता पाई. इसके बाद से ही सन्नी हजारी नाराज चल रहे थे. उनके समर्थकों ने कहा था कि क्षेत्र में सक्रिय रहे सन्नी को चुनाव मैदान में डट जाना चाहिए. जनता उन्हें भारी मतों से जिताएगी. अब सन्नी ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा है.

मंत्री महेश्वर हजारी बोले- वे बड़े हो चुके, अपना फैसला खुद करते हैं

उधर इस मामले में पूछे जाने पर बिहार सरकार के आईपीआरडी मंत्री महेश्वर हज़ारी ने कहा कि मेरे पुत्र के राजनीतिक फ़ैसले पर मुझे कुछ नहीं कहना है. मंत्री ने कहा कि वो बड़े हो चुके हैं और अपना फ़ैसला खुद लेना जानते हैं. मैं पूरी निष्ठा से जदयू और नीतीश कुमार के साथ हूँ. मंत्री ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी मिली है और मधेपूरा के चुनाव प्रभारी के रूप में उस जिम्मेदारी को बखूबी निभाऊँगा.

चमकी बुखार से 4 साल के बच्चे की मौत,एंबुलेंस के लिए भटकते रहे परिजन

पूर्णिया , एजेंसी। चमकी बुखार से 4 साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे को पिछले 10 दिनों से हाई फीवर था। बच्चा अररिया के जोकीहाट का निवासी है। परिजनों का कहना है चमकी आने पर वे बच्चे को अररिया सदर अस्पताल ले गए। मगर वहां सरकारी एंबुलेंस न होने पर बच्चे को बाइक पर बैठाकर अररिया से पूर्णिया निकल पड़े। पूर्णिया मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले ही बच्चे ने दम तोड़ दिया। बच्चे की पहचान अररिया जिले के जोकीहाट के चकई बस्ती निवासी नरेश मंडल के बेटे विवेक कुमार (4) के रूप में की गई है।

कार्यालयः—
वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमण्डल
E-mail :forest-gumla@jharkhandmail.gov.in
Mobile No. – 8987790115 Pin Code - 835207

पत्रांक ..../ दिनांक ..../

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक 17.03.2024 को गुप्त सूचना के आधार पर आदर चेकनाका, मेन रोड, आदर के पास से 08 पीस साल बोटा सहित एक पीकअप नं0–CG15A3558 को वनकर्मियों के द्वारा जप्त कर आदर वन परिसर में लाकर सुरक्षित रखा गया है। उक्त जप्त वन पदार्थ सहित वाहन के विरूद्ध प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में अधिहरण की कार्रवाई प्रारम्भ की गई है।

अतः समाचार पत्रों के माध्यम से जप्त वन पदार्थ के दावेदार (यदि कोई हो) एवं सम्बन्धित सभी को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 19.04.2024 को प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में 11:00 बजे पूर्वाह्न स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों के आधार पर एक पक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा।

प्राधिकृत पदाधिकारी,
–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी,गुमला वन प्रमंडल

:–वन है,तो जीवन है–:

PR 323627 (Forest, Environment and Climate Changes)24-25*D

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, राँची

द्वारा आयोजित

चेक अनादरण एवं विद्युत अधिनियम से संबंधित विशेष लोक अदालत

झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची द्वारा दिनांक 21 अप्रैल, 2024 से 26 अप्रैल 2024 तक व्यवहार नयायालय, रांची के परिसर में पक्षकारों के साथ चेक अनादरण एवं विद्युत अधिनियम के मामलों पर बातचीत के लिए प्री–लोक अदालत की बैठकें आयोजित की जायेगी। इसके साथ ही चेक अनादरण एवं विद्युत अधिनियम से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन दिनांक 27.04.2024 को पूर्वाह्न 07:30 बजे से किया जायेगा।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अधिक से अधिक संख्या में अपने मामलों को उक्त चेक अनादरण एवं विद्युत अधिनियम से संबंधित विशेष लोक अदालत में सूचीबद्ध कराकर सस्ता एवं सुलभ न्याय प्राप्त करें और इस आयोजन को सफल बनावें।

नोट :– इस संबंध में किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी हेतु आप किसी भी कार्य दिवस के दिन 07.30 बजे पूर्वाह्न से कार्यावधि तक राँची, व्यवहार न्यायालय परिसर में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय में उपस्थित होकर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार राँची अथवा मोबाईल नम्बर – 9852361365, 9334941801 से सम्पर्क कर सकते हैं।

दिवाकर पांडे
न्यायायुक्त–सह–अध्यक्ष
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, राँची

राहुल कुमार सिन्हा
उपायुक्त–सह–उपाध्यक्ष
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, राँची

चंदन कुमार सिन्हा
वरीय पुलिस अधीक्षक–सह–सदस्य
जिला विधिक सेवा प्राधिकार राँची

PR 323635 Law (24-25)_D

कंपनियों से चंदा लेकर लूट की छूट देने वाले गरीबों का भला नहीं कर सकतेः राजेश यादव

विनोद सिंह के समर्थन में सदर प्रखंड में चला जन संपर्क अभियान, घर-घर से लिए जा रहे 20 सहयोग

पूसू प्रतिनिधि,गिरिडीह। भाकपा माले नेता ने कहा है कि भाजपा ने कंपनियों से करोड़ों रुपए चंदा लेकर उन्हें लूटने की खुली छूट दी, जिसका खामियाजा देश की आम जनता तथा खासकर गरीबों को भुगतना पड़ा है। कंपनियों से चंदा लेने वाले कभी भी गरीबों का भला नहीं कर सकते। इसलिए लोगों को एकजुट होकर भाजपा को हराने की जरूरत है। मोदी सरकार देश के संविधान और लोकतंत्र के लिए भी खतरा बन चुकी है।

उक्त बातें भाकपा माले नेता राजेश यादव ने शनिवार को सदर प्रखंड के कोवाड़ तथा धनयडीह में आयोजित जन संपर्क अभियान के दौरान स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कही। कहा कि कोडरमा क्षेत्र में भी भाजपा को शिकस्त मिलेगी, क्योंकि बार-बार यहां से जीतने पर भी भाजपा ने विकास तथा जनता के दूसरे सवालों पर कुछ खास नहीं किया। कोडरमा क्षेत्र शिक्षा तथा रोजगार के क्षेत्र में खासा पिछड़ा रहा,इसलिए लोग इस बार जागरूक और संगठित हो गए हैं। माले नेता ने कहा कि, भाजपा कंपनियों से हजारों करोड़ चंदा लेकर चुनावी मैदान में उतरी है, ताकि जीतकर फिर से कंपनियों की सेवा कर सके। लेकिन, दूसरी तरफ माले अपने समर्थक सभी घरों से ?20 का सहयोग लेकर चुनाव लड़ रही है,यह बड़ी बात है। मौके पर माले नेता मनोज कुमार यादव, पंकज वर्मा, दीपक वर्मा, राजेश वर्मा, अर्जुन वर्मा, चंदन कुमार, पांचू महतो, बिहारी महतो, भुनेश्वर राना, सुनील राना, जीतन राना, बसंत राना, लाखेश्वर राना, छोटेलाल यादव, शंकर राना, भोला महतो, धर्मेंद्र राना, दशरथ कुशवाहा, संगीता देवी, चंद्रिका देवी, मंजू देवी, किरण देवी, देवकी देवी, गुड़िया देवी, रीता देवी, सीता देवी, मंजू देवी सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

तीन अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधी पुलिस ने दबोचे, बरामद सामानों की सूची जान पड़ जाएंगे हैरत में

कुशीनगर, एजेंसी। बिहार के गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाने की पुलिस ने यूपी-बिहार सीमा पर बलथरी चेकपोस्ट से शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय गिरोह के तीन साइबर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तीनों पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। इनके पास से अलग-अलग टेलीकॉम कंपनियों के 8,774 सिम कार्ड और नेपाली करेंसी बरामद हुई है। सभी आरोपी गोरखपुर एयरपोर्ट से सिम कार्ड रिसीव कर पश्चिम बंगाल के मालदा जा रहे थे। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर बलथरी चेकपोस्ट पर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी बीच पश्चिम बंगाल नंबर की एक कार को संदेह के आधार पर रोका गया। तलाशी में कार से विभिन्न टेलीकॉम कंपनियों के 8,774 सिम कार्ड, 18,800 नेपाली रुपये और पांच एंड्रॉयड फोन मिले हैं। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर कार को जब्त कर लिया।

उनकी पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा के मासिमपुर गांव निवासी मो.अस्माउल शेख, मो. इकबाल हुसैन और नूर आलम के रूप में हुई। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि सिम कार्ड दिल्ली से विमान से गोरखपुर पहुंचे थे। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

शोहदों ने फैलाई कोर्ट मैरिज की अफवाह, आहत छात्रा ने दी जान, पिता बोला- दो युवक करते थे परेशान

फतेहपुर , एजेंसी। फतेहपुर जिले में दुस्साहसी शोहदों ने छात्रा से ज्यादती की हदें पार कर दीं। बीए की छात्रा को उसके गांव के ही दो युवक कॉलेज आते-जाते परेशान करने लगे। छात्रा ने विरोध किया, तो उसके साथ कोर्ट मैरिज की अफवाह फैला दी। परिजनों ने छात्रा को एक रिश्तेदार के घर भेज दिया, लेकिन शोहदे नहीं माने और रिश्तेदार के गांव भी पहुंचने लगे। आहत छात्रा ने गुरुवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे रिश्तेदार के घर पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया है। खागा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती (21) स्नातक की छात्रा थी। वह कुछ माह से खखरेरू थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्तेदार के घर रह रही थी। युवती के परिजनों ने बताया कि गांव निवासी अंकित तिवारी और अनुज तिवारी उसकी पुत्री को काफी समय से परेशान कर रहे थे। दोनों के परिजनों से कई बार शिकायत भी की, लेकिन उन लोगों ने अनसुनी की। बदनामी के डर से पुलिस से शिकायत करने से बच रहे थे।

कोर्ट मैरिज की बात कहकर छात्रा को बदनाम करने लगे: कुछ दिनों पूर्व आरोपी अंकित ने गांव में अफवाह फैला दी कि उसने उनकी बेटी से कोर्ट मैरिज कर ली। इस बात से पुत्री मानसिक तनाव में रहती थी। इसी वजह से पुत्री को थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्तेदार के घर भेज दिया था। आरोपी रिश्तेदार के गांव भी पहुंचने लगे और वहां भी कोर्ट मैरिज की बात कहकर बेटी को बदनाम करने लगे। आखिर में बेटी ने आत्मघाती कदम उठा लिया।

आरोपियों की तलाश में दी जा रही है दबिश: कोतवाल तेज बहादुर सिंह ने बताया कि युवती के पिता की तहरीर पर अंकित व अनुज के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी रिश्ते में चचेरे भाई बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला कि दोनों आवारा किस्म के हैं। आरोपियों की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी गई है।

छत पर मंजन कर रही युवती को लगी गोली, किसने चलाई और किधर से आई...कुछ नहीं पता

आगरा , एजेंसी। एटा कोतवाली नगर क्षेत्र के जाटवपुरा में छत पर मंजन कर रही युवती को गोली लग गई। गोली लगते ही युवती खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ी। गोली की आवाज सुनकर परिजन दौड़कर छत पर पहुंचे। युवती को तत्काल ही अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। जाटवपुरा में एक युवती छत पर मंजन कर रही थी। उसी दौरान युवती को गोली लगी। परिजन उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। युवती की हालत गंभीर है, जिसके बाद उसे वहां से रेफर कर दिया गया।

अमेठी में सियासी सूरमाओं ने गंवाई जमानत... 2019 के चुनाव में 28 में से 26 उम्मीदवार न बचा पाए थे जमानत

अमेठी , एजेंसी। अमेठी का अपना एक अलग मिजाज है। सियासत का मैदान हो या फिर कुछ और, यहां के मतदाताओं ने हर बार कुछ नया किया है। कभी जीत का रिकॉर्ड बनाया तो कभी सियासी सूरमाओं को ऐसा सबक दे दिया कि वह हार के साथ अपनी जमानत तक गवां बैठे। अमेठी में सियासी सूरमाओं ने गंवाई जमानत... 2019 के चुनाव में 28 में से 26 उम्मीदवार न बचा पाए थे जमानत। अमेठी में सियासी सूरमाओं ने भी जमानत गंवाई है। 2019 के चुनाव में 28 में से 26 उम्मीदवार जमानत भी नहीं बचा पाए थे। मेनका गांधी, शरद यादव और कांशीराम जैसे बड़े नाम इस लिस्ट में शामिल हैं।

अमेठी का अपना एक अलग मिजाज है। सियासत का मैदान हो या फिर कुछ और, यहां के मतदाताओं ने हर बार कुछ नया किया है। कभी जीत का रिकॉर्ड बनाया तो कभी सियासी सूरमाओं को ऐसा सबक दे दिया कि वह हार के साथ अपनी जमानत तक गवां बैठे।

चाहे वह मेनका गांधी हो या फिर बसपा के संस्थापक कांशीराम, जनता दल के शरद यादव व आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ चुके डॉ. कुमार विश्वास। इन नेताओं की अमेठी में जमानत तक जब्त हो चुकी है।

वर्ष 1967 में अस्तित्व में आई अमेठी का पहला चुनाव कांग्रेस के विद्याधर वाजपेयी ने जीता। इस चुनाव में छह उम्मीदवारों में से चार की जमानत जब्त हो गई।

1971 के चुनाव में जीत दर्ज करने वाले कांग्रेस के विद्याधर के अलावा मैदान में उतरे चार अन्य प्रत्याशी जमानत तक नहीं बचा सके। 1977 के चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय लोकदल के रवींद्र प्रताप सिंह व कांग्रेस के संजय गांधी को छोड़कर दो अन्य को हार के साथ जमानत तक गंवानी पड़ी।

जब शरद यादव तक नहीं बचा सके जमानत

वैसे तो वर्ष 1980 के चुनाव में 12 उम्मीदवार मैदान में थे। इसमें से कांग्रेस के संजय गांधी ने 57.11 फीसदी मत पाकर जीत हासिल की थी। इस चुनाव में दस उम्मीदवारों को जमानत तक से हाथ धोना पड़ा था। संजय गांधी की विमान हादसे में मौत के बाद 1981 में हुए उपचुनाव में राजीव गांधी ने जीत दर्ज की थी। मुकाबले में उतरे लोकदल के शरद यादव जमानत तक नहीं बचा सके थे। उन्हें महज 21 हजार 188 वोट ही मिले थे।

विरासत की जंग में मेनका भी चूकीं

वर्ष 1984 के चुनाव का किस्सा काफी रोमांचक है। इस चुनाव में कुल 7 लाख 40 हजार 782 मतदाता थे। इसमें से चार लाख 36 हजार 263 ने मतदान किया था। इस चुनाव में वैसे तो 31 उम्मीदवार मैदान में थे लेकिन, मुख्य मुकाबला कांग्रेस के राजीव गांधी व निर्दलीय मेनका गांधी के बीच था। पति की मौत के बाद जेठ के खिलाफ मेनका गांधी का यह पहला चुनाव था। उन्होंने काफी मेहनत किया। गांव-गांव गई। लेकिन, परिणाम अलग था। मेनका गांधी महज 50 हजार 163 मत पर सिमट गईं। इस चुनाव में मेनका गांधी समेत 30 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी।

कांशीराम तक की जब्त हो गई जमानत

बोफोर्स मामले के बीच हुआ वर्ष 1989 का चुनाव सियासत में काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। इस चुनाव में अमेठी के मौजूदा सांसद रहे राजीव गांधी के खिलाफ 47 उम्मीदवार मैदान में थे। इस चुनाव में बसपा संस्थापक कांशीराम समेत 46 उम्मीदवारों की जमानत तक नहीं बची थी। इसके बाद 1991 में 40, 1996 में 44, 1998 में 10, 1999 में 25, 2004 में 10 की प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी।

विधानसभा चुनाव में 40 की जब्त हुई थी जमानत

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में जिले के चार विधानसभा क्षेत्र में किस्मत आजमाने वाले 48 प्रत्याशियों में महज रनर व विनर को छोड़ 40 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी। जिले में भाजपा इकलौती ऐसी पार्टी निकलकर सामने आई थी, जिसके प्रत्याशी सभी सीट पर अपनी जमानत बचाने में सफल थे। तिलोई में कांग्रेस, बसपा व आप, जगदीशपुर में बसपा, सपा व आप, अमेठी में कांग्रेस, बसपा व आप, गौरीगंज में कांग्रेस, बसपा व आप के उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई थी।

क्या है जमानत जब्ती की व्यवस्था

जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 की धारा 158 के अनुसार किसी प्रत्याशी को किसी निर्वाचन क्षेत्र में डाले गए कुल विधिमान्य मतों की संख्या के छठे भाग या 1/6 से कम वोट मिलते हैं तो उसकी जमानत जब्त मान ली जाती है।

सिर्फ जीते उम्मीदवार की बची थी जमानत

वर्ष 2009 के चुनाव में कुल 16 प्रत्याशी मैदान में थे। उस वक्त कुल 6 लाख 46 हजार 650 वोट पड़े थे। इसमें से चार लाख 64 हजार 195 वोट पाकर जीत दर्ज करने वाले राहुल गांधी ही जमानत बचा सके थे। अन्य सभी 15 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। वर्ष 2014 के चुनाव में 35 प्रत्याशी चुनावी रण में थे। कुल आठ लाख 74 हजार 625 मतदाताओं ने वोट डाला था। इसमें से कांग्रेस राहुल गांधी व भाजपा की स्मृति जूबिन इरानी को छोड़कर आप के डॉ. कुमार विश्वास सहित 33 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी। वर्ष 2019 के चुनाव में 28 में से 26 उम्मीदवार जमानत गवां बैठे।

सरेंडर कर सकती है मुख्तार की पत्नी, लंबे समय से पुलिस के लिए चुनौती बनी है आफ्शा अंसारी

गाजीपुर , एजेंसी। गाजीपुर जनपद से लखनऊ तक की पुलिस के लिए बीते कई सालों से चुनौती बनी मुख्तार अंसारी की पत्नी आफ्शा अंसारी अब सरेंडर कर सकती है। इसके लिए परिवार के लोग कोशिश में लगे हुए हैं। मुख्तार का छोटा बेटा उमर अंसारी अब जेल में बंद अब्वास अंसारी, फरार चल रही मां आफ्शा अंसारी को और भाभी निकहत को एक साथ लाने की कोशिश में है।

वह भाभी निकहत के साथ कासगंज जेल में बंद भाई अब्बास अंसारी से भी मिलकर ढाढस बंधाया था। वह अब्बास को पैरोल पर जेल से बाहर निकालने की कोशिश में लगा है। इसी तरह गाजीपुर पुलिस की ओर से 50 हजार और मऊ पुलिस की ओर से 25 हजार की इनामी घोषित आफ्शां को भी सामने लाने का प्रयास कर रहा है। उमर अंसारी ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि पिता की मौत के बाद मां नहीं पहुंच पाई थी। हम कानूनी तरीके से लड़ाई के लिए तैयार हैं। आफ्शा जल्द ही सामने आ सकती है। वहीं, मुख्तार अंसारी के भाई और सांसद अफजाल अंसारी ने भी कहा कि मुख्तार अंसारी की पत्नी आफ्शा को सरेंडर कर देना चाहिए। उनके वकील कोर्ट में न्यायिक प्रक्रिया अपनाएं। इसमें आफ्शा के सरेंडर करने की संभावना बढ़ी है।

बार-बार एक ही मकान पर नोटिस चस्पा कर लौट जाती है पुलिस : मुख्तार अंसारी और उसकी पत्नी के नाम फाटक से करीब 100 मीटर दूरी पर दर्जी मोहल्ले में एक मकान है, जिसपर ही न्यायालय की नोटिस चस्पा करने के साथ डुगडुगी पिटवाकर कुर्की की कार्रवाई कर पुलिस लौट जाती है। जमीन की खरीद फरोख्त, फर्जी तरीके से भूमि पर कब्जा कर आर्थिक लाभ लेना के अलावा सरकारी भूमि को रसूख के बल पर अपने नाम कराने जैसे कई मामलों को लेकर आफशां अंसारी पर गाजीपुर, मऊ, लखनऊ में मुकदमा दर्ज है। मऊ पुलिस ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया है।

सियासत में दलीय निष्ठा से बंधे नहीं रह सके नेता जी, अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए खूब चल रहे दांव

बलरामपुर, एजेंसी। सियासत में नेताओं की पैतरेबाजी का खेल नया नहीं है। श्रावस्ती संसदीय सीट की बात करें तो संसद में पहुंचने की चाह में दलीय निष्ठा बदलने में नेताओं ने महारत हासिल कर रखी है। नेताओं ने पाला बदलकर अपनी स्थिति को मजबूत बनाने का दांव खूब चला। तीन बार ही लोकसभा चुनाव में दलीय निष्ठा टूटती रही है।

बात साल 2009 के चुनाव की करें तो कांग्रेस ने विनय कुमार पांडेय को मैदान में उतारा। उन्हें जीत भी मिली, लेकिन 2014 में हार का सामना करना पड़ा तो पाला बदल लिए। अब वह सपा में है, लेकिन स्थितियां कुछ ऐसी बनीं हैं कि सपा की उनके पुराने पार्टी से ही दोस्ती हो चुकी है। अब वह एक बार फिर मुख्यधारा में वापसी में दांवपेंच चल रहे हैं। उस समय बसपा से चुनाव लड़े रिजवान जहीर भी पार्टी छोड़ चुके हैं। इसी तरह 2014 में अंबेडकर नगर के लालजी वर्मा बसपा से लड़े थे, वह भी समाजवादी पार्टी में चले गए। अब वह अंबेडकरनगर से चुनाव लड़ रहे हैं। द्दन मिश्र भी बसपा से भाजपा में आए और 2014 में चुनाव लड़े और जीते भी। इस बार उनको भाजपा ने टिकट नहीं दिया। यह बात अलग है कि उन्होंने पार्टी नहीं छोड़ी है। वह श्रावस्ती जिला पंचायत के अध्यक्ष हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा से राम शिरोमणि वर्मा जीते थे। लेकिन पार्टी ने ही उनकी निष्ठा पर सवाल उठाते हुए बाहर का रास्ता दिखा दिया।

सांसद बृजभूषण सिंह ने भी छोड़ी थी भाजपा

साल 2004 में बलरामपुर संसदीय सीट से भाजपा ने गोंडा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह को मैदान में उतारा था। उन्होंने जीत भी हासिल की। लेकिन साल 2009 के चुनाव के पहले ही उन्होंने भाजपा छोड़कर सपा का दामन थाम लिया था। उस समय सपा ने कैसरगंज से उन्हें प्रत्याशी बनाया और वह जीते भी। लेकिन 2014 में उन्होंने फिर भाजपा में वापसी कर ली।

नेताओं की चाल से पार्टियों ने भी बदली रणनीति

स्थानीय नेताओं की सियासी चालों के बाद पार्टियों ने भी अपनी रणनीति में बड़े बदलाव किए। अब टिकाऊ और जिताऊ पर जोर देने के लिए कई स्तर से परखा जा रहा है। यही कारण है कि श्रावस्ती संसदीय सीट से भाजपा ने जहां साकेत मिश्र पर विश्वास जताया है, वहीं सपा व बसपा लोगों को परखने में जुटी है। पार्टी के पदाधिकारियों से सलाह मशविरा के साथ ही समीकरण की पड़ताल कर रही है। इसके चलते अभी तक दोनों दलों की ओर प्रत्याशी तय नहीं किए गए हैं।

डंपर बना आग का गोला: नेशनल हाईवे पर धू-धू कर जला वाहन

चालक व खलासी ने कूदकर बचाई जान

चंदौली, एजेंसी। चंदौली के सदर कोतवाली क्षेत्र के जगदीशसराय गांव के समीप नेशनल हाईवे पर एक डंपर आग का गोला बन गया। इसके बाद चालक और खलासी ने कूदकर किसी पर अपनी जान बचाई। वहीं लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। संयोग अच्छा रहा की कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। वहीं आग लगने के दौरान करीब आधे घंटे तक हाइवे जाम रहा। आग पर काबू होने के बाद ही आवागमन शुरू हुआ।

मिर्जापुर के डगमगपुर से गिट्टी लादकर डंपर बिहार के डेहरी आन सोन जा रहा था। चालक को ब्रेक शू में कुछ दिक्कत महसूस हुई। इस पर उसने पीडीडीयू नगर में एक स्थान पर गड़बड़ी दूर कराई। इसके बाद आगे के लिए लिए रवाना हो गया। इस बीच डंपर जैसे ही सदर कोतवाली के जगदीश सराय पहुंचा तो टायर के पास धुआं उठता देख चालक डंपर किनारे खड़ा कर दिया। इसके बाद चालक और खलासी कूद गए। इसके बाद देखते ही देखते डंपर आग का गोला बन गया। यही नहीं लोग जब तक कुछ समझ पाते तब तक तेज धमाके के साथ आग विकराल रूप धारण कर लिया। वहीं देखते ही देखते ट्रक का पिछ्ला हिस्सा आग की जद में आ गया। वहीं लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचकर आग पर काबू करने में जुट गए। वहीं फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाया। सदर कोतवाल गगनराज सिंह ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है।

एक करोड़ के नकली स्टाम्प के साथ मास्टरमाइंड गिरफ्तार, 84 साल का कमरुद्दीन 40 साल से कर रहा था धंधा

गोरखपुर , एजेंसी। पुलिस ने नकली स्टाम्प बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 84 वर्षीय मोहम्मद कमरुद्दीन समेत सात शातिरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक करोड़ 52 हजार 30 रुपये के नकली स्टाम्प के अलावा छपाई मशीन, यूपी व बिहार के गैर-न्यायिक स्टाम्प, एक लैपटॉप, सौ पैकेट इंक, पेपर कटर मशीन और सादे कागज बरामद हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, कमरुद्दीन ही गिरोह का मास्टरमाइंड है और बीते 40 साल से इस धंधे में लिप्त है। इसमें उसका नाती साहेबजादे भी लिप्त है। बिहार के सिवान में फर्जी स्टाम्प छापकर गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज के अलावा यूपी के दूसरे हिस्सों में बेचे जा रहे थे। गिरोह में ऐसे वेंडर शामिल पाए गए, जो ट्रेजरी की ओर से स्टाम्प बेचने के लिए अधिकृत हैं। आरोपियों को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। आरोपियों में कुशीनगर के रामलखन जायसवाल, ऐश मोहम्मद, रविंद्र दीक्षित, देवरिया के संतोष गुप्ता और नंदू उर्फ भी नंदलाल शामिल हैं।

तीन महीने चली जांच : एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने प्रेसवार्ता में बताया, गोरखपुर कोर्ट में इस्तेमाल नकली स्टाम्प का मामला सामने आने के बाद केस दर्ज किया था। एसआईटी की तीन महीने की जांच के आधार पर ये गिरफ्तारियां हुई हैं। कुशीनगर के एक वेंडर की गिरफ्तारी के बाद सिवान के कमरुद्दीन का नाम सामने आया था।

यूपी का मौसम: प्रयागराज में दिन का पारा 41.2 डिग्री, बढ़ा न्यूनतम तापमान भी

लखनऊ , एजेंसी। दिन का पारा तीखी धूप के कारण लगातार बढ़ रहा है। प्रयागराज में शुक्रवार को तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम तापमान में तेजी बरकरार है। वहीं रात का तापमान भी सामान्य से अधिक बना हुआ है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान 18.5 से 23.5 के बीच दर्ज हुआ है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से 5 डिग्री तक अधिक रहा।

इंडिया गठबंधन: राहुल-अखिलेश की होगी संयुक्त रैली

प्रियंका गांधी करेंगी रोड शो, दिग्गजों की होंगी सभाएं

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में एक तरफ जहां एनडीए की ताबड़तोड़ सभाएं व रैली शुरू हो गई हैं वहीं इंडिया गठबंधन भी इसकी तैयारियों में तेजी से लगा हुआ है। इसके तहत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन की पहली रैली कराने की तैयारी है। अगले सप्ताह इसकी शुरुआत अमरोहा में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व सपा प्रमुख अखिलेश यादव की संयुक्त सभा से की जाएगी।

इसके लिए 12 से 16 अप्रैल के बीच की तिथि प्रस्तावित की गयी है। प्रदेश में पहले व दूसरे चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 16 सीटों पर मतदान होना है। इसमें कांग्रेस सहारनपुर, अमरोहा, बुलंदशहर, गाजियाबाद सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इन सीटों पर प्रचार-प्रसार काफी जोरों पर है। इसे देखते हुए प्रदेश कांग्रेस की ओर से पार्टी के प्रमुख नेताओं व इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली का प्रस्ताव राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजा गया है।

इसके तहत अमरोहा में राहुल गांधी व अखिलेश यादव की संयुक्त रैली कराने के साथ-साथ पहले दो चरण के लिए कई अन्य प्रमुख नेताओं की सभा का भी कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। कांग्रेस वार रूम के संजय दीक्षित ने बताया कि इसी के साथ सहारनपुर में प्रियंका गांधी के रोड शो व राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट की सभाओं का कार्यक्रम मांगा गया है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सभा के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व कुछ अन्य नेताओं के लिए भी कार्यक्रम भेजा गया है। एक-दो दिन में इनकी सभाओं के कार्यक्रम फाइनल होने शुरू हो जाएंगे।

संपादकीय

नक्सली नासूर पर नियंत्रण , निकालना होगा व्यवहारिक उपाय

तमाम प्रयासों के बावजूद छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या से निपटना चुनौती बना हुआ है। थोड़े-थोड़े समय पर वहां नक्सली सक्रिय हो उठते और सुरक्षाबलों को चुनौती देते रहते हैं। अब तक वे बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों, राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की हत्या कर चुके हैं। अभियान चला कर सुरक्षाबलों ने भी अनेक नक्सलियों को मौत के घाट उतारा है। लगातार उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। उसी का नतीजा है कि बीजापुर में मुठभेड़ के दौरान दस नक्सली मारे गए। यह निस्संदेह सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी कही जा सकती है कि नक्सलियों को योजनाएं अंजाम देने से पहले ही मार गिराया गया। मगर वहां किस तरह नक्सली नासूर को पूरी तरह समाप्त किया जा सकेगा, इसका दावा करना मुश्किल बना हुआ है। केंद्र और राज्य सरकार छत्तीसगढ़ में नक्सलियों से पार पाने के लिए कठोर से कठोर दमन का रास्ता आजमा चुकी हैं, पर उनका मनोबल तोड़ पाने में विफल ही रही हैं। दरअसल, छत्तीसगढ़ में आदिवासी समूहों को लगता रहा है कि सरकारें उनके संसाधनों पर पूंजीपतियों को कब्जा दिलाने का प्रयास करती हैं। जबकि सरकार का तर्क रहा है कि विकास कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने और आदिवासी समुदाय को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए औद्योगिक इकाइयों का विस्तार जरूरी है। इसे लेकर शुरू में सरकार और नक्सली नेताओं के साथ बातचीत के प्रयास भी हुए, पर उनका कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाया। फिर सरकार ने आदिवासियों के भीतर से ही नक्सलियों के खिलाफ विद्रोह और दमन की रणनीति बनाई, पर वह भी कामयाब नहीं रही। उससे खून-खराबा जरूर कुछ अधिक बढ़ गया था। लंबे समय से अत्याधुनिक सूचना प्रणाली, हेलीकाप्टर आदि के जरिए उन पर नकेल कसने की कोशिश की जा रही है। नक्सली समूहों को मिलने वाली वित्तीय मदद, साजो-सामान आदि की पहुंच रोकने और स्थानीय लोगों से उनकी दूरी बढ़ाने के भी प्रयास होते रहे हैं, पर इस दिशा में कोई उल्लेखनीय कामयाबी नहीं मिल पाई है। जब तक इसका कोई व्यावहारिक उपाय नहीं निकाला जाता, इस समस्या पर काबू पाना कठिन बना रहेगा।

ऊंची उड़ान भरते विमानन क्षेत्र में विस्तारा जैसी चुनौतियां

(सरस चंद्र त्रिपाठी, पूर्व मेजर व विमानन विशेषज्ञ)

विस्तारा एयरलाइन के इस फैसले के बाद कि वह अपनी 300 में से 125 उड़ानें निरस्त कर रहा है, भारतीय उड्डयन क्षेत्र की कमजोरी ही उजागर हुई है। कंपनी का कहना है कि पायलटों की कमी के कारण उसे ऐसा करना पड़ा है, लेकिन वास्तव में पायलटों के अचानक बड़ी संख्या में 'छुट्टी' पर चले जाने के कारण यह समस्या पैदा हुई है। इस पूरे मसले की जड़ में टाटा ग्रुप का वह फैसला है कि वह अपने आधिपत्य वाली दोनों विमानन सेवाओं (विस्तारा और एअर इंडिया) का विलय करेगा। पायलट इसलिए विलय नहीं चाहते, क्योंकि विस्तारा प्रीमियम एयरलाइन मानी जाती है, जबकि सरकारी संरक्षण में होने और घाटे में रहने के कारण एअर इंडिया की छवि बहुत अच्छी नहीं है। एक अन्य वजह, विस्तारा के पायलटों के वेतन-भत्ते में कटौती की आशंका भी है। विश्व में आमतौर पर एक पायलट को महीने में 70 से 80 घंटे तक की फ्लाइट दी जाती है। विस्तारा के पायलट भी करीब 70 घंटे औसतन हवाई जहाज उड़ाते रहे हैं, लेकिन अब उन्हें डर है कि विलय के बाद उनका 'फ्लाइट आवर' 40 घंटा किया जा सकता है, जिससे उन्हें प्रति माह एक से डेढ़ लाख रुपये तक का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

भारत में विमानन क्षेत्र की तस्वीर साल 2003-04 के उस फैसले के बाद बदली है, जब वाजपेयी सरकार ने उड्डयन क्षेत्र के निजीकरण का निर्णय लिया। इसकी शुरुआत हवाई अड्डों से की गई और उनको विमानपत्तन प्राधिकरण से निकालकर निजी हाथों को सौंप दिया गया। इसके अच्छे परिणाम सामने आए। साल 2011-12 तक नई दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तो दुनिया के बेहतरीन हवाई अड्डों में शुमार हो गया था। यही कारण रहा कि मोदी सरकार ने भी 27 हवाई अड्डों के निजीकरण की नीति अपनाई। आलम यह है कि देश के कई हवाई अड्डे यात्री सुविधा, कमाई, सेवा आदि के मामले में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अब तो घरेलू उड़ान के मामले में भी भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। हमसे ऊपर सिर्फ चीन और अमेरिका हैं।

देश में विमानन क्षेत्र का विकास इससे भी पता चलता है कि कारोबार व बाजार पर शोध करने वाली प्रसिद्ध संस्था 'मोर्डोर इंटेलिजेंस' के अनुसार, भारत का विमानन क्षेत्र अगले पांच-छह वर्षों में दोगुना हो जाएगा। फिलहाल यह करीब 14 अरब डॉलर का क्षेत्र है, जिसके 2030-31 तक 28 अरब डॉलर का होने का अनुमान है। इतना ही नहीं, आंकड़े ये भी हैं कि 2017 में करीब 14 करोड़ लोगों ने हवाई जहाज से यात्रा की थी, जो 2023 तक बढ़कर 26 करोड़ को पार कर गया था। माना जा रहा है कि 2030 तक सालाना 46 करोड़ यात्री हवाई यात्रा करेंगे। यानी, यात्रियों की संख्या के मामले में प्रति छह वर्ष में लगभग 40 फीसदी की वृद्धि हो रही है।

हालांकि अब भी कुछ चुनौतियां हैं। सबसे बड़ी बाधा 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' है, यानी इस कारोबारी क्षेत्र को आसान बनाने की जरूरत है। इस पर सरकारी तंत्र का शिकंजा कम हुआ है, फिर भी यह अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर का नहीं हो सका है। इतना ही नहीं, अधिकतर हवाई अड्डे महानगरों और बड़े शहरों में हैं। घरेलू उड़ानों को बढ़ाने के लिए जरूरी है कि छोटे शहर भी हवाई सेवा से जुड़ें। तीसरी बड़ी बाधा 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' की है, यानी यात्री हवाई अड्डे से अपने घर तक कैसे जाए?

एक बाधा आतंकवाद और उससे संबंधित सुरक्षा व्यवस्था की भी है। यूरोप के अनेक देशों में, विशेषकर नोर्डिक देशों में कोई यात्री हवाई जहाज के पास तक बिना किसी सुरक्षा जांच के जा सकता है, लेकिन हमारे देश में श्रीनगर जैसे एयरपोर्ट पर हवाई अड्डे से करीब दो-ढाई किलोमीटर दूर ही पूरे सामान की एक बार स्कैनिंग होती है, फिर हवाई अड्डे पर उसे दोबारा जांचा जाता है। पांचवीं चुनौती प्रशिक्षित कर्मियों का अभाव है। देश में उड्डयन क्षेत्र से जुड़े विषयों के प्रशिक्षण के लिए अच्छे संस्थानों की कमी है, विश्वविद्यालय तो दूर की बात हैं। जाहिर है, जब देश में आमदनी बढ़ने से हवाई यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, तब यह आवश्यक है कि उन्हें पर्याप्त सुविधाएं भी मिले। उम्मीद है, इन तमाम चुनौतियों का जल्द हल निकाला जाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्थानीय मुद्दों में मगन पूर्वोत्तर

बहरहाल, पूर्वोत्तर के राज्यों में राष्ट्रीय मुद्दे प्रभावी तो हैं, लेकिन उससे ज्यादा स्थानीय मुद्दे मतदाताओं को लुभाते दिख रहे हैं। यहां निर्विवाद रूप से नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर ज्यादा चर्चा हो रही है। इसके खिलाफ पूर्वोत्तर के तमाम राज्यों में पहले काफी विरोध-प्रदर्शन हो चुके हैं, लेकिन सच यह भी है कि जो नेता उस समय आंदोलन की अगुवाई करते थे, उनमें से कई अब सत्ताधारी दल के साथ गठजोड़ बना चुके हैं। इतना ही नहीं, टिपरा मोथा जैसी पार्टी खुलकर सीएए के खिलाफ थी, लेकिन अब एनडीए का हिस्सा बन चुकी है। एनडीए की सहयोगी होने के बावजूद असम गण परिषद और नेशनल पीपुल्स पार्टी भी सीएए के खिलाफ मुखर थीं, लेकिन अब कुछ हद तक यह मामला शिथिल पड़ गया है। हालांकि, स्थानीय लोग अब भी मानते हैं, यह कानून स्थानीय जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ सकता है।

(चंदन कुमार शर्मा, प्रोफेसर, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम)

पूर्वोत्तर राज्यों की कुल 25 लोकसभा सीटों पर चुनावी सरगरमी बढ़ गई है। यहां शुरुआती तीन चरणों में ही मत डाले जाएंगे। सबसे ज्यादा नजर असम पर है, जो 14 सांसदों को लोकसभा भेजता है। इसके बाद मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश से दो-दो सांसद चुने जाते हैं। नगालैंड, मिजोरम और सिक्किम के खाते में महज एक-एक सीट है। असम को छोड़कर यहां के सभी राज्यों में यह खास प्रवृत्ति देखी जाती है कि जिस पार्टी की केंद्र में सरकार रहती है, राज्यों में उसी का दबदबा रहता है। संसदीय चुनावों में यहां के स्थानीय दल राष्ट्रीय पार्टियों को समर्थन देते हैं, बदले में राष्ट्रीय पार्टियों का साथ लेकर वे विधानसभा में सत्तासीन होते हैं। फिलहाल, असम, मणिपुर और त्रिपुरा में भाजपा की सूबाई सरकार है, जबकि नगालैंड और मेघालय में उसके सहयोगी दलों की। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट की सरकार है, जो कांग्रेस को समर्थन दे सकती है, तो सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में आम चुनाव के साथ ही विधानसभा के लिए भी वोट डाले जाएंगे।

बहरहाल, पूर्वोत्तर के राज्यों में राष्ट्रीय मुद्दे प्रभावी तो हैं, लेकिन उससे ज्यादा स्थानीय मुद्दे मतदाताओं को लुभाते दिख रहे हैं। यहां निर्विवाद रूप से नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर ज्यादा चर्चा हो रही है। इसके खिलाफ पूर्वोत्तर के तमाम राज्यों में पहले काफी विरोध-प्रदर्शन हो चुके हैं, लेकिन सच यह भी है कि जो नेता उस समय आंदोलन की अगुवाई करते थे, उनमें से कई अब सत्ताधारी दल के साथ गठजोड़ बना चुके हैं। इतना ही नहीं, टिपरा मोथा जैसी पार्टी खुलकर सीएए के खिलाफ थी, लेकिन अब एनडीए का हिस्सा बन चुकी है। एनडीए की सहयोगी होने के बावजूद असम गण परिषद और नेशनल पीपुल्स पार्टी भी सीएए के खिलाफ मुखर थीं, लेकिन अब कुछ हद तक यह मामला शिथिल पड़ गया है। हालांकि, स्थानीय लोग अब भी मानते हैं, यह कानून स्थानीय जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ सकता है।

मणिपुर हिंसा की ताप अब तक महसूस की जा रही है। अनवरत जारी अस्थिरता ने स्थानीय मैइती समुदाय को भी खासा नाराज किया है और वे खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर करने लगे हैं। बाहरी मणिपुर हिंसा से काफी ज्यादा प्रभावित हुआ है। वहां आपूर्ति श्रृंखला को बहाल करने की चुनौती बनी हुई है। अमन-चैन लाने के साथ-साथ म्यांमार से आते हुए शरणार्थियों का समाधान ढूंढ़ना भी यहां का बड़ा मुद्दा है। उखरुल, तमेंगलोंग जैसे पहाड़ी इलाके भी इस अस्थिरता से प्रभावित हुए हैं। यहां के लोग कुकी समस्या का समाधान भी चाह रहे हैं। इस हिंसा का असर मिजोरम पर भी पड़ा है। यहां बेशक एक ही सीट है, लेकिन मिजो नेशनल फ्रंट का मिजाज एनडीए से जुदा दिख रहा है।

म्यांमार से मुक्त आवागमन संबंधी व्यवस्था, यानी एफएमआर को खत्म करने का एलान भी चुनाव में छाया हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट कर दिया था कि म्यांमार से लगी सीमा की बाड़ेबंदी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि भारत और म्यांमार अपनी 1,643 किलोमीटर सीमा साझा करते हैं, दोनों तरफ के लोगों के बीच पारिवारिक रिश्ते को देखते हुए निर्बाध आवागमन की व्यवस्था की गई थी, जिसके तहत शुरू में 40 किलोमीटर तक आने-जाने की व्यवस्था की गई, जिसे 2004 में घटाकर 16 किलोमीटर कर दिया गया। म्यांमार की यह सीमा मिजोरम (510 किलोमीटर) के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश (520 किलोमीटर), नगालैंड (215 किलोमीटर), मणिपुर (398 किलोमीटर) से भी लगती है। अरुणाचल प्रदेश में स्थानीयता बनाम बाहरी जैसे मसले भी चर्चा में है। इसी कारण यहां आदिवासी व ईसाई एक-दूसरे के खिलाफ खड़े दिखते हैं। बड़े-बड़े बांधों की भी यहां चर्चा हो रही है, लेकिन ये चुनाव पर शायद ही असरंदाज होंगे।

यह सही है कि पूर्वोत्तर के तमाम राज्यों में ढांचागत विकास काफी हुआ है। लंबी-लंबी सड़कें बनी हैं। कुछ लोग इस बात की सराहना भी कर रहे हैं, लेकिन स्थानीय पर्यावरण पर इसके दुष्प्रभाव की चर्चा भी परोक्ष रूप से हो रही है। वन संरक्षण अधिनियम में संशोधन के बाद माना जा रहा है कि विकास के नाम यहां के जंगलों की बलि ली जाएगी। अंतरराष्ट्रीय सीमा के 100 किलोमीटर अंदर तक ढांचागत विकास की बात बार-बार की जाती है। लोगों को डर है कि चूंकि पूर्वोत्तर राज्य अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से ही लगे हुए हैं, इसलिए यहां ढांचागत विकास का नुकसान जंगलों को उठाना पड़ेगा। इससे उन लोगों की आजीविका सीधे-सीधे प्रभावित होगी, जो वनोपज पर आधारित है। हालांकि, यहां भी उत्तर भारत की तरह एक वर्ग ऐसा है, जो सरकार प्रायोजित योजनाओं का लाभ उठा रहा है, इसलिए बाकी मुद्दे उसे प्रभावित नहीं कर रहे।

पूर्वोत्तर में अभी न तो चुनावी बॉन्ड पर चर्चा हो रही है और न हेमंत सोरेन या अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर। यहां भ्रष्टाचार कोई मुद्दा ही नहीं है। इसके उलट, यहां स्थानीय समस्याओं पर लोग ज्यादा चर्चा कर रहे हैं। मसलन, असम में टी बोर्ड के इस निर्देश के बाद कि जिन बोट लीफ टी फैक्टरी (किसानों से कच्ची चायपत्ती खरीदने वाली फैक्टरी) में कच्ची चायपत्तियों पर केमिकल लगा होगा, उनका लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा, चिंता पसर गई है। फैक्टरियों का तर्क है कि पत्तियों को जांचने की तकनीक उनके पास नहीं है, नतीजतन उन्होंने अपना काम समेटना शुरू कर दिया है। इससे करीब डेढ़ लाख छोटे चाय किसान परिवारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि कच्ची चायपत्तियों को ज्यादा दिनों तक सुरक्षित रखने की व्यवस्था उनके पास नहीं है। इसी तरह, सीमांत नगा क्षेत्र की मांग को लेकर पूर्वी नगालैंड में चुनाव बहिष्कार की मांग तेज हो गई है, जिसका कुछ हद तक असर भी दिख रहा है। बह्मपुत्र नदी से होते कटाव के स्थायी समाधान की मांग भी इस बार चुनाव में जोर-शोर से उठ रही है। हर साल बाढ़ से बदहाल होती व्यवस्था भी लोग राजनीतिक दलों को याद दिला रहे हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि किसी राज्य में जब मतदाता बढ़-चढ़कर चुनाव में हिस्सा लेते हैं, तो वे वास्तव में सत्ता के खिलाफ अपनी राय जाहिर कर रहे होते हैं। पूर्वोत्तर के मतदाता भी चुनाव को लेकर उत्सुक हैं, लेकिन वे कितने मुखर होकर मतदान करते हैं, यह 4 जून को ही स्पष्ट हो पाएगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

हिमालय से क्या कहने आया वह हिम तेंदुआ

(व्योमेश चन्द्र जुगरान)

जोशीमठ के पास स्नो लेपर्ड का नजर आना किसी हिमालयी राज्य के संदर्भ में वाइल्ड लाइफ की अनूठी घटना है। लोगों के बीच किसी मिथक की तरह किस्से कहानियों का पात्र हिम तेंदुआ अमूमन स्नो लाइन के पार यानी 10 हजार फुट की ऊंचाई पर पाया जाता है। मनुष्य को देखकर तुरंत छिप जाने वाला निहायत ही शर्मीला जानवर है यह।

जलवायु परिवर्तन का असर: फरवरी के दूसरे सप्ताह जोशीमठ के निकट तपोवन-विष्णुगाड परियोजना क्षेत्र में लोगों ने हिम तेंदुए को विचरते देखा, तो अचरज लाजमी था। यह साइट करीब 4,500 फुट की ऊंचाई पर है। विचरण के लिए इतनी कम ऊंचाई इस जानवर के स्वभाव से जरा भी मेल नहीं खाती। नंदा देवी बायोस्फेयर क्षेत्र के जानकार इस वाकये को जलवायु परिवर्तन से जोड़कर भी देख रहे हैं।

नीचे की राह मुश्किल: निचले स्थलों पर बर्फ का बढ़ता जमाव शायद स्नो लेपर्ड को भी नीचे खींच लाया और फिर शिकार की तलाश में उसके कदम बस्ती की ओर मुड़ गए हों। हालांकि बर्फ के अभ्यस्त ऊनी पैरों और भारी-भरकम पंजों वाला यह जीव चट्टानी और पथरीली राहों पर अधिक देर तक टिका नहीं रह सकता। माना जा रहा है कि वह जल्द ही अपनी परंपरागत रिहाइश को लौट गया होगा क्योंकि इलाके में वह फिर नहीं दिखा।

तेंदुए से छोटा जीव: हिम तेंदुआ कुछ हद तक स्लेटी फर वाला एक निहायत खूबसूरत जानवर है। सामान्य तेंदुए के मुकाबले यह छोटा होता है, पर पूंछ लंबी होती है। इसकी खाल पर मोटे धब्बे होते हैं और यह अमूमन सवा मीटर लंबा होता है। 'स्नो लेपर्ड पॉपुलेशन असेसमेंट' की 2019 की रिपोर्ट में भारत के हिमालयी क्षेत्र में कुल 718 हिम तेंदुओं का अनुमान लगाया गया है। इसमें 124 के करीब उत्तराखंड में बताए जाते हैं। उत्तरकाशी जिले का गंगोत्री नैशनल पार्क और चमोली जिले का नंदा देवी नैशनल पार्क उनकी पसंदीदा रिहायश है।

बासी खाना पसंद नहीं: उत्तरकाशी के नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में ट्रेनर रहे रतन सिंह बताते हैं कि गंगोत्री के भोजवासा क्षेत्र में स्नो लेपर्ड से उनका कई बार सामना हुआ। वह दिखते ही छिप गया। करीब 15 हजार फुट पर चट्टानों पर रहने वाला भरल (सीगों वाला हिरण जैसा पशु) हिम तेंदुए का पसंदीदा शिकार है। इसके अलावा बुग्यालों में चरती भेड़ें भी उसका निवाला होती हैं। आम तेंदुए अधखाए शिकार के आसपास मंडराते रहते हैं और भूख लगने पर इसे फिर खा लेते हैं, वहीं हिम तेंदुआ अपना ही छोड़ा हुआ बासी मांस बिल्कुल नहीं खाता। उसे ताजा शिकार की आदत होती है।

वायसराय की ख्वाहिश: तपोवन-विष्णुगाड परियोजना क्षेत्र के ग्रामीण भले ही हिम तेंदुए को विचरते देख दहशत में आ गए हों, पर इसे देखना वन्यजीव प्रेमियों के लिए किसी सपने की तरह होता है। वर्ष 1899 से 1905 तक ब्रिटिश भारत के वायसराय रहे लॉर्ड कर्जन के बारे में कहा जाता है कि वह 1902 में स्नो लेपर्ड और स्नो बीयर को देखने की ख्वाहिश में गढ़वाल आए थे।

कर्जन रोड का किस्सा: खास बात यह है कि दिसंबर 1901 में जब उनके आने की खबर गढ़वाल पहुंची तो सारा प्रशासन हरकत में आ गया। गांवों में काम बंट गए। ग्रामीणों को रात-दिन बेगार में झोंक कर मात्र तीन माह में मध्य और ऊपरी हिमालय के कई सुरम्य स्थलों को समेट कर 200 किलोमीटर लंबा छह फुटा ट्रैक बना दिया। यह आज भी कर्जन रोड के नाम से जाने जाता है और इसे नापने में कम से कम 12 से 15 दिन लग जाते हैं। हालांकि आज इस क्षेत्र के अधिकांश गांव मोटर मार्ग से जुड़ चुके हैं और कर्जन ट्रैक जीर्ण-शीर्ण होकर कई स्थानों पर गुम हो चुका है।

कर्जन निराश लौटे : कहा जाता है कि स्नो लेपर्ड और स्नो बियर देखने का कर्जन का सपना पूरा न हो सका और बीमार होने के कारण वह आधे रास्ते से ही लौट गए। तो क्या नीचे घाटियों से गुजर कर हिम तेंदुआ हिमालय के एक शानदार ट्रैक के जीर्णोद्धार का संदेश छोड़ गया ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

लोकतंत्र को कमजोर करती है अवसरवादी राजनीति

भारत की राजनीति में दलबदल की विसंगति एवं विडम्बना आजादी के बाद से लगातार देखने को मिलती रही है। पिछले साढ़े सात दशक के भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पराभव के अक्स गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं। दलबदल के बढ़ते दौर ने अनेक सवाल खड़े किये हैं। कल तक विपक्ष में जो नेता दागी होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद ऐसा क्या हो जाता है कि उनके दाग दाग नहीं रहते। राजनीति में निष्ठाएं बदलने की स्थितियां आम नागरिकों को उद्वेलित कर रही हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है।

ललित गर्ग

कांग्रेस में लगातार वफादार नेताओं का पलायन जारी है, नये नामों में कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव वल्लभ, महाराष्ट्र के जिम्मेदार एवं पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम, बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, निशाना साधने वाले मुक्केबाज विजेंदर, आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं, जिन्होंने कांग्रेस को बाय-बाय कर दी है। इन सभी ने कांग्रेस के मुद्दाविहीन होने, मोदी के विकसित भारत के एजेंडे, राहुल गांधी की अपरिपक्व राजनीति एवं कांग्रेस की सनातन-विरोधी होने को पार्टी से पलायन का कारण बताया है। कुछ भी कहे, यह राजनीति में अवसरवाद का उदाहरण है, इस तरह का बढ़ता दौर चिंताजनक है। भारत की राजनीति में दलबदल की विसंगति एवं विडम्बना आजादी के बाद से लगातार देखने को मिलती रही है। पिछले साढ़े सात दशक के भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पराभव के अक्स गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं। दलबदल के बढ़ते दौर ने अनेक सवाल खड़े किये हैं। कल तक विपक्ष में जो नेता दागी होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद ऐसा क्या हो जाता है कि उनके दाग दाग नहीं रहते। राजनीति में निष्ठाएं बदलने की स्थितियां आम नागरिकों को उद्वेलित कर रही हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है।

हर बार चुनावों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों में 'आयाराम-गयाराम' का खेल शुरु हो जाता है। विभिन्न दलों के प्रभावी नेताओं को अपने दल में शामिल कराने की होड़ मची है, कभी कोई एक दल बाजी मारती हैं तो कभी कोई दूसरा दल। सभी सेलिब्रिटी आखिर सत्ता की तरफ ही क्यों भागते हैं? पूर्व न्यायाधीश हो, पूर्व अधिकारी हो, अभिनेता हो या खिलाड़ी राजनीति में अपना भविष्य आजमाते रहे हैं। अगर भाजपा की विचारधारा किसी विजेंदर, गौरव या अनिल शर्मा जैसे लोगों हो क्यों अच्छी लगती है तो सवाल यह भी है कि पिछले पांच साल तक वे कांग्रेस में क्यों रहे? ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं है जो गत वर्ष के अंत में हुए विधानसभा चुनावों में एक पार्टी के चुनाव चिह्न पर उम्मीदवार थे तो अब दूसरी पार्टी का चुनाव चिह्न लेकर मैदान में उतरते दिख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इनदिनों भाजपा में जो विभिन्न दलों के तीस के लगभग राजनेता शामिल हुए हैं उनमें कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना, टीएमसी, टीडीपी, एसपी और वाईएसआर कांग्रेस के नेता शामिल हैं। क्या यह भाजपा के निश्चित जीत की संभावनाओं का परिणाम है या केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के डर का परिणाम है। निश्चिय ही यह स्थिति किसी लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये शुभ नहीं कही जा सकती। देश में लंबे समय से चुनाव सुधारों पर चर्चा चल रही है लेकिन चर्चा इस पर भी होनी चाहिए कि दलबदल का बढ़ता दौर कैसे रूके। राजनीति एवं राजनेताओं में नीति एवं सिद्धान्तों की बात प्रमुख होनी चाहिए लेकिन ऐसा न होना लोकतंत्र की बड़ी विसंगति है। राजनीति में सबकुछ जायज है वाली सोच एवं स्वार्थ की नीति दुर्भाग्यपूर्ण है। चुनाव का समय हर राजनेता के लिये अपने हित एवं स्वार्थ को चुनने का समय होता है, लेकिन उनके सामने लोकतंत्र के हिताहित का प्रश्न बहुत गौण हो जाता है। चुनावों में आचार संहिता के चलते कई प्रतिबंध लागू हो जाते हैं, लेकिन राजनीति में में दल-बदल पर नियंत्रण का कहीं कोई प्रावधान ही नहीं है, जबकि यह लोकतंत्र की जीवंतता एवं पवित्रता के लिये प्राथमिकता होनी चाहिए। सत्ता का स्वाद ही ऐसा होता है कि कोई भी राजनेता इससे अछूता नहीं रहता। इसीलिए आजकल दल बदलने का दौर खूब हो रहा है। यह बात दूसरी है कि ज्यादातर नेताओं में भाजपा का दामन थामने की होड़ मची है। एक दिन पहले भाजपा पर निशाना साधने एवं जीभर कर कोसने वाले नेताओं को एकाएक भाजपा इतनी अच्छी क्यों लगने लगती है? भाजपा को भी सोचना चाहिए कि आखिर ये अवसरवादी नेता जबभी उनके अनुकूल नहीं हुआ तो उसे भी बाय-बाय कर देंगे? भाजपा को यह भी देखना चाहिए कि पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर चंद घंटों पहले पार्टी में शामिल होने वाले को टिकट देना कहां तक उचित है। दलों को विचार करना ही होगा कि राजनीति के मायने चुनाव जीतना भर ही है या फिर वे विचारधारा के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं को मौका देकर राजनीति को स्वस्थ रखना चाहते हैं। लोकतंत्र में जनता की आवाज की ठेकेदारी राजनैतिक दलों एवं नेताओं ने ले रखी है, पर ईमानदारी से यह दायित्व कोई भी दल एवं नेता सही रूप में नहीं निभा रहा है। सारे ही दल एवं नेता एक जैसे हैं। यह सुगबुगाहट जनता के बीच बिना कान लगाए भी स्पष्ट सुनाई देती है। राजनीतिज्ञ पारे की तरह हैं, अगर हम उस पर अँगुली रखने की कोशिश करेंगे तो उसके नीचे कुछ नहीं मिलेगा। सभी दल राजनीति नहीं, स्वार्थ नीति चला रहे हैं। भाजपा को अपने 400 पार के लक्ष्य को हासिल करना है, इसके लिये वह हर-तरह के समझौते कर रही है, दागी नेताओं को भी अपनी पार्टी में जगह दे रही है। ऐसे नेताओं के अपराधों पर भी परदा डाला जा रहा है। विडंबना है कि राजनीतिक निष्ठा बदलना इन नेताओं के लिये राहतकारी साबित हुआ है। वजह यह कि इन नेताओं से जुड़े अपराध के मामले ठंडे बस्ते में डाल दिये गए हैं। जबकि दलील यह दी जाती है कि मामले बंद नहीं हुए हैं, जरूरत पड़ी तो जांच और कार्रवाई भी होगी। जो विपक्ष के उन आरोपों की पुष्टि करते हैं कि यह कार्रवाई राजनीतिक दुराग्रह एवं आग्रह के रूप में की जाती रही है। यही वजह है कि दल बदलने का फैसला राहत का रास्ता मान लिया जाता है। ऐसे में आम आदमी के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि अचानक जांच एजेंसियां निष्क्रिय क्यों हो जाती हैं? क्यों किसी एजेंसी को लेकर अदालत को कहना पड़ता है कि फलां एजेंसी पिंजरे में बंद तोता है और मालिक की बोली बोलता है। विपक्ष के ऐसे तमाम आरोपों की तार्किकता हाल में आई एक रिपोर्ट दर्शाती है। जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2014 के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद उनमें से 23 को राहत मिल गई है। इनमें से तीन मामले बंद हो गए हैं और बीस की जांच रुकी हुई है। ऐसे अवसरवादी नेता फिर किसी नई पार्टी में नहीं जाएंगे इसको क्या गारंटी है? अच्छे लोग राजनीति में यदि सिर्फ पद पाने के लिए ही आए तो उसे क्या माना जाए? ऐसी जानी-मानी हस्तियां भी हैं जो आज यहां और कल वहां के उदाहरण पेश कर चुकी हैं। ऐसी सलेब्रिटी को पार्टी में शामिल होते ही टिकट से पुरस्कृत कर दिया जाता है। राजनीतिक दलों को इस बड़ी विसंगति एवं अवसरवादिता पर विचार तो करना ही चाहिए कि आखिर कौन, किस इरादे से पार्टी में आ रहा है। ऐसे ढेरों उदाहरण मौजूद हैं कि नामी-गिरामी लोगों ने राजनीति में प्रवेश किया, टिकट भी मिला और चुनाव जीते भी। उसके बाद जनता से जुड़ ही नहीं पाए और अगले चुनाव में इनका टिकट कट गया। स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो निष्पक्ष हो, ईमानदार हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजनहिताय का लक्ष्य लेकर चलने वाला हो। लेकिन स्वार्थी, अक्षम, दागी नेताओं को किसी भी दल में जगह देना यह उस दल की मजबूती एवं स्वस्थ राजनीति पर एक बदनुमा दाग है।

इन टिप्स को अपनाएं, नहीं भटकेगा पढ़ाई से मन

इसमें कोई दो राय नहीं कि पढ़ाई से मन आसानी से भटक जाता है और एकाग्रता की कमी बडी समस्या बन जाती है। एकाग्रता यानी आप अपने मन और दिमाग को बाकी चीजों से दूर कर एक समय में एक ही जगह लगाए। लेकिन यह बहुत मुश्किल काम है। आप अपने आसपास की चीजों से प्रभावित होते ही है। वहीं छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान लगाना और ज्यादा कठिन हो जाता है। इससे तनाव भी बढ़ जाता है। एकाग्रता बढ़ाना बहुत आसान तो नहीं लेकिन अगर आप निश्चय कर लें तो यह संभव है। यहां हम ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आप एकाग्रता को बढ़ा सकते हैं और किसी भी तरह के तनाव से दूर रहे सकते हैं

- आप मन-मस्तिष्क के लिए आसपास का माहौल बहुत महत्वपूर्ण होता है। एकाग्रता बढ़ाने के लिए माहौल अच्छा होना जरूरी है जिससे आपका मन भटकने से बचता है। इसलिए यही कोशिश करें कि आप पढ़ाई के लिए आरामदायक और शांतिपूर्ण माहौल चुने।
- पहली बार तो यह है कि अगर आप पढ़ाई करने बैठे हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि आप क्या पढ़ाना चाह रहे हैं। इसके लिए पहले से ही अपनी पढ़ाई का खाका तय कर लें। इससे आपके मन में और कोई विचार नहीं आएगा और आपका मन पढ़ाई में लगेगा।
- एकाग्रता में सबसे ज्यादा दखल विचारों की होती है। मन के भटकने का एक कारण विचारों की अधिकता भी है। इसलिए जब पढ़ाई करने समय आपको लगे कि आपके दिमाग में दूसरी चीजें आ रही हैं तो इस बात को लेकर सजग हो जाएं कि आपको अपना ध्यान नहीं भटकाना है। एक बार आप इस बात को लेकर कांशस हो जाएंगे तो एकाग्र होने में मदद मिलेगी।
- अगर आप पढ़ाई के लिए एकाग्र मन चाहते हैं तो जरूरी है कि आपकी स्टडी प्लॉन्ड हो। अगर आप योजना के साथ पढ़ाई करने बैठेंगे तो आसानी होगी। इससे आपकी पढ़ाई और समय के बीच एक अच्छा संतुलन बन जाता है और आप अपनी पढ़ाई पर ज्यादा गंभीरता से ध्यान दे पाते हैं।
- मन तब ज्यादा भटकता है जब आप एक जगह नहीं बैठते। इसलिए एकाग्र मन के लिए आपको बैठने की एक जगह सुनिश्चित कर लेनी चाहिए। यह दृढ़ हो जाए कि आप अपनी पढ़ाई पूरी किए बिना सीट से नहीं उठेंगे।
- बहुत जरूरी है कि आप जहां भी बैठे हो वहां साफ-सफाई होनी चाहिए। अगर वहां बिखराव होगा तो आपका मन भी भटकेगा और ध्यान नहीं लगा पाएंगे।
- एक बहुत जरूरी टिप यही है कि आपको पहले तो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। अच्छा व्यायाम और पौष्टिक आहार न केवल आपकी एकाग्रता को बढ़ाता है बल्कि आपके शरीर को भी स्वस्थ रखता है। इससे शरीर से आलस और थकान दूर होती है।

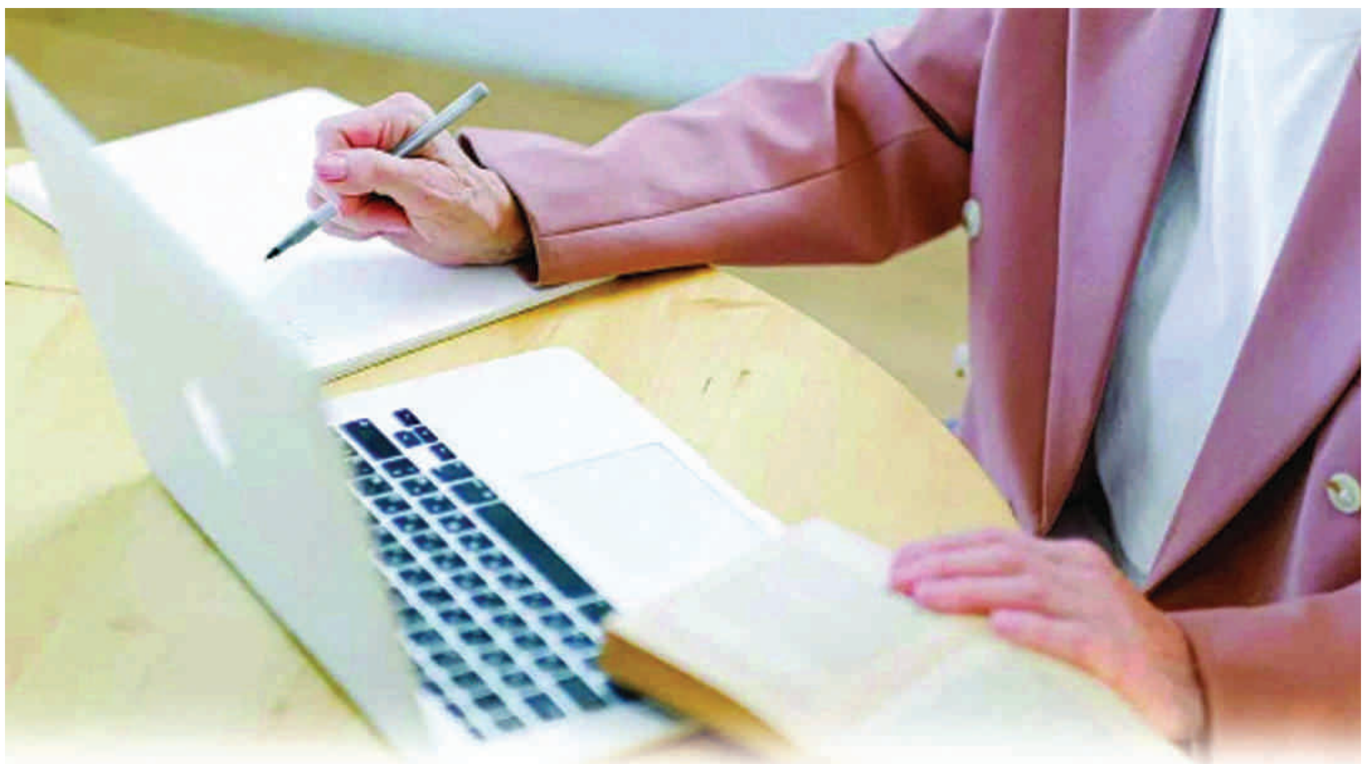

अंडरराइटर कैसे बनें

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है।

वित्तीय उद्योग विभिन्न पेशेवरों से भरा हुआ है जो कई अलग-अलग क्षमताओं में सेवा करते हैं। बैंक टेलर, बीमा एजेंट, वित्तीय सलाहकार, पोर्टफोलियो मैनेजर कुछ ऐसे पद हैं जो इस उद्योग को बनाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कौन से पेशेवर क्रेडिट और उधार देने के फैसले के पीछे जोखिम का आकलन करते हैं? इन व्यक्तियों को हामीदार या अंडरराइटर कहा जाता है। अंडरराइटर्स मूल्यांकन करते हैं और मूल्यांकन करते हैं कि वित्तीय जोखिम लेने लायक है या नहीं। आप वित्तीय उद्योग के विभिन्न हिस्सों में अंडरराइटर्स पा सकते हैं, जिसमें उधार, बीमा, इक्विटी बाजार और यहां तक कि सुरक्षा व्यापार भी शामिल है। जब भी आप व्यक्तिगत ऋण, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी, या बंधक के लिए आवेदन करते हैं तो कुछ कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश लॉन्च करती हैं, जबकि अन्य आपके आवेदन की समीक्षा करती हैं। यदि आपको यह एक रोमांचक करियर पथ की तरह लगता है, तो आप शैक्षिक आवश्यकताओं और पेशेवर योग्यताओं के बारे में सोच सकते हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी।

अंडरराइटर बनने के लिए आवश्यकताएँ

यदि आप एक हामीदार बनना चाहते हैं तो कुछ चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना होगा। आवश्यकताएं अक्सर उप-क्षेत्र और उस क्षेत्राधिकार के आधार पर भिन्न होती हैं जिसमें आप काम करते हैं। अंडरराइटर बनने के लिए आपको स्नातक की डिग्री की आवश्यकता हो सकती है जिसमें अर्थशास्त्र, व्यवसाय, लेखा, वित्त, या गणित में शोध शामिल होता है। अंडरराइटिंग के लिए विश्लेषणात्मक, कंप्यूटर, संचार और गणित कौशल सहित विशेष कौशल की एक श्रृंखला की आवश्यकता होती है। नए कर्मचारियों को वरिष्ठ हामीदारों से ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण मिलता है और उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रमुख प्रमाणन कार्यक्रमों को पूरा करना होगा। आप एंट्री-लेवल की नौकरी से लेकर वरिष्ठ पद तक, उच्च वेतन के साथ पाँच से 10 वर्षों के भीतर अपना काम कर सकते हैं।

शिक्षा

एक हामीदार बनने के लिए आपको आमतौर पर स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। गणित, बिज़नेस, अर्थशास्त्र और वित्त के पाठ्यक्रम इस क्षेत्र में फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे निश्चित रूप से आपके द्वारा किए जा रहे किसी भी काम में उपयोगी हो सकते हैं। एक अच्छा हामीदार भी विस्तार-उन्मुख होता है और उसके पास गणित, संचार, समस्या-समाधान और निर्णय लेने में उत्कृष्ट कौशल होता है। एक बार काम पर रखने के बाद आप आमतौर पर वरिष्ठ हामीदारों की देखरेख में काम पर प्रशिक्षण लेते हैं। एक प्रशिक्षु के रूप में आप सामान्य जोखिम कारकों और हामीदारी में उपयोग किए जाने वाले बुनियादी अनुप्रयोगों के बारे में सीखते हैं। जैसे-जैसे आप अधिक अनुभवी होते जाते हैं आप स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू कर सकते हैं और अधिक जिम्मेदारी ले सकते हैं।

अंडरराइटर की भूमिका क्या होती है?

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है। एक अंडरराइटर के काम में उम्र, वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सा और पारिवारिक इतिहास सहित आवेदक के विवरण की जांच करना शामिल होता है। इस जानकारी का उपयोग करते हुए और अन्य औपचारिकताओं के बाद वह अंडरराइटिंग सॉफ़्टवेयर में जानकारी दर्ज करता है। सॉफ्टवेयर प्रीमियम की राशि और बीमा प्रदाता कंपनी को पॉलिसी पर लागू होने वाली शर्तों का निर्धारण करता है। एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी का हामीदार चिकित्सा जानकारी की समीक्षा करता है, जबकि एक ऋण हामीदार ग्राहक के क्रेडिट इतिहास जैसे कारकों का आकलन करता है। अंडरराइटर का काम जटिल होता है। बीमा हामीदार व्यक्तियों को जोखिम के स्वीकार्य स्तर को निर्धारित करने में सक्षम होना चाहिए । जटिल परिस्थितियों की जांच करते समय एक हामीदार को शोध करने और बहुत सारी जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता हो सकती है। एक हामीदार ऋण और इक्विटी बाजार, गिरवी और बीमा जैसे क्षेत्रों में किसी अन्य पार्टी के जोखिम का आकलन करता है।

कौशल

शिक्षा ही एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो आपको इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। विशेष कौशल का एक सेट भी है जो आपको अपना करियर बनाने में और आगे बढ़ने में आपकी मदद कर सकता है। यहां कुछ प्रमुख कौशल दिए गए हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी –

- विश्लेषणात्मक कौशल
- संचार कौशल
- कंप्यूटर कौशल
- गणित कौशल

अंडरराइटिंग में कॅरियर शुरू करने का सबसे आसान तरीका अच्छी शिक्षा प्राप्त करना है। गणित, लेखा, अर्थशास्त्र और किसी भी अन्य संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री मदद करती है। सुनिश्चित करें कि आपके पास विश्लेषणात्मक और संचार कौशल सहित सही कौशल हैं और प्रमाणित हों। एक बार जब आपके पास वह सब कुछ हो जाए तो प्रवेश स्तर की नौकरियों की तलाश करें जो आपको वह प्रशिक्षण प्रदान कर सकें जो आपको अपने कॅरियर में आगे बढ़ने के लिए चाहिए।

इस कारण युवाओं की पसंद हैं एसएससी जॉब्स

अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जॉब्स के बारे में जानते ही होंगे। इन जॉब्स की कुछ खासियतें इन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। जानते हैं इन्हीं खासियतों के बारे में।

केंद्र सरकार की नौकरी

परंपरागत रूप से भारत में सरकारी नौकरी को प्रतिष्ठा के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। एसएससी जॉब्स सरकारी नौकरियों में काफी ऊंचा दर्जा रखती हैं, सो इनके साथ भी यह प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अधिकांश एसएससी जॉब्स उच्च पे-बैंड के तहत आती हैं और इनमें अच्छी-खासी सैलरी मिलती है। इसके अलावा, टैक्स ऑडिटर्स, इंस्पेक्टर्स, असिस्टेंट्स आदि को कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं, जैसे मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, दिल्ली व अन्य प्रमुख नगरों में आवास, अनेक प्रकार के भत्ते आदि।

जॉब सिक्योरिटी

किसी भी फील्ड में लोगों को आकर्षित करने का एक बड़ा कारक होता है जॉब सिक्योरिटी। यूं तो सभी सरकारी नौकरियों में जॉब सिक्योरिटी होती है मगर उच्च श्रेणी का अफसर होने के नाते यह सुरक्षा और भी बढ़ जाती है। प्राइवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्यरत अफसरों को भी विपरीत परिस्थितियों में पिंक स्लिप थमाए जाने का खतरा रहता है मगर सरकारी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं होता। यह सुरक्षा युवाओं को प्रतिष्ठापूर्ण एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है।

प्रमोशन पॉलिसी

एसएससी जॉब्स में प्रमोशन के बेहतरीन अवसर होते हैं और ये भी इन जॉब्स का आकर्षण बढ़ा देते हैं। अधिकांश पदों पर नियुक्ति के बाद पहले या दूसरे ही प्रमोशन के पश्चात आप राजपत्रित अधिकारी (गजेटेड ऑफिसर) बन सकते हैं। हमारे समाज में राजपत्रित अधिकारी के पद के साथ कितना सम्मान और प्रतिष्ठा जुड़ी है, यह तो सब जानते ही हैं।

कई तरह के पद

अनेक युवा यह सोचकर एसएससी जॉब्स से दूर भागते हैं कि यहां तो निम्न श्रेणी के ही पद उपलब्ध होते हैं। उनकी यह सोच गलत है। एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, एन्फोर्समेंट ऑफिसर, मिनिस्टीरियल असिस्टेंट आदि जैसे उच्च श्रेणी के पदों पर भी नियुक्तियां की जाती हैं। कुल मिलाकर यहां कई तरह के पदों पर काम किया जा सकता है, जिनमें अच्छे-खासे प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं और समाज में सम्मान भी।

सिविल सर्विसेस एग्जाम देने से पहले इन बातों को जान लें

यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम एक ऐसी परीक्षा है, जिसके माध्यम से आईएएस और आईपीएस अधिकारी चुने जाते हैं। लगभग हर विद्यार्थी के मन में यह विचार जरूर आता है कि वह आईएएस अफसर बने। बहुत-से लोग इसकी तैयारी भी करते हैं, लेकिन चुने जाते हैं कुछ ही।

क्या आईएएस आपका पैशन है?

दुनिया के किसी भी काम को करने के लिए परिश्रम की जरूरत होती है, लेकिन इससे भी पहले एक और चीज की जरूरत पड़ती है और वह है आपका पैशन, आपका जुनून। इसीलिए एक बात का बहुत खयाल रखना होगा कि यदि आपमें वह जज्बा नहीं है, यदि आप किसी के कहने मात्र से इस परीक्षा की तैयारी करने जा रहे हैं, तो आप इस परीक्षा के लायक नहीं हैं। कारण यह कि आईएएस परीक्षा की तैयारी बिना पैशन के हो ही नहीं सकती। बेहतर होगा कि आप कोई और फील्ड चुन लें क्योंकि समय बहुत कीमती है और इसे किसी ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिए, जहां आपका पैशन न हो।

क्या आप फोकस्ड हैं?

कोई भी कार्य एकाग्रता की मांग करता है। यदि आपमें फोकस्ड होने की क्षमता नहीं है या आपका मन भटकता है, तो आपके लिए इस परीक्षा का चुनाव गलत साबित हो सकता है। अक्सर लोग ऑप्शन लेकर चलते हैं कि अगर आईएएस नहीं तो कोई और एग्जाम सही। इस प्रकार दो नावों पर पैर रखने से अक्सर लोग गिर जाते हैं। इसलिए अच्छा यही होगा कि आप या तो पूरी तरह फोकस्ड होकर यह परीक्षा दें या फिर अपना टारगेट बदल दें।

क्या परिस्थितियां पढ़ाई के अनुकूल हैं?

कहते हैं, पढ़ने वाला कहीं भी पढ़ लेता है, फिर चाहे कितना भी शोर हो या कोई समस्या हो। यह बात सच है। लेकिन अगर टारगेट आईएएस हो, तो आपको समस्या हो सकती है। कारण यह कि इसकी तैयारी के लिए आपको शांत माहौल मिलना चाहिए, जिससे आपका मन न भटके। साथ ही, आपकी परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए जो आपको तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराए।

क्या आप न्यूनतम योग्यता रखते हैं?

आईएएस की परीक्षा के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता होनी ही चाहिए। यानी आपको ग्रेजुएट तो होना ही चाहिए, साथ ही आपमें आईएएस के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। यहां न्यूनतम योग्यता से मतलब केवल ग्रेजुएट होना ही नहीं है, बल्कि इसके अलावा भविष्य के एक आईएएस अफसर से जो उम्मीद की जाती है, वह योग्यता भी आपमें होनी चाहिए।

क्या आपको डीप स्टडी में रुचि है?

अगर आप बहुत ज्यादा गहराई से पढ़ाई नहीं कर सकते, तो मान लें कि यह परीक्षा आपके लिए नहीं है। सिविल सर्विसेज एग्जाम में आप कुछ चुनिंदा विषयों और ऊपरी स्तर पर पढ़कर पास हो ही नहीं सकते। आपमें ज्ञान की भूख होनी चाहिए। आप हर विषय को उसकी गहराई में जाकर समझें। ऐसा करने की आपमें इच्छा होनी चाहिए।

क्या आप त्वरित व सही निर्णय लेते हैं?

एक आईएएस ऑफिसर को जिन परिस्थितियों में काम करना होता है, उनमें कई बार त्वरित मगर सही निर्णय लेने होते हैं। यह एक जरूरी गुण है, जो हर आईएएस अधिकारी में होना ही चाहिए। इसलिए पेपर हल करते समय भी सही निर्णय का टेस्ट लिया जाता है। कई सवाल ऐसे होते हैं, जो आपकी इसी क्षमता को परखते हैं। इसीलिए डिसीजन मेकर बनें और जीवन के हर पहलू पर चर्चा करें। लोगों की समस्याएं सुनें और फिर अपनी राय देने की आदत डालें।

क्या आपकी पब्लिक सर्विस में रुचि है?

अगर आप सिर्फ पावर, पैसे या पोस्ट के लिए यह परीक्षा देने जा रहें हैं, तो आपको इस बारे में एक बार फिर सोचना चाहिए। आपमें जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। एक आईएएस अधिकारी से जनता मदद की उम्मीद करती है और उसकी नियुक्ति भी इसलिए की जाती है, ताकि वह जनता की मदद कर सके। उसे जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा सके और जरूरत पड़ने पर उसकी बात भी सुने, उसकी परेशानी को समझे।

क्या आपमें धैर्य है?

धैर्य न होना छोटी-सी बात लगती है लेकिन यह बहुत बड़ी बात है। हमारी निजी जिंदगी में तो अक्सर हम धैर्य टूट जाने पर एक-दूसरे को लड़ते-झगड़ते देखते हैं। जहां परीक्षा की तैयारी के लिए धैर्य की जरूरत होती है, वहीं भविष्य के आईएएस अधिकारी से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोए और धैर्य के साथ ही काम करे और निर्णय ले, ताकि उसके सही होने की संभावना भी ज्यादा हो।

कपाली के दिलनवाज हत्याकांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

गांजा पीने के दौरान विवाद होने पर पत्थर से कूचकर कर दी हत्या

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। चांडिल थाना अंतर्गत कपाली ओपी क्षेत्र के बंधुगोड़ा स्थित मानगो से सटे शाहिद बागान मैदान में पत्थर से कूचकर हुई युवक की हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने दो अभियुक्त को गिरफ्तार किया। जिसमें एक मो हसनैन अंसारी उर्फ जावेद उर्फ केके बच्चा और दूसरा नवाब आरजू उर्फ मन्नू है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार रजवाड़ ने बताया कि गांजा पीने के दौरान उत्पन्न विवाद के बाद उसके साथियों ने ही पत्थर से कूचकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त किया गया कंक्रीट का पत्थर और एक

मोटरसाइकिल बरामद किया है. इसके साथ है पुलिस ने अभियुक्त नवाब आरजू उर्फ मन्नू के पास से एक स्मार्टफोन और मृतक मो दिलनवाज का मोबाइल का जला हुआ अवशेष भाग बरामद किया है। वहीं अभियुक्त हसनैन अंसारी के पास से भी एक स्मार्टफोन बरामद किया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि कपाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत शाहिद बागान में दिनदहाड़े हरि मंदिर रामू चौक निवासी दिलनवाज नामक युवक को पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतक की मां जमीरुल निशा ने कपाली ओपी में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के बाद सरायकेला-खरसावां जिला पुलिस अधीक्षक ने मामले के उद्भेदन के लिए छापामारी दल का गठन किया था। उसके बाद टीम ने मृतक के दोस्त हसनैन अंसारी को पूछताछ के लिए बुलाया. पूछताछ के दौरान उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। छापामारी दल में उनके अलावा पुलिस निरीक्षक अजय कुमार, कपाली ओपी प्रभारी सोनू कुमार, पुअनि असलम अंसारी, हीरालाल मुंडू व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

स्वीप एक्टिविटी के तहत पिल्लई हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 को लेकर शनिवार को पिल्लई हॉल चाईबासा में स्वीप एक्टिविटी के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम कस्तूरबा विद्यालय की बालिका द्वारा स्वागत गीत गाया गए तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत स्वीप किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विद्यालयों और कॉलेज छात्राओं ने संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुति कर युवा वोटरों को प्रोत्साहित किया। शपथ प्रतिज्ञा के पश्चात उप विकास आयुक्त ने कहा अपने अपने मोबाइलों में वोटर हेल्पलाइन डाउनलोड कर कहीं पर भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं । पश्चिमी सिंहभूम जिले में जिला प्रशासन की ओर से मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए हर जगह जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है और मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए

प्रेरित किया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रम को सफल बनाने में सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी ईशा खंडेवाल,जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की, जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत स्कूल कॉलेज के छात्र बालिका शामिल हुए।

हरि नाम संकीर्तन से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है- महावीर मुर्मू

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। पोटका जुड़ी पंचायत के ग्राम हकाई में श्री श्री राधा गोविंद अखंड हरिनाम यज्ञ समिति की ओर से आयोजित श्री श्री राधा गोबिंद अखंड हरिनाम यज्ञ संकिर्तन समापन दिन में झामुमो नेता महाबीर मुर्मू शामिल होकर समस्त झारखंडवासियों के लिए सुख समृद्धि की कामना किए, महाबीर मुर्मू ने कहा की हरि नाम संकीर्तन से क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विगत दिनों से भक्त हरिनाम यज्ञ संकीर्तन में शामिल हो रहे भक्तों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है, पड़ोसी राज्य ओड़िसा,बंगाल के भी दिन रात भक्तो का भीड़ लगी रहती है, साथ ही इस दौरान हर दिन प्रसाद (भोग) का वितरण किया जा रहा है, साथ ही अतिथि के रूप मे पूर्व मुखिया बिल्टू हांसदा,पंचायत समिति सदस्य जालिम मार्डी,पूर्व युवा मोर्चा कोषाध्यक्ष पोटका प्रखंड पवन सरदार, सीताराम गोप, कलिंदर गोप, आनंद गोप, महावीर गोप, रणवीर गोप, पवन वीर गोप, सावन वीर गोप, अशोक गोप, दूर्यधान बकती, मनोज तांती, कारण वीर कालिंदी, रॉकी सिंह आदि शामिल हुए।

रामनवमी व ईद को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। चाईबासा सदर थाना परिसर में आज ईद और रामनवमी त्योहार को लेकर सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमिनेष रंजन की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सदर एसडीओ अमिनेष रंजन ने महावीर मंडल के अध्यक्ष पवन शर्मा समेत 35 अखाड़ों के प्रतिनिधि के संग रामनवमी पर्व पर निकलने वाले शोभायात्रा, जुलूस मार्ग और विधि व्यवस्था के साथ सुरक्षा को लेकर मुख्य रूप से चर्चा किए। बैठक में शामिल एसडीपीओ राहुल देव बड़ाईक ने कहा सोशल मीडिया में अफवाह और विवादित पोस्ट करना मना रहेगा और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना या विवादित गाना बजाने पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी। बैठक में नगर परिषद प्रशासक सुश्री प्रतिभा रानी ने रामनवमी जुलूस मार्गों के साफ सफाई करने की बातें कहीं। इसके अलावे नगर परिषद की ओर से चौंक चौराहा में पानी टैंकर सुविधा देने की बातें कहीं। तो वहीं सदर अंचल अधिकारी बुड़ाय सारू ने ससमय जुलूस निकलने और खतरनाक करतब दिखाने के लिए बच्चों को शामिल नहीं करने बातें कहीं।

बैठक में सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार, महावीर मंडल के अध्यक्ष पवन शर्मा, पश्चिमी सिंहभूम चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष राजकुमार ओझा, कोल्हान चैंबर प्रभारी नितिन प्रकाश, महावीर मंडल के महामंत्री सुमित प्रजापति, सामाजिक कार्यकर्ता त्रिशानु राय, लाल कुजुर, मधुसूदन अग्रवाल,आलोक झा, अनुज गुप्ता संजू तिर्की सहित सभी अखाड़ों के प्रतिनिधि बैठक मौजूद रहे।

डीसी, एसएसपी ने घाटशिला में चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की

एएमएफ, रूट चार्ट, कम्यूनिकेशन प्लान, कलस्टर से बूथ की दूरी, क्रिटिकल मतदान केन्द्र का किया निरीक्षण

पूसू प्रतिनिधि,घाटशिला। लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल एवं वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल द्वारा प्रखंड मुख्यालयों में बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की जा रही है । इसी क्रम में जिले के वरीय पदाधिकारियों ने आज घाटशिला प्रखंड मुख्यालय में समीक्षात्मक बैठक किया। बैठक में डिस्पैच सेंटर से कलस्टर एवं कलस्टर से बूथ की दूरी, रूट चार्ट, कम्यूनिकेशन प्लान, क्रिटिकल मतदान केन्द्र, कलस्टर निर्माण, व्यय को लेकर संवेदनशील पॉकेट,एएमएफ आदि बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही कलस्टर में पोलिंग पार्टी व केंद्रीय सशत्र बल के आवासन, भोजन आदि मूलभूत सुविधाओं का आकलन कर पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने का निदेश

प्रखंड के पदाधिकारियों को दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों को आदर्श आचार संहिता का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराने, चेकनाका पर सघनता से वाहन जांच जारी रखने तथा पूरे निर्वाचन प्रक्रिया को स्वच्छ, त्रुटिरहित, पारदर्शी तरीके से सम्पादित कराने हेतु निर्देशित किया। साथ ही सेक्टर पदाधिकारी को बगैर जीपीएस लगे वाहन में मूवमेंट नहीं करने का निर्देश दिया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिया कि कलस्टर से बूथ तक पोलिंग पार्टी को पैदल जाना है । मतदान दिवस को सुबह में 5.30 बजे मॉक पोल होना है, ऐसे में कलस्टर से बूथ तक पैदल मार्च समय का पूर्व आकलन कर समय पर बूथ तक पहुंचने, सुरक्षा के दृष्टि से संवेदनशील पॉकेट

झारखंड–प. बंगाल के सीमावर्ती अंतर्राज्यीय चेकनाका केशरपुर का किया निरीक्षण

स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराने के मद्देनजर घाटशिला के केशरपुर में स्थापित अंतर्राज्जीय चेकनाका का जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल एवं वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल के द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। लोकसभा आम चुनाव 2024 की तिथियां घोषित होने के साथ ही जिले में अंतर्राज्यीय एवं अंतरजिला चेकनाका सक्रिय हैं ।

जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध शराब, पैसा, ड्रग्स या किसी प्रकार के उपहार का अवैध परिवहन नहीं होने पाये जिससे चुनाव प्रक्रिया बाधित किया जा सके इसके मद्देनजर 24X7 चेकनाका सक्रिय हैं तथा उड़नदस्ता एवं स्थाई चेकनाका के माध्यम से मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल द्वारा छोटे-बड़े वाहनों की गहन जांच की जा रही है। निरीक्षण के क्रम में जिले के वरीय पदाधिकारियों द्वारा चेकनाका में पंजी संधारण की जांच की गई। साथ ही एसडीओ एवं प्रखंड के अधिकारियों को भी चेकनाकाओं के औचक निरीक्षण का निर्देश दिया। दो-पहिया, चार पहिया एवं मालवाहक व वीआईपी वाहनों की भी सघनता से जांच करने का निर्देश दिया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त, रूरल एसपी, पीडी आईटीडीए, डीटीओ, एसडीएम घाटशिला, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, बीडीओ, सीओ, एसडीपीओ घाटशिला व सभी थाना प्रभारी उपस्थित थे।

पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने मनाया भाजपा का 44वां स्थापना दिवस

सांसद गीता कोड़ा के साथ-साथ एनडीए को 400 से अधिक सीट पर जीत दर्ज करने का किया ऐलान

पूसू प्रतिनिधि,जगन्नाथपुर। जगन्नाथपुर भाजपा चुनाव कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने भाजपा का स्थापना दिवस हर्षोउल्लास के साथ मनाया. कार्यक्रम का शुभारम्भ जगन्नाथपुर प्रखंड अध्यक्ष राईभूमिज द्वारा भाजपा जनसंघ के संस्थापक पंडित दिन दयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर तमाम कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्प अर्पित कर किया गया।

सभी ने आगामी लोक सभा चुनाव में सिंहभूम सीट से भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा को भारी मतों से जीताने तथा देश भर में एनडीए गठबंधन को 400 पार पहुंचाने का प्रण लिया.इस मौके पर श्री राईभूमिज ने कहा कि साल 1980 में 6 अप्रैल को भाजपा की स्थापना हुई थी.उस समय जब पौधा रोपा गया था,तब शायद ही किसी ने यह सोचा कि कुछ कुछ सालो बाद यह इतना बड़ा पेड़ बनेगा।आज

आजम यह है कि 2024 के आगमी लोकसभा चुनाव में बीजेपी 370 और एनडीए गठबंधन 400 से अधिक सीटों पर जीत का दावा कर रहा है.

वही एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष मंजीत कोड़ा ने कहा कि भाजपा अपने पूरे यौवन पर है फिर चाहे 45 साल की भाजपा अपने उम्र को देखे या फिर देश में अपने वजूद को. हालांकि जब पार्टी के करियर की शुरुआत हुई थी, तब किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि एक दिन भाजपा को देश की जनता का प्रचंड बहुमत मिलेगा, लेकिन नरेंद्र मोदी नाम ने ये सब कर दिखाया. बीजेपी न केवल देश मे स्पष्ट बहुत वाली सरकार बनी बल्कि देश की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में निकल कर सामने आई। इस मौके पर प्रखंड महामंत्री श्रवण शर्मा, प्रखंड उपाध्यक्ष रवि दास, अनु.जन जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष मंजीत कोड़ा, कोर कमिटी सदस्य जीतेन्द्र गुप्ता,संजीत गोप, पिंटू सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुशीला नायक, अंजना महापत्र, प्रदीप रजक,उमेश गोप, अर्जुन भैसा, मिश्रो गगराई, लालमोहन लोहार, शेखर निषाद, आकाश निषाद, सरत कुम्हार आदि उपास्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

शौचालय निर्माण कार्य में घोटाले के तीन आरोपी गए जेल

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। प्रखंड के जामदा पंचायत में स्वस्छ भारत मिशन (एबीएम) के तहत शौचालय निर्माण कार्य मे घोटाले के तीन आरोपी स्वक्षता समिति कोषाध्यक्ष (जलसहिया) को कोवाली पुलिस थाना प्रभारी धनन्जय पासवान ने सक्रियता दिखाते हुए सात साल बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जेल जाने वालों में जामदा पंचायत के उलानसाई निवासी सुबोध दास की पत्नी अंजना दास,जामदा निवासी रामपदो मंडल की पत्नी काजल मंडल एवं खांड देवली निवासी सुबोध मुंडा की पत्नी बसंती मुंडा शामिल है .इस संबंध में मिली जानकारी अनुसार वर्ष 2018 में में पंचायत को एबीएम के तहत 402 शौचालय निर्माण हेतु 48.25 लाख की राशि उपलब्ध कराई गई थी इनमें से 22.20 लाख रुपये खर्च किये गए बाकी का हिसाब पंचायत द्वारा नही दिया जा सका था।

हेंसड़ा में अखंड हरिनाम संकीर्तन शुरु

पूसू प्रतनिधि, पोटका। प्रखंड के हेंसड़ा गांव में शनिवार से 16 प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन शुरू हुआ। संकीर्तन में पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा से 2 संप्रदाय, मेदिनीपुर से 2 संप्रदाय, पुरुलिया से 1 तथा स्थानीय हरिणा,कोवाली व राजाबासा से एक एक संकीर्तन दल अपने सुंदर संकीर्तन शैली से राधे राधे का नाम जाप कर रहे हैं। राधे राधे की गूंज से क्षेत्र का माहौल भक्तिमय बन गया है। संकीर्तन सोमवार को धूलट के साथ संपन्न होगा। इस अवसर पर मुखिया चंद्र भूषण सरदार, ग्रामप्रधान राम रंजन प्रधान ,लक्ष्मी कांत दास, विश्वजीत गोप, दुर्योधन पात्र,कृष्ण चंद्र गोप, बानेश्वर कहार, चितरंजन पाणी,विधाधर बेरा, अश्विनी बेरा, हरे कृष्ण दास,मनोज कुमार दास, आशुतोष बेरा, रमाकांत सीट,तपन चंद्र कहार, कार्तिक दास, विष्णु पद गोप,लखीकांत गोप,भरत पात्र,संजीव बेरा,अरुन पाणी सहित सैकड़ों भक्त उपस्थित थे।

27 अप्रैल को विशेष लोक अदालत का होगा आयोजन

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। झालसा रांची एवं व्यवहार न्यायालय चाईबासा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विश्वनाथ शुक्ला के निर्देश के अनुसार सिविल कोर्ट चाईबासा में बिजली एवं एन आई एक्ट से संबंधित वादों के निष्पादन के लिए 27 अप्रैल को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री शुक्ला ने अपने कार्यालय कक्ष में इस संबंध आवश्यक बैठक सभी न्यायिक पदाधिकारी के साथ की। इसकी और जानकारी देते हुए डीएलएसए सचिव राजीव कुमार सिंह ने बताया कि आमजन अपने चेक बाउंस व बिजली से संबंधित मामलों के निपटारा करने हेतु प्राधिकार के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं, उन्होनें आगे बताया कि इससे सम्बन्धित सभी लोगों को जागरुक कर वादों में नोटिस करने की प्रक्रिया की जा रही है।

सिविल कोर्ट में 21 से 26 अप्रैल तक समझौता पूर्व बैठक का होगा आयोजन

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। झारखण्ड विधिक सेवा प्राधिकार, राँची के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जमशेदपुर द्वारा आयोजित विशेष लोक अदालत में वाद निष्पादन हेतू 21अप्रैल से 26 अप्रैल तक समझौता पूर्व बैठक तथा 27अप्रैल को विशेष लोक अदालत का आयोजन व्यवहार नयायालय जमशेदपुर एवम अनुमंडल नयायालय घाटशिला में समय-8.00 बजे पूर्वाहन से कार्य समाप्ति तक चलेगा। डालसा के सचिव नितीश निलेश सांगा ने कहा कि झालसा रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर तथा अनुमंडल विधिक सेवा समिति घाटशिला द्वारा दिनांक 21 अप्रैल से 26 अप्रैल तक सुबह 8.00 बजे से समझौता पूर्व बैठक तथा 27 अप्रैल पूर्वाहन 8.00 बजे से कार्य समाप्ति तक व्यवहार न्यायालय जमशेदपुर तथा घाटशिला मे विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें चेक बाउन्स तथा बिजली के मामलों का निष्पादन विशेष अभियान चलाकर किया जाएगा। इसी कड़ी में शनिवार को सुबह 07,00 बजे प्रधान जिला एवम सत्र न्यायधीश की उपस्थिति में इलेक्ट्रिसिटी , एनआई ऐक्ट के वादों को विशेष लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक निष्पादन हो, इस पर गहन चर्चा की गई।

आदित्यपुर पुलिस व एसटीएफ ने टॉल ब्रिज के पास वाहन से बरामद किया 22.30 लाख रुपया

➡ चुनाव को देखते हुए अंतरजिला चेकनाका पर हो रही है जांच

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। चुनाव को देखते हुए की जा रही वाहन चेकिंग के दौरान शुक्रवार की देर रात आदित्यपुर पुलिस ने टोल ब्रिज मोड़ पर वाहन चेकिंग में एक कार से 22.30 लाख रुपये जब्त किया है। रुपए किसके हैं और कहां से लाये जा रहे थे इसकी जांच एसपी मनीष टोप्पो के निर्देश पर शुरू हो गई है। बता दें कि लोकसभा चुनाव में धन के अवैध लेनदेन पर लगाने को लेकर निर्वाचन आयोग के निर्देश पर गठित एसटीएफ टीम सक्रिय है.

एसटीएफ ने शुक्रवार की देर रात टोल ब्रिज के समीप से एक कीया कार से लगभग 22 लाख 30 हजार 820 रुपए जब्त किए हैं। एसपी मनीष टोप्पो को इस संबंध में गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें थाना प्रभारी नितिन कुमार सिंह शामिल हैं ने सूचना मिलते ही टोल ब्रिज के समीप चेकिंग लगाया। इसी दौरान एक काले रंग के कीया मोट्र्स कार की रोक कर तलाशी ली जिससे उक्त धन राशि बरामद हुई है।

तलाशी के क्रम में उक्त धनराशि बरामद की जांच की गई। थाना प्रभारी नितिन कुमार सिंह ने बताया कि वरीय पदाधिकारियों से प्राप्त निर्देश के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जिनके पास से पैसे बरामद किए गए हैं उन्हें पैसों से संबंधित ब्यौरा देने को कहा गया है। बता दें कि पिछले एक सप्ताह में एसटीएफ की टीम लगातार वाहनों की चेकिंग कर रही है। इसमें आज उसे सफलता मिली है।

होटल रॉयल्स हिल से पकड़ी गई 11 बार बाला समेत 18 को पुलिस ने भेजा जेल

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। मानगो स्थित रॉयल हिल्स होटल से बीते दिनों डांस एवं हुक्का बार में अश्लिलता फैलाते पकड़ी गई 11 बार बालाओं एवं होटल के मैनेजर समेत 18 को शनिवार को जेल भेज दिया गया। सभी के खिलाफ मानगो थाना में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने वहां से हुक्का भी बरामद किया था। हालांकि मौके से बाउंसर भागने में सफल रहे। ज्ञात हो कि गुप्त सूचना के बाद धालभूम की एसडीओ पारूल सिंह ने स्वयं ग्राहक बनकर वहां छापा मारा, जिसके बाद वहां भगदड़ मच गई। इस दौरान पुलिस ने घेराबंदी करके 11 बार बाला को हिरासत में लिया था। सभी बार बालाएं कोलकाता की रहने वाली हैं। उक्त होटल में वगैर परमिशन के अवैध कारोबार बीते कई महीनों से चल रहा था। इस संबंध में उत्पाद निरीक्षक रामदेव पासवान के बयान पर संचालक राजीव सिंह उर्फ बंटी सिंह, बबलू कुमार महतो, फ्लोर मैनेजर राजेश, राज सिंह, राजीव रंजन, निपेन महतो, सोमनाथ गोराई, कलेश सिंह, अजय कुमार, राज मंडल, जितेंद्र पांडा समेत 11 बार बालाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

होटल के जिन कर्मियों को जेल भेजा गया है। उनमें निपेन महतो, सोमनाथ गोराई, कलेश सिंह, किशन कुमार, अजय कुमार, राज मंडल और जितेंद्र पांडा शामिल है।

ज्ञात हो कि 4 अप्रैल को एसडीओ पारुल सिंह ने स्टिंग ऑपरेशन कर रॉयल हिल्स होटल में डांस बार का खुलासा किया था। जांच में यह बात भी सामने आई थी कि बार का लाइसेंस 31 मार्च को ही समाप्त हो गया था। वहीं जितने जगह में बार का लाइसेंस लिया था उससे कई बड़ी जगह में बार का संचालन किया जा रहा था। इसके अलावा बार में अवैध तरीके से हुक्का का भी संचालन किया जा रहा था।

हमारा प्रत्याशी सिर्फ नरेंद्र मोदी और कमल फूल : लक्ष्मीकांत

➡ साकची कार्यालय में मना भाजपा का 45वां स्थापना दिवस, बंटे लड्डू

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को अपना 45वां स्थापना दिवस मनाया। दिल्ली से लेकर रांची एवं जमशेदपुर महानगर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने घरों पर पार्टी का ध्वज लगाकर एवं विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी का स्थापना दिवस मनाया और जनसेवा का संकल्प लिया। साकची स्थित भाजपा जिला कार्यालय में भाजपा जमशेदपुर महानगर की ओर से भव्य कार्यक्रम का आयोजन कर पार्टी के स्थापना दिवस को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के झारखंड प्रदेश प्रभारी राज्यसभा के सांसद डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, जमशेदपुर महानगर जिला प्रभारी एवं कांके के पूर्व विधायक डॉ जीतू चरण राम, पूर्व विधायक मेनका सरदार, प्रदेश मंत्री सह जमशेदपुर लोकसभा के संयोजक नंदजी प्रसाद, सह संयोजक एवं पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू समेत पार्टी के वरीय नेताओं के संग सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने पार्टी के नेताओं के संग पार्टी के ध्वज का सम्मानपूर्वक ध्वजारोहण किया। इस दौरान पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भारत माता के चित्र एवं पार्टी के पितृपुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया एवं उनके बताये राष्ट्र प्रथम एवं अंत्योदय के पथ पर चलने का संकल्प लिया। वहीं, अपने समर्पण, त्याग, तपस्या एवं बलिदान की भावना से भाजपा को राजनीति के शिखर तक पहुँचाने वाले सभी कार्यकर्ताओं को स्मरण कर संगठन मजबूती का संकल्प लिया गया। दूसरी ओर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए झारखंड प्रभारी ने कहा कि पार्टी युद्ध (चुनाव) के मैदान में अपना स्थापना दिवस मना रही है। जिससे कार्यकर्ताओं में दोगुना उत्साह है। कार्यक्रम के बाद कार्यकर्ताओं एवं आमजनों के बीच लड्डू वितरण कर स्थापना दिवस की खुशियां साझा की गई। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन जिला महामंत्री राकेश सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री अनिल मोदी ने किया।

जनसंघ काल के कार्यकर्ता हुए सम्मानित : स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान जनसंघ काल से पार्टी को अपने त्याग, समर्पण और परिश्रम से सींचकर भाजपा के रूप में विशाल वटवृक्ष बनाने वाले दर्जनों कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया।

कांग्रेस ने एक ऊर्जावान कार्यकर्ता खो दिया : महेंद्र पाण्डेय

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। बागबेड़ा निवासी सह पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस के महामंत्री अजय

मिश्रा का बीती रात असामयिक निधन हो गया। शुक्रवार की देर शाम उन्हें सीने में दर्द तथा बेचैनी महसूस हुई, जिसके बाद परिजन उन्हें टीएमएच ले गए। जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिजनों एवं कांग्रेसियों में शोक व्याप्त हो गया। इसकी जानकारी बागबेड़ा में लोगो को होने के बाद सभी शोकमग्न हो गए। दूसरी ओर जिला कांग्रेस के महासचिव सह बागबेड़ा मंडल कांग्रेस के पर्यवेक्षक महेंद्र पाण्डेय ने अजय मिश्रा के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने एक ऊर्जावान कार्यकर्ता खो दिया। अजय मिश्रा पार्टी की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनके निधन की भरपाई नहीं की जा सकती है। अजय मिश्रा के आकस्मिक निधन पर जिले के अन्य कांग्रेसियों ने संवेदना प्रकट की।

टीम जय हो ने डिमना की वादियों में चलाया वोटर्स जागरूकता अभियान

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। फौजी एन्ड फ्रेंड्स की टीम जय हो ने डिमना की वादियों में शनिवार को वोटर्स जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरुन 100 लोगों के बीच मोबाइल स्टिकर बांटा गया। सभी लोगों को वोटर हेल्प लाइन एप्प की दी जानकारी। मॉर्निंग वाकर्स टीम ने लोगों से कहा कि देश के इस महापर्व में अपनी भागीदारी निभाने से पहले खुद नाम मतदाता सूची में चेक करना जरूरी है, जिनका नाम लिस्ट में नहीं है या नाम कट गया है उन्हें अपना तथा अपने परिवार का नाम वोटर लिस्ट में 20 अप्रैल से पहले जोड़वा लेना है। इसके लिए छुटे हुए मतदाताओं को अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ के माध्यम से फॉर्म 6 भरें, वोटर हेल्पलाइन एप्प से ऑन लाइन के माध्यम से स्वयं नाम दर्ज करें, अथवा टोल फ्री नम्बर 1950 वोटर हेल्प नम्बर पर कॉल करके अपना नाम, बूथ की जानकारी प्राप्त करें। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुशील कुमार सिंह, दिनेश सिंह, राजीव रंजन, हंसराज सिंह, सतनाम सिंह, सुरेंद्र प्रसाद मौर्य, राजेश, ईश्वर चंद शर्मा, आशीष पाठक, श्याम सिंह, छोटन मिश्रा, टिंकू शर्मा, सत्येंद्र चौधरी, दीपक, सुनील राय, पीके मिश्रा, जयप्रकाश नारायण पाठक आदि शामिल थे।

झारखंड, बिहार और यूपी में प्रत्याशी खड़ा करेगी सर्वजन सनातन पार्टी : पंडित रंगनाथ तिवारी

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। सर्वजन सनातन पार्टी बिहार, यूपी और झारखंड में लोकसभा चुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े करेगी। इस पार्टी का मानना है कि भारतीय जनता पार्टी सनातन धर्म की रक्षा ईमानदारी से नहीं कर सकती इसलिए सर्वजन सनातन पार्टी को विकल्प के रूप में जनता के सामने लाया जा रहा है।

यह जानकारी राष्ट्रीय संगठन प्रभारी पडित रंगनाथ तिवारी ने बताया कि झारखंड में सर्वजन सनातन पार्टी डाल्टनगंज और गोड्डा में प्रत्याशी देगा, जबकि बिहार में बक्सर, कासकाट और बाल्मीकि नगर के साथ सासाराम सीट पर प्रत्याशी दिया जाएगा। इसी तरह यूपी में 15 सीटों पर प्रत्याशी खड़ा करने की योजना है। सर्वजन सनातन पार्टी के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी का कहना है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहीं से हिंदू नहीं हैं। अगर वह हिंदू होते तो अपनी मां की 13वीं में दाढ़ी- मूंछ अवश्य बनवाते, जो उन्होंने नहीं किया। पार्टी धर्म से राजनीति को संचालित करना चाहती है और इसके लिए सनातन धर्म के चार शंकराचार्य को मार्गदर्शक रखा गया है। श्री तिवारी ने बताया कि सर्वजन सनातन पार्टी भारत को फिर से सोने की चिड़िया बनाना चाहती है। इसके लिए यह देश में गो-वंश की रक्षा करेगी, देश को मीट निर्यातक की बजाय दुग्ध उत्पादक एवं ऑर्गनिक सब्जी फल एवं अन्य का निर्यातक बनाया जाएगा।

जमशेदपुर के पूर्व जिला जज का निधन, अंत्येष्ठी आज

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। जिला व्यवहार न्यायालय के पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्याम किशोर प्रसाद का शनिवार की सुबह ब्रह्मानंद अस्पताल में निधन

हो गया। वे अवकाश प्राप्त करने के बाद से जमशेदपुर बार का सदस्य बनने के बाद स्थानीय कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे थे। उनके पुत्र अधिवक्ता आशुतोष कुमार अभी जमशेदपुर जिला बार संघ के सदस्य हैं। श्याम किशोर प्रसाद का जन्म 18 सितंबर 1944 को हुआ है और लगभग 77 वर्ष की आयु में आज ही उनका निधन हो गया। रविवार को प्रातः 9.00 बजे उन्हें विधिवत रूप से श्रद्धांजलि देने के पश्चात स्वर्णरेखा बर्निंग घाट में दाह संस्कार किया जाएगा।

8 अप्रैल को डिमना से निकलेगी हिंदू नववर्ष उत्सव यात्रा

आयोजन को लेकर बर्मामाइंस शिव मंदिर में हुई बैठक

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। हिंदू नववर्ष यात्रा समिति पूर्व की भांति इस वर्ष भी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की पूर्व संध्या पर नववर्ष उत्सव यात्रा निकालेगी। यात्रा का आयोजन डिमना से सुभाष मैदान साकची तक होगा। इसको लेकर शनिवार को एक बैठक श्री शिव मंदिर प्रांगण, बर्मामाइंस में हुई, जिसमें हिंदू नववर्ष यात्रा के अध्यक्ष राम बाबू तिवारी समेत अन्य शामिल हुए।

हिंदू नववर्ष यात्रा के संस्थापक मृत्युंजय कुमार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी डिमना रोड के साथ-साथ पूरा शहर भगवामय हो चूका है। सभी हिन्दू भगवा स्नान हेतु अधिक से अधिक संख्या में डिमना रोड आने की अपील की। वहीं रामबाबू तिवारी ने कहा कि 500 वर्ष बाद भव्य राम मंदिर एवं रामलला की स्थापना हुई है, जिससे इस बार नव वर्ष यात्रा दोगुने उत्साह से निकलेगी तथा सभी रामभक्त इसमें शामिल होंगे। बैठक में भाजपा महानगर युवा अध्यक्ष अमित अग्रवाल, ब्रमहर्षि विकास मंच के महामंत्री अनिल ठाकुर क्षत्रिय महासंघ के चंद्रगुप्त सिंह, धर्मेंद्र प्रसाद, शिव शंकर सिंह, पवन अग्रवाल, अनुरूध सिंह, राजेश सिंह पप्पू, हरेराम यादव, नीरज सिंह, भूपेंद्र सिंह, विक्रम शर्मा, महेश सिंह, नितिन त्रिवेदी, संजीव सिंह राहुल हिंदू, दीपक भदानी, चंदन काशी, दीपक गुप्ता, दीपक झा मिट्ठू चौधरी, दशरथ चौबे, राहुल, सीसान्त, हर्ष आदि लोग शहर के कई क्षेत्रो से सेकड़ों लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बिड़रा में हरिनाम संकीर्तन में शामिल हुए विधायक मंगल कालिंदी, मांगी खुशहाली

पूसू प्रतिनिधि, पटमदा। पटमदा प्रखंड के बिड़रा गांव में सोलोआना कमेटी की ओर से आयोजित चौबीस प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन के अंतिम दिन शनिवार को विधायक मंगल कालिंदी शामिल होकर मंदिर में मत्था टेका और क्षेत्र की खुशहाली कामना की। इस दौरान विधायक ने कहा कि हरिनाम का श्रवण करने से मन में सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। उन्होंने गांव में इस तरह धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करने से आयोजक कमेटी के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान झामुमो महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष चंद्रावती महतो, विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू, झामुमो नेता सुनील महतो, सुभाष कर्मकार, तिलोकतमा कालिंदी, जामिनि प्रमाणिक आदि मौजूद थे।

पुलिस लाइन परिसर में हुआ इफ्तार पार्टी

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। चाईबासा पुलिस परिवार की ओर से पुलिस लाइन परिसर में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के एसपी आशुतोष शेखर और सदर एसडीओ अमिनेष रंजन, एसडीपीओ राहुल देव बड़ाईक हुए शामिल। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुलिस मेंस एसोसिएशन के सचिव ताराचंद महतो सहित अन्य पुलिसकर्मियों का सराहनीय योगदान रहा।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय, गोबरघुसी में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

पूसू प्रतिनिधि, पटमदा। पटमदा प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय गोबरघुसी, पटमदा में शनिवार को जिला प्रशासन के निर्देशानुसार मतदान महापर्व 2024 के उपलक्ष्य में इलेक्ट्रोल लिट्रेसी क्लब के छात्र-छात्राओं द्वारा नोडल शिक्षक राजेश कुमार राज एवं मो जियाऊल हसन मंसुरी के दिशा-निर्देश मे रंगोली प्रतियोगिता एवं 'वोट करेगा जमशेदपुर' का शपथग्रहण कराया गया। सभी छात्र-छात्राओं बहुत सुंदर-सुंदर रंगोली बना कर सभी लोगों को 25 मई को वोट करने के लिए जागुरूक किया। मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक उपेंद्र बेसरा, सहायक शिक्षिका श्वेता, हरप्रीत कौर, अंजू दत्ता, सहायक शिक्षक सुकलाल माण्डी, सुधांशू महतो, चन्द्रशेखर आचार्य, दिनेश कुमार मालाकर, असीम कुमार पाल, सुधांशू शेखर मुदी, मो फहीम एवं काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

आदिवासी कुड़मी समाज का बारियादा में गांव जागान गांव साड़ान कार्यक्रम

पूसू प्रतिनिधि, बोड़ाम। आदिवासी कुड़मी केंद्रीय कमिटी के आह्वान पर शहीद रघुनाथ महतो के 246वीं शहादत दिवस के उपरांत एक सप्ताह व्यापी शहीद सेऊरन सप्ताह हर गांव में मनाया जा रहा है। इसी दौरान शनिवार को बोड़ाम प्रखंड के बारियादा गांव में गांव जागान गांव साड़ान किया गया। इस अवसर पर आदिवासी कुड़मी समाज के केंद्रीय सहसचिव जयराम हिंदयार, राज्य कमिटी के सदस्य वासुदेव हिंदयार, बारियादा ग्राम कमिटी के अध्यक्ष अंकुर टीडुयार, सुधांशु कडुयार, चैतन कडुयार सहित अनेक ग्रामीण और गांव के बच्चे उपस्थित थे।

छुटे हुए मतदाताओं का नाम जोड़ने के लिए 7 से 9 अप्रैल तक मनेगा वोट महोत्सव

ज्यादा मतदाताओं का नाम निबंधन कराने वाले बीएजी, वीएएफ व ईएलसी किए जाएंगे सम्मानित

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। जिले के वैसे युवा मतदाता जिनका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज नहीं हो पाया है। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से तीन दिन (7 से 9 अप्रैल) तक वोट महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसके लिए विशेष अभियान चलेगा। इस कार्य बीएजी, वीएएफ व ईएलसी की मदद ली जाएगी। इन सभी के सहयोग से आवासीय सोसायटी, स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, बूथ स्तर पर तथा सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयों, संगठनों में संबंधित संस्थानों के द्वारा अपने-अपने कार्यालय एवं आवासीय व व्यवसायिक परिसर में योग्य एवं वंचित मतदाताओं का सत्यापन अभियान चलाकर वंचित लोगों को फॉर्म-6 भरा जाएगा साथ ही मतदाता जागरूकता संबंधी कई तरह की गतिविधि, बैठक के माध्यम से लोगों को जागरूक भी किया जाएगा। अभियान को लेकर शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक की।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि कई स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं, जरूरी है कि इसका दायरा बढ़ाते हुए एक-एक मतदाता तक संदेश पहुंचाया जाए और मतदान की महत्ता से अवगत कराया जाए। सोशल मीडिया इंफ्लूएंशर, कला दल, स्पोर्ट्स, ट्रांसपोर्ट व रेसिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग के एंबेसडर की भूमिका में आप सभी सजगता एवं तत्परता से कार्य करें। लोकतंत्र का महापर्व हमें अपने सामाजिक सरोकार से जुड़ने, लोकतंत्र की मजबूती में अपनी सहभागिता दिखाने का भी अवसर देता है । आप सभी समाज के बीच कार्य करने वाली संस्थायें हैं जिनसे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हजारों लोग जुड़े होते है, जरूरत है आगे आकर मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय सहभागिता कि जिससे हमारे जिले के शहरी क्षेत्र में मतदान के प्रति उदासीनता को दूर किया जा सके।

रेसिडेंसियल वेलफेयर सोसायटी से मांगे गए नाम

सभी रेसिडेंसियल वेलफेयर सोसायटी से 10 अप्रैल तक फॉर्म 6 से नए मतदाताओं के नाम निबंधन की सूची मांगी गई। उन्होने कहा कि वोट महोत्सव के दौरान आगामी तीन दिनों में ज्यादा से मतदाताओं का नाम निबंधन कराने वाले बीएजी, वीएएफ तथा ईएलसी को जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा । रोचक गतिविधि से मतदाताओं को जागरूक करें तथा 25 मई को मतदान के लिए प्रेरित करें उप विकास आयुक्त ने कहा कि जागरूकता कार्यक्रम भी तभी सफल होगा जब एक एक योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़ जाएग। जिला प्रशासन की पूरी मशीनरी ग्राउंड लेवल पर तत्परता से कार्य कर रही है। सभी सोशल मीडिया इंफ्लूएशर की युवा वर्ग के बीच अच्छी पहुंच है, इस प्लेटफॉर्म का बेहतर इस्तेमाल करते हुए युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करें।

85+ आयु, दिव्यांग व गर्भवती को मिलेग वाहन

सुगम परिवहन के लिए 85+ आयु वर्ग के मतदाता हों या दिव्यांग तथा गर्भवती महिला सभी को वाहन उपलब्ध कराया जाएगा, इसका प्रचार-प्रसार अधिक से अधिक करें।

उन्होंने संगठनों से मोबाइल स्टीकर, बैच, रंगोली, मानव श्रृंखला, क्वीज, प्रभातफेरी, चुनाव पाठशाला, मतदाता शपथ, सोशल मीडिया पर रील बनाने, वीडियो मैसेज, पौधरोपण, स्वच्छता अभियान, बाइक स्टीकर, वोटर आईडी के साथ सेल्फी, हस्ताक्षर अभियान, निबंध, स्लोगन आदि गतिविधियों के संचालन की बात कही।

इस अवसर पर सभागार में उपस्थित सभी सदस्यों को मतदाता शपथ दिलाया गया तथा मतदान के प्रति जागरूकता को लेकर रोचक गतिविधि भी संचालित किए गए। उप विकास आयुक्त ने बैठक में उपस्थित सदस्यों से कहा कि मतदान के अधिकार के प्रति प्रत्येक मतदाता को जागरूक करने में जिला प्रशासन का सहयोग करें। बैठक में स्वीप कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी-सह- जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव, जिला खेल पदाधिकारी अविनेश त्रिपाठी समेत स्वीप कोषांग के कर्मी उपस्थित थे।

सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) कार्यक्रम के तहत शनिवार को घाटशिला प्रखण्ड में रंगोली बनाकर लोकतंत्र में भागीदारी का संदेश दिया गया। इस दौरान दौरान मतदान दिवस के दिन अधिक से अधिक लोगों को मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई।

आयुष शर्मा ने बताया

आखिर क्यों सलमान खान प्रोडक्शन के बाहर काम किया

एक्टर आयुष शर्मा अपनी अपकमिंग फिल्म रुसलान की रिलीज को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। यह उनके जीजा के एसकेएफ (सलमान खान फिल्म्स) लेबल के बाहर उनकी पहली फिल्म है। एक्टर ने शुक्रवार को रुसलान के ट्रेलर लॉन्च पर मीडिया से बात करते हुए बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में उनकी यात्रा काफी धीमी रही है। लेकिन उन्होंने इसके हर पल का आनंद उठाया है।

ट्रेलर लॉन्च में एक्टर के साथ फिल्म के कलाकार और क्रू भी शामिल थे। यह फिल्म 26 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता ने स्पष्ट किया कि केवल एसकेएफ के साथ काम करना उनका कभी भी इरादा नहीं था। उन्होंने कहा, मैं अब पांच साल से इंडस्ट्री में हूं और मेरी यात्रा बेहद धीमी रही है। लेकिन मैंने इसका हर पल आनंद लिया है। मैं खुद को हर प्रोजेक्ट में पूरी लगन से शामिल करता हूं। आयुष ने कहा, लवयात्री के बाद, जब मुझे अंतिम की पेशकश की गई, तो मुझे उस किरदार में ढलने के लिए बॉडी पर काम करने में तीन साल लग गए। मेरे लिए, अंतिम एक बहुत ही महत्वपूर्ण फिल्म थी। हम वास्तव में उस दौरान रुसलान पर चर्चा कर रहे थे। सलमान खान की छत्रछाया से दूर जाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जब आप परिवार से बाहर काम करते हैं, तो आपको और अधिक सीखने को मिलता है। मैं कितना भी खराब क्यों न हूं, मेरे निर्देशक और निर्माता ने मुझे वापस लिया। मेरी ओर से ऐसा कोई इरादा नहीं था कि मुझे केवल परिवार के साथ काम करना है। आयुष ने कहा, मैं एक अभिनेता हूं, और मुझमें भूख है। मैं उसी जुनून के साथ जितना संभव हो उतनी फिल्में करना चाहूंगा। अभिनेता ने एक्शन फिल्मों के प्रति अपने प्यार के बारे में भी बात की और कहा, मुझे बचपन से ही एक्शन फिल्में पसंद थीं। लंदन में एक रोमांटिक गाना प्रस्तुत करना मेरा सपना था और वह लवयात्री के साथ पूरा हुआ। फिर अंतिम आई और मुझे एहसास हुआ कि मुझे भी एक्शन करना चाहिए। एक्शन फिल्में करना मेरा भी सपना था। रुसलान के बारे में आयुष ने कहा, यह केवल एक और एक्शन फिल्म नहीं है; यह एक इमोशनल एक्शन फिल्म है। इसके पीछे एक इमोशनल कहानी है। इस फिल्म में मुझे सब कुछ करने को मिला। इसमें एक्शन,कॉमेडी, रोमांस, इमोशन सब कुछ है। करण ललित बुटानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आयुष के अलावा तेलुगु कॉमिक स्टार जगपति बाबू और सुश्री श्रेया मिश्रा भी हैं।

एंजेलिना जोली ने ब्रैड पिट पर लगाए मारपीट के सनसनीखेज आरोप

कोर्ट केस में आया नया ट्विस्ट

एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट की कानूनी लड़ाई में नया मोड़ आ गया है। दोनों फ्रांस की वाइनरी को लेकर संपत्ति? विवाद में उलझे हुए हैं। अब एंजेलिना जोली ने कोर्ट में नए कागजात जमा किए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि ब्रैड पिट ने एक से ज्यादा मौकों पर हिंसक रवैया अपनाया और मारपीट की है।

कभी हॉलीवुड के सबसे फेवरेट कपल रहे एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट के बीच घुली कड़वाहट खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। दोनों अब अलग हो चुके हैं और फिर भी कोर्ट में लड़ रहे हैं। साल 2008 में खरीदी वाइनरी को लेकर दोनों में संपत्ति विवाद है। इस एक्स-कपल ने फ्रांस के दक्षिण में मिरावल एस्टेट और वाइनरी खरीदी थी। अब इस कोर्ट केस में नया मोड़ आ गया है। एंजेलिना के हवाले से उनके वकीलों ने ब्रैड पिट पर मारपीट का आरोप लगाया है।

यही नहीं, इसमें कहा गया है कि 2016 के चर्चित विमान वाली घटना से पहले भी ब्रैड कई बार हिंसक हो चुके थे। कोर्ट में जमा किए गए कागजातों की कॉपी हासिल की है। इसके मुताबिक, दावा किया गया है कि एंजेलिना जोली ने फ्रांस की वाइनरी, मिरावल में अपनी हिस्सेदारी बेचने की कोशिश की थी। हालांकि, यह कोशिशें तब रोक दी गईं, जब ब्रैड पिट ने एक नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट साइन करने पर जोर दिया था।

ब्रैड पिट ने 2022 में दर्ज किया था मुकदमा

ब्रैड पिट ने 2022 में यह मुकदमा दर्ज किया था। इसमें उन्होंने दावा किया कि उनके और एंजेलिना के बीच एक समझौता हुआ था कि कोई भी दूसरे की सहमति के बिना वाइनरी में अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचेगा। एक्ट्रेस ने अब अपनी फाइलिंग में आरोप लगाया है कि ब्रैड पिट का शारीरिक शोषण का इतिहास रहा है। वह सितंबर 2016 में परिवार की फ्रांस से लॉस एंजिल्स की विमान यात्रा से काफी पहले से इस तरह का हिंसक बर्ताव करते रहे हैं।

महेश बाबू से रश्मिका के पुष्पा 2 लुक की क्यों हुई तुलना एक्ट्रेस की प्रतिक्रिया हुई वायरल

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपना 28वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उनकी आगामी फिल्म पुष्पा 2 के मेकर्स ने फैंस को तोहफा दिया। मेकर्स ने फिल्म से रश्मिका का पहला लुक जारी किया। इसके बाद साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के फैंस ने एक दोनों के तस्वीरें शेयर कर जन्मदिन बधाई, जिस पर रश्मिका की प्रतिक्रिया खूब वायरल हो रही है।दरअसल रश्मिका का पुष्पा 2 का लुक महेश बाबू के गुंटूर करम के एक पोस्टर मेल खाता नजर आ रहा है।

फैंस ने दोनों तस्वीरों को एक साथ शेयर कर रश्मिका को जन्मदिन की बधाई दी, जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए रश्मिका ने कहा, वाह...मुझे यह कोलाज पसंद आया। पोस्टर में रश्मिका का श्रीवल्ली किरदार में फैंस को खूब पसंद आ रहा है। हरे रंग की साड़ी में रश्मिका माथे पर लाल कुमकुम, आंखों पर काजल लगाए हुए नजर आ रही हैं। श्रीवल्ली का यह लुक बेहद आकर्षक नजर आ रहा है, जिसे फैंस ने गुंटूर करम के साथ लगाकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। गौरतलब है कि रश्मिका महेश बाबू के साथ स्क्रीन साझा कर चुकी हैं। साल 2018 में फिल्म चलो से रश्मिका ने टॉलीवुड इंडस्ट्री में प्रवेश किया था।

अब पर्दे पर लंबे और बड़े रोल्स करना चाहते हैं शरद केलकर

बॉलीवुड एक्टर शरद केलकर ने कई फिल्मों में काम किया। किसी में अभिनय किया तो किसी में उन्होंने हीरो को अपनी आवाज दी। मगर कभी मुख्य भूमिका में नजर नहीं आए। अब वह लंबे और बड़े रोल्स करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री उन्हें पता नहीं क्यों कास्ट नहीं कर रही है। तमाम फिल्मों में अपनी दमदार आवाज देने और शानदार अभिनय के कारण मशहूर शरद केलकर एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने फिल्मों में भले लीड रोल्स नहीं निभाए लेकिन साइड रोल्स के जरिए ही वो हीरो पर भारी पड़े हैं। हालांकि अब वह काम मांग रहे हैं।

वह पर्दे पर अब लंबा रोल करना चाहते हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलकर इस बारे में बात की है। हाल ही में इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आए शरद केलकर का माननाहै कि अब समय आ गया है कि निर्माता उन्हें लंबी भूमिकाएं दें। मुझे यह अच्छा लगा और जैसी भूमिकाएं बताई वैसे रोल्स पाकर मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। ऐसे बहुत से अभिनेता हैं जो मुझसे बेहतर हो सकते हैं और बेहतर काम कर सकते हैं। लेकिन भाग्य भी काम आता है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे वे भूमिकाएं मिलीं। तुलनात्मक रूप से, लंबाई में वे छोटे थे... मुझे नहीं पता कि इंडस्ट्री ये बात क्यों नहीं समझती। मैं नहीं जानता कि उन्हें मुझे बड़ी और बेहतर भूमिका में लेने से कौन रोक रहा है। हो सकता है कि दूसरों में मुझसे ज्यादा समझ हो। मुझे इसके पीछे का कारण नहीं पता।

शरद केलकर अपने वक्त का इंतजार कर रहे

शरद केलकर ने आगे कहा, हालांकि मुझे इसके पीछे का कारण नहीं पता। मैं एक बहुत ही सकारात्मक व्यक्ति हूं, मैं बस अपनी बारी का इंतजार कर रहा हूं। मैं यह नहीं कहता कि मैं बहुत अच्छा अभिनेता हूं, लेकिन मैं बहुत मेहनती हूं और खुद पर विश्वास रखता हूं। मैं कभी हार नहीं मानता, यही रवैया रखता हूं। मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूं जब लोग मुझ पर विश्वास करेंगे। पॉडकास्ट में अपने करियर स्ट्रगल की कहानी शेयर की है। शरद ग्रासिम मिस्टर इंडिया के फाइनलिस्ट थे और 2002 में वह मॉडलिंग में करियर बनाने के लिए मुंबई आए थे।

वह बताते हैं कि एक मॉडल के रूप में उन्होंने कई विज्ञापनों के लिए काम किया, लेकिन यह सब इतना आसान भी नहीं था। वह बताते हैं कि जब पहली बार एक मॉडल के तौर पर उन्हें फैशन शो के लिए 5000 रुपये का ऑफर मिला तो वह बहुत एक्साइटेड हो गए थे, क्योंकि उससे पहले वह एक जिम ट्रेनर के तौर पर महीने के 2750 रुपये कमाते थे। शरद केलकर बताते हैं, मैं पहली बार छुट्टी में अपने चचेरे भाई से मिलने मुंबई आया था। इसी दौरान एक फैशन शो के लिए कॉल आया। मैं बांद्रा के बाजार रोड में एक कमरे में नौ लड़कों के साथ रहा करता था। वहां एक राजस्थानी होटल था, जो डब्बा सर्विस देते थे।

मेरी डील सामान्य थी, चार अंडे और दो रोटी, सुबह और शाम को। बस इतना ही। मुझे यह 25 रुपये में मिल जाते थे। पॉडकास्ट के दौरान शरद केलकर से पूछा गया कि क्या वह उन दिनों में कभी शराब पर खर्च कर पाते थे एक्टर ने कहा, यह तो प्रिवलिज (विशेषाधकिार) वाली बात थी। शायद तीन महीने में एक बार ऐसी स्थिति बनती थी। हम तभी पार्टी करते थे जब हमें कोई काम मिलता था, जैसे कोई विज्ञापन या फोटोशूट। वर्ना वह मुश्कलि वक्त था। लेकिन जब टीवी में काम मिलना शुरू हुआ तो चीजें बेहतर हो गईं। शरद केलकर ने कहा कि वह उन दिनों में खर्च चलाने के लिए जिम में ट्रेनर के तौर पर काम करते थे। इसके लिए हर महीने 2750 रुपये की कमाई होती थी। जब उन्हें एक फैशन शो में तीन मिनट के लिए रैम्प पर चलने के लिए 5000 रुपये ऑफर हुए तो उन्होंने झट से उसे स्वीकार कर लिया।

शरद केलकर इस बात से संतुष्ट होते हैं

उन्हें मिलने वाली सराहना उन्हें इस बात से संतुष्ट करती है कि उनके किरदार ने दर्शकों पर प्रभाव डाला, मेरी एकमात्र पहली चिंता यह है कि क्या मैं ऐसी भूमिकाएं करने में सक्षम हूं आपको खुद को समझाना होगा। आप अपना काम करते हैं और अगर लोग इसकी सराहना करते हैं, तो इससे आपको एक और चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने की प्रेरणा मिलती है। मैं उसी तरह की भूमिकाएं अपनाता हूं।

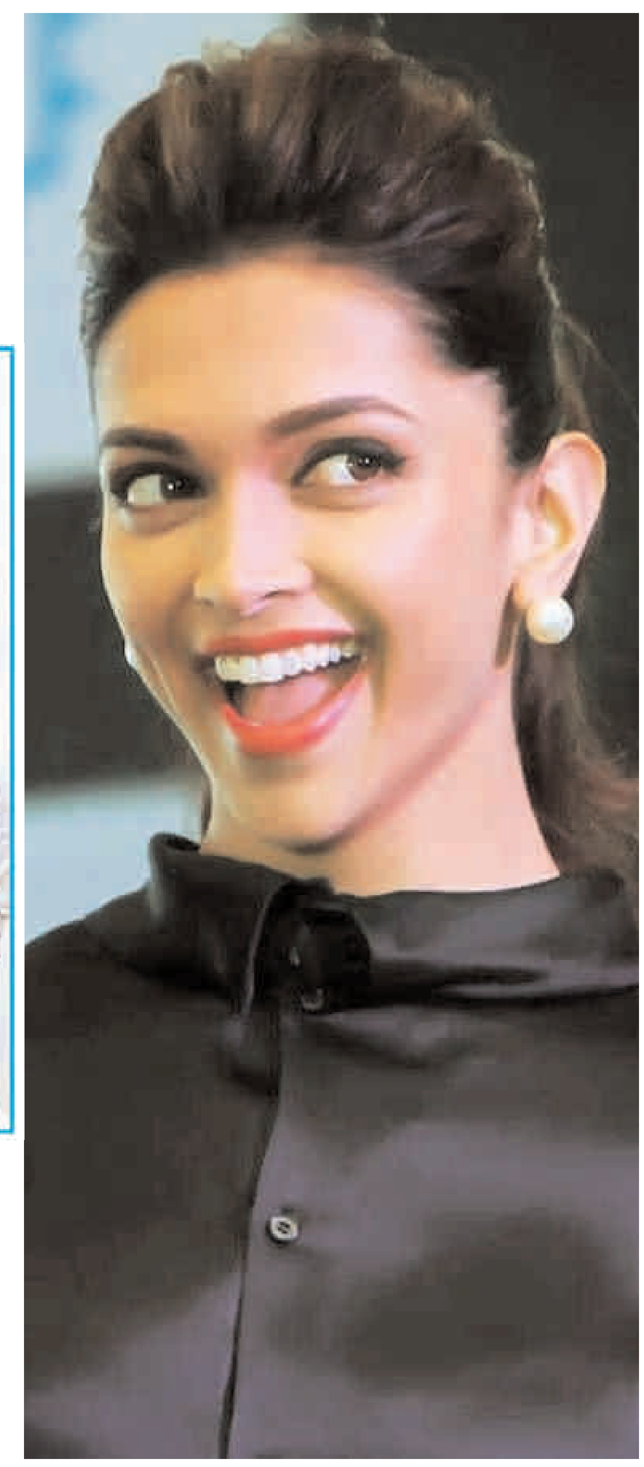

गुरिंदर चड्ढा की अगली फिल्म में नजर आएंगी आलिया

विश्व सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान रखने वाली निर्देशिका गुरिंदर चड्ढा ने अपनी अगली फिल्म के लिए आलिया भट्ट को साइन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट अब एक ऐसे नए अवतार में दिखाई देंगी, जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा है। खबरों के अनुसार इंडो-ब्रिटिश फिल्म निर्देशक गुरिंदर चड्ढा की फिल्म में प्रिंसेस के रोल के लिए आलिया भट्ट का नाम फाइनल कर लिया गया है। इस फिल्म की शूटिंग 2025 जून में शुरू हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में अभी तक सिर्फ आलिया भट्ट का नाम ही शामिल हुआ है। बाकी स्टारकास्ट को फिल्म की कहानी के पूरा होने के बाद ही तय किया जाएगा। हालांकि अपनी इस फिल्म के लिए शुरू से ही गुरिंदर की पहली पसंद आलिया ही थीं। फिल्म मेकर गुरिंदर चड्ढा अपने अच्छे निर्देशन के लिए जानी जाती हैं। बहरहाल, गुरिंदर अपनी आने वाली फिल्म भारतीय प्रिंसेस की कहानी को डिजनी के साथ पूरा करेंगी। इस फिल्म की कहानी को लेकर गुरिंदर और आलिया कई बार मुलाकात भी कर चुकी हैं। गुरिंदर ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी और आलिया की एक फोटो भी पोस्ट की थी, जिससे यह साफ गया कि दोनों की मुलाकात की बात तो पक्की है। अगर गुरिंदर और आलिया की यह डील फाइनल होती है तो इस फिल्म से आलिया को काफी फायदा मिलेगा। इस फिल्म से आलिया को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और भी अधिक पहचान मिलेगी। फिल्म हॉर्ट ऑफ स्टोन से आलिया को पहले ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल चुकी है। यहां तक की लंदन में हुई आलिया की वेब सीरीज पोचर की स्क्रीनिंग के दौरान गुरिंदर मौजूद थीं। हाल ही में हुए लंदन के होप गाला इवेंट में भी चड्ढा उपस्थित थीं।

बॉलीवुड में ट्रेंड्स को फॉलो करने पर करण के तंज पर अनिल का रिएक्शन!

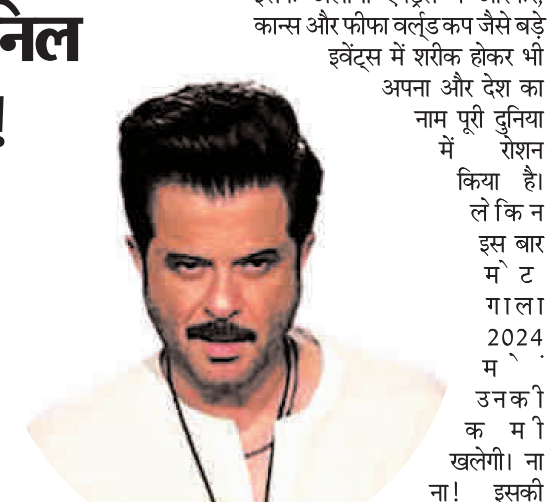

मेगास्टार अनिल कपूर ने बॉलीवुड के फिल्ममेकर्स पर करण जौहर के क्रिप्टिक नोट पर अपना रिएक्शन दिया, जो बॉक्स ऑफिस ट्रेंड को आँख बंद करके फॉलो कर रहे हैं। करण ने एक नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे फिल्ममेकर बॉक्स ऑफिस पर जीत हासिल करने के बाद अलग-अलग जॉनर की फिल्मों की सफलता को दोहराना चाहते हैं। करण ने लिखा बड़ा स्केल चाहिए तो वो बनाओ। एक्शन चली. एक्शन बनाओ ! लव स्टोरी चली तो लव स्टोरी बनाओ ! चिक फ्लिक हिट हुई तो वहां जाओ ! मौसम हर हफ़्ते बदलता है... यकीन हर हफ़्ते बदलता है ! बॉक्स ऑफिस है भैया, इंस्टाग्राम रील नहीं... 30 सेकंड की ट्रेंडिंग में रह जाओगे वहीं के वहीं ! इस पर रिएक्शन देते हुए, अनिल कपूर ने कहा कि वह करण की बातों से सहमत हैं और फिल्ममेकर की राय को एपिक कहा।

मेट गाला 2024

दीपिका पादुकोण की खलेगी कमी ! प्रेग्नेंसी नहीं, इस कारण एक्ट्रेस इवेंट में नहीं लेंगी हिस्सा

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने साल 2017 में मेट गाला में डेब्यू किया था। वो तीन बार इस प्रोग्राम का हिस्सा रह चुकी हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने ऑस्कर, कान्स और फीफा वर्ल्ड कप जैसे बड़े इवेंट्स में शरीक होकर भी अपना और देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है। लेकिन इस बार मेट गाला 2024 में उनकी कमी खलेगी। ना ना! इसकी वजह उनकी प्रेग्नेंसी नहीं है। बल्कि वर्क कमिटमेंट्स हैं। आइये डिटेल में जानते हैं। इस साल 6 मई को आयोजित होगा। दुनियाभर में फेमस इस इवेंट्स में कई जानी-मानी हस्तियां शामिल होती हैं और उनके अजीबोगरीब ड्रेस लोगों का ध्यान खींचते हैं। अब तक दीपिका के अलावा सोनम कपूर, प्रियंका चोपड़ा, कंगना रनौत और आलिया भट्ट इसका हिस्सा बन चुकी हैं। दीपिका पादुकोण ने बताया- पापा ने माधुरी की शादी के बाद बाथरूम में कर लिया था खुद को बंद, आंखों के नीचे थे धब्बे

दीपिका पादुकोण क्यों नहीं करेंगी शिरकत

इस साल वर्क कमिटमेंट्स की वजह से इस मेगा इवेंट का हिस्सा नहीं बन पाएंगी। दरअसल, वो रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम 3 की शूटिंग में बिजी रहेंगी। इसके अलावा उनकी अपकमिंग मूवी कल्कि 2898 एडी भी 9 मई 2024 को थिएटर्स में रिलीज के लिए तैयार है। प्रेग्नेंट होने के बावजूद दीपिका लगातार काम कर रही हैं।

प्रेग्नेंट हैं दीपिका, सितंबर में बनेंगी मां

38 साल की दीपिका इन दिनों प्रेग्नेंसी इंजॉय कर रही हैं। वो सितंबर 2024 में पहले बच्चे को जन्म देंगी। उन्होंने 2018 में एक्टर रणवीर सिंह से इटली के लेक कोमो में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी।

-साभार एजेंसी

संक्षिप्त समाचार

यूएई छोड़कर पाकिस्तान वापसी करने वाले उस्मान पर लगा बैन

एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के किसी भी टूर्नामेंट में पांच साल नहीं ले सकेंगे हिस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। यूनाइटेड अरब एमिरेट्स छोड़कर वापस पाकिस्तान आने वाले बल्लेबाज उस्मान खान पर एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड ने पांच साल का बैन लगा दिया है। उस्मान 2029 तक यूएई में होने वाले ईसीबी के किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इसमें आईएलटी 20 और अबु धाबी टी10 दो बड़े टूर्नामेंट भी शामिल हैं। ईसीबी ने उस्मान पर अपने दायित्वों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। बोर्ड ने अपने बयान में बताया है कि बोर्ड के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के खिलाफ जाने के कारण उस्मान पर यह बैन लगाया गया है। उस्मान का जन्म कराची में हुआ था, लेकिन उन्होंने यूएई के घरेलू खिलाड़ी के तौर पर आईएलटी 20 और अबु धाबी टी10 में हिस्सा लिया था। अब जब उन्हें पाकिस्तान टीम के साथ ट्रेनिंग कैंप में बुलाया गया तो उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया।

बोर्ड ने कहा- उस्मान ने ईसीबी को गलतफहमी में रखा

बोर्ड ने बयान में कहा, उस्मान ने यूएई की तरफ से खेलने के अपने फैसले को लेकर ईसीबी को गलतफहमी में रखा। इसके अलावा बोर्ड की तरफ से दिए गए साधनों का इस्तेमाल नए मौके तलाश करने के लिए किया। अब साफ हो चुका है कि वह श्व के लिए नहीं खेलना चाहते हैं और उन्हें पात्रता के लिए जो चीजें पूरी करनी थी वह भी नहीं करने वाले हैं।

उस्मान पीएसएल -2024 के दूसरे टॉप स्कोरर

उन्होंने यूएई के घरेलू खिलाड़ी के तौर पर आईएलटी 20 और अबु धाबी टी10 में हिस्सा लिया था। हाल ही में उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग में भी विदेशी खिलाड़ी के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया था। पीएसएल में मुल्तान सुल्तांस के लिए सात मैच खेलने वाले उस्मान दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने इस दौरान दो शतक भी लगाए। उन्होंने ने कुछ वक्त पहले क्रिकइंफो के साथ इंटरव्यू में पाकिस्तान के लिए खेलने की इच्छा जताई थी। अब जब उन्हें पूरी टीम के साथ ट्रेनिंग कैंप में बुलाया गया तो उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है।

प्रगनानंदा ने फिरोजा के साथ खेला ड्रॉ

भारत की आर वैशाली भी नहीं रहीं पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। आर प्रगनानंदा ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को ड्रॉ पर रोक दिया। वहीं डी गुकेश ने विदित गुजराती के साथ ड्रॉ खेला। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को ड्रॉ पर रोक दिया। वहीं डी गुकेश ने विदित गुजराती के साथ ड्रॉ खेला।

पुरुष वर्ग में पहले दिन चारों मुकाबले ड्रॉ रहे। वहीं, भारत की आर वैशाली ने हमवतन कोनेरू हंपी के खिलाफ ड्रॉ खेला। रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाशिकना और कैटरीना लागनो के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। चीन की तिंगजी ली को हमवतन झोंगई टान से हार मिली। उधर, बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा ने अन्ना मुजिचुक को ड्रॉ पर रोका। पुरुष वर्ग में, फेबियानो कारूआना और हिकारू नकामूरा का मुकाबला ड्रॉ रहा जबकि अजरबेजान के निजात अबासोव ने रूस के इयान नेपोमनियाश्ची को ड्रॉ पर रोका।

वीरेंद्र सहवाग की भविष्यवाणी

टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में शिवम दुबे बनेंगे सूर्यकुमार यादव और ऋषभ पंत के लिए खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय विस्फोटक सलामी बल्लेबाज और मौजूदा एक्सपर्ट वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि 1 जून से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय स्क्वॉड में शिवम दुबे सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों के लिए खतरा बन सकते हैं। दुबे की जब से चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में एंट्री हुई है तब से वह धमाल मचा रहे हैं। स्पिनर्स के खिलाफ बड़े-बड़े शॉट लगाना उनकी ताकत है।

आईपीएल 2024 में भी बाएं हाथ का यह बल्लेबाज खतरनाक फॉर्म में दिखाई दे रहा है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में भी जब सीएसके के सभी खिलाड़ी संघर्ष करते हुए नजर आ रहे थे, तब दुबे ने 24 गेंदों पर 2 चौकों और 4 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 45 रनों की धुआंधार पारी खेली।

शिवम दुबे के बारे में बात करते हुए वीरेंद्र सहवाग ने क्रिकबज से कहा, वह (दुबे) जिस तरह की फॉर्म में हैं, टी20 वर्ल्ड कप के लिए उनका टिकट पक्का होना चाहिए। उन्होंने कई खिलाड़ियों को दबाव में डाला है, चाहे वह श्रेयस अय्यर हों, केएल राहुल हों, सूर्यकुमार यादव हों या मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाज हों। यहां तक कि ऋषभपंत भी। दूसरों को अगर टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह बनानी है तो अब लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा, और यही आगे का रास्ता होना चाहिए।

सहवाग ने अंत में चयनकर्ताओं से गुजारिश की कि टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में उन्हीं खिलाड़ियों को चुनें जो फॉर्म में हो। वहीं पूर्व हरफनमौला युवराज सिंह का भी यही मानना है। उनका कहना है कि टी20 वर्ल्ड कप में शिवम दुबे भारत के लिए गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, शिवम दुबे को फील्ड को आसानी से भेदते हुए देखकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि उसे टी20 विश्व कप स्क्वॉड में होना चाहिए। उसके पास गेम चेंजर बनने के लिए स्किल है।

जब धोनी बल्लेबाजी करने के लिए उतरे तो शोर उतना ही तेज था जितना मैंने कभी सुना था: पैट कमिंस

हैदराबाद , एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के कप्तान पैट कमिंस शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की पारी के 20वें ओवर में महेंद्र सिंह धोनी के बल्लेबाजी करने के लिए आने पर खचाखच भरे राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में धोनी की जय-जयकार सुनकर दंग रह गए। । कमिंस ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन समारोह में कहा, आज रात भीड़ पागल थी। जब एमएस बल्लेबाजी के लिए बाहर आये , तो शोर उतना ही जोर से था जितना मैंने कभी सुना है, लेकिन हां हमें यहां खेलना पसंद है और हमने इसे दो से दो जीत कर दिया है। हालाँकि, धोनी ने दो गेंदों पर सिर्फ एक रन बनाया, लेकिन यह उन दर्शकों के लिए खुशी का क्षण था जो उन्हें बल्लेबाजी करते देखने आए थे। कमिंस ने सीएसके के खिलाफ एसआरएच की छह विकेट की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी क्योंकि उन्होंने शिवम दुबे का कीमती विकेट लिया था, जिन्होंने 24 गेंदों में 45 रन बनाए थे।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले जूझ रहे बड़े सितारे

5 खिलाड़ी जिनका आईपीएल फॉर्म टीम इंडिया के लिए चिंता

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन जून में होना है। उससे ठीक पहले आईपीएल खेली जा रही है। 22 मार्च को लीग की शुरुआत हुई थी। इस महीने के अंत में टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान होना है। लेकिन इससे पहले भारतीय टीम के कई स्टार खिलाड़ी फॉर्म से जूझ रहे हैं। 2007 में हुए पहले टूर्नामेंट के बाद से भारत ने वर्ल्ड कप नहीं जीता है। ऐसे में इन स्टार खिलाड़ियों की फॉर्म भारत के लिए चिंता है।

जितेश शर्मा

पंजाब किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा टी20 वर्ल्ड कप के दावेदार हैं। 4 मैच में जितेश ने 15 की औसत और 126 की स्ट्राइक रेट से 58 रन बनाए हैं। ऋषभ पंत भी फिट हो चुके हैं। उनके बैट से रन भी निकल रहे हैं। अगर जितेश की यही स्थिति रही तो पंत को वर्ल्ड कप का टिकट मिल सकता है।

यशस्वी जायसवाल

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कमाल करने वाले यशस्वी जायसवाल के बल्ले से आईपीएल 2024 में रन नहीं निकला है। 3 मैच में यशस्वी ने 13 की औसत से 39 रन बनाए हैं। उनकी सबसे बड़ी पारी 24 रनों की रही है। वह वर्ल्ड कप के दौरान भारत के लिए रोहित शर्मा के साथ सलामी बल्लेबाजी कर सकते हैं।

मोहम्मद सिराज

मोहम्मद सिराज वर्ल्ड कप के दौरान जसप्रीत बुमराह के साथ नई गेंद संभाल सकते हैं। लेकिन सिराज की आईपीएल 2024 में बुरी स्थिति है। 4 मैच में वह सिर्फ तीन विकेट ले पाए हैं। इस दौरान उन्होंने 10 से ज्यादा की इकोनॉमी से रन खर्च किए हैं।

रविंद्र जडेजा

रविंद्र जडेजा के बल्ले से न तो रन निकल रहे हैं और न ही उन्हें विकेट मिल रहा। 4 मैच में जडेजा सिर्फ एक ही बल्लेबाज को आउट कर पाए हैं। बल्लेबाजी में भी वह फिनिशर की भूमिका नहीं निभा पा रहे। आईपीएल 2024 में 60 गेंदों का सामना करने के बाद रविंद्र जडेजा सिर्फ एक ही छक्का मार पाए हैं।

हार्दिक पंड्या

हार्दिक पंड्या वर्ल्ड कप 2024 के दौरान चोटिल हुए थे। कई महीनों तक मैदान से बाहर रहने के बाद उन्होंने डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। आईपीएल के इस सीजन में वह कुछ खास नहीं कर पाए हैं। फैंस की हूटिंग का सामना कर रहे हार्दिक ने 3 मैच में 69 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में करीब 11 की इकोनॉमी से रन देकरक एक विकेट लिया है।

अभिषेक शर्मा ने तोड़ा क्रिस गेल का रिकॉर्ड

हैदराबाद, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 18वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने गतविजेता चेन्नई सुपर किंग्स को एकतरफा 6 विकेट से मात देने के साथ इस सीजन अपनी दूसरी जीत दर्ज की। हैदराबाद को इस मुकाबले में 166 रनों का टारगेट मिला था, जिसका पीछा करने जब टीम उतरी तो 23 साल के अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 12 गेंदों में 37 रनों की पारी खेलने के साथ मुकाबले को पूरी तरह से एकतरफा करने का काम किया। अभिषेक की पारी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने इस टारगेट को सिर्फ 18.1 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अभिषेक ने अपनी पारी के दम पर आईपीएल के इतिहास का एक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया जो इससे पहले क्रिस गेल और सुनील नरेन के नाम पर था।

आईपीएल में किसी पारी के दूसरे ओवर में बनाए सबसे ज्यादा रन

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम जब चेन्नई सुपर किंग्स के टारगेट का पीछा करने उतरी तो पारी का दूसरा ओवर करने आए मुकेश चौधरी के खिलाफ अभिषेक शर्मा ने आक्रामक रुख अपनाते हुए 3 छक्के और 2 चौके लगाने के साथ कुल 26 रन बटोर लिए। इसी के साथ वह आईपीएल इतिहास में किसी मैच में पारी के दूसरे ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। इससे पहले ये रिकॉर्ड सुनील नरेन और क्रिस गेल के नाम पर था, दोनों ही खिलाड़ियों ने 24-24 रन बनाए थे। अभिषेक का फॉर्म इस सीजन अब तक काफी शानदार देखने को मिला है, जिसमें ऑरेंज कैप की रेस में 161 रनों के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं, जिसमें उन्होंने 217.57 के स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं।

आईपीएल के दूसरे ओवर में एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

अभिषेक शर्मा - 26 रन (मुकेश चौधरी, साल 2024)

सुनील नरेन - 24 रन (वरुण चक्रवर्ती, साल 2019)

क्रिस गेल - 24 रन (भुवनेश्वर कुमार, साल 2015)

क्रिस गेल - 24 रन (मनप्रीत गोनी, साल 2012)

युवराज सिंह और ब्रायन लारा का दिया धन्यवाद

अपनी छोटी लेकिन धमाकेदार पारी के दम पर अभिषेक शर्मा ने इस मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड अपने नाम किया। वहीं उन्होंने इस दौरान कहा कि गेंदबाजी के समय हमें ये एहसास हो गया था कि ये विकेट थोड़ा धीमा है। ऐसे में हमें ये पता लग गया था कि पावरप्ले में तेजी से रन बनाने होंगे क्योंकि गेंद पुरानी होने के बाद पिच से और धीमा आएगी। हमने इस सीजन के शुरू होने से पहले काफी बेहतर तैयारी की थी। बड़ा स्कोर जरूर मायने रखता है लेकिन मैं अपनी लय को बरकरार रखना चाहता था। मैं अपने पिता के अलावा युवराज सिंह और ब्रायन लारा का खासतौर पर धन्यवाद देना चाहता हूं।

जर्मन ओपन

क्वार्टर फ़ाइनल में यो एनजी ने सेंथिलकुमार को हराया

हैम्बर्ग, एजेंसी। राष्ट्रीय स्क्वैश चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार 50,000 अमेरिकी डॉलर की पीएसए विश्व टूर कांस्य प्रतियोगिता जर्मन ओपन के पुरुष क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त मलेशिया के इयान यो एनजी से शुक्रवार को 7-11, 6-11, 4-11 से हार गए। यो एनजी ने विश्व के 59वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी की आधिकारिक पीएसए वेबसाइट से कहा , यह (हमारे बीच) हमेशा करीबी मामला रहा है। किसी न किसी कारण से, हर बार वह कुछ खिलाड़ियों को मेरे पास आने तक अपसेट करता है। दुनिया के 22वें नंबर के मलेशियाई खिलाड़ी ने कहा, ÷यह हर बार कठिन होता जा रहा है, लेकिन मैं अपनी ताकत भी जानता हूं, मुझे पता है कि मैं वहां टिक सकता हूं, बड़े अंकों को बेहतर ढंग से खेल सकता हूं, और मुझे लगता है कि यह पहले और दूसरे गेम में दिखा।

शाहीन अफरीदी ने दी चेतावनी !

मेरे सब्र का इम्तिहान मत लो, वरना...

लाहौर, एजेंसी। शाहीन अफरीदी को हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कप्तानी से हटा दिया. शाहीन टी20 टीम के कप्तान थे, जिन्हें बाबर आज़म के बाद कमान सौंपी गई थी. लेकिन अब, शाहीन को हटाकर एक बार फिर बाबर को कप्तान बना दिया गया है. बाबर को दोबारा पाकिस्तान का व्हाइट बॉल कप्तान नियुक्त किया गया है. अब कप्तानी से हटाए जाने के बाद शाहीन अफरीदी ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि मेरे सब्र का इम्तिहान मत लो.

बता दें कि पाकिस्तान ने भारत की सरज़मीं पर खेले गए वनडे वर्ल्ड कप 2023 काफी खराब प्रदर्शन किया था, जिसके बाद बाबर आज़म ने तीनों फॉर्मेट की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था. बाबर के बाद शाहीन को टी20 और शान मसूद को टेस्ट का कप्तान बनाया गया था.

लेकिन बाबर के कप्तान बने शाहीन को बतौर कप्तान पहली ही सीरीज़ में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था. अब कप्तानी छिनने के बाद शाहीन ने चुप्पी तोड़ते हुए चेतावनी दे डाली. दरअसल शाहीन ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें एक कोट है. शाहीन का यह कोट किसी चेतावनी से कम नहीं लग रहा है.

उस कोट में कहा गया, मुझे कभी ऐसी स्थिति में न डालें कि जहां मुझे आपको दिखाना पड़ जाए कि मैं कितना क्रूर और बेरहम हो सकता हूं. मेरे सब्र का इम्तिहान मत लो क्योंकि अब तक मैं आपके लिए सबसे प्यारा और दयालु शख्स रहा हूं लेकिन जब हद पार हो जाती है तो आप मुझे ऐसी चीज़ें करते हुए देखेंगे जिसकी किसी को मुझे उम्मीद भी नहीं होगी.

शाहीन की कप्तानी में 4-1 से सीरीज़ हारी थी पाकिस्तान .

शेफील्ड पर जीत से लिवरपूल फिर शीर्ष पर, जीत पाने के लिए करना पड़ा संघर्ष

प्रीमियर लीग

लंदन, एजेंसी। लिवरपूल ने अंतिम स्थान पर चल रहे शेफील्ड यूनाइटेड को 3-1 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग में एक बार फिर शीर्ष स्थान पर जगह बना ली है। स्कोर लाइन जरूर लिवरपूल के पक्ष में 3-1 से रही, लेकिन उसे जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा।

76 मिनट तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर थी। अर्जेंटीना के एलेक्सिस मैकएलिस्टर ने 76वें मिनट में गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिलाई। कोडी गाक्पो ने 90वें मिनट में तीसरा गोल किया। इस जीत के साथ लिवरपूल के 30 मैचों में 70 अंक हो गए हैं। 68 अंकों के साथ आर्सेनल दूसरे और 67 अंकों के साथ गत विजेता मैनचेस्टर सिटी तीसरे स्थान पर है।

ब्रैडली ने किया आत्मघाती गोल

खेल के 17वें मिनट में डार्विन नुनेज ने लिवरपूल को बढ़त दिलाई, लेकिन 58वें मिनट में कोनर ब्रैडली ने अपनी ही टीम पर आत्मघाती गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद मुकाबला काफी रोचक हो गया। हालांकि मैकएलिस्टर ने बेहतरीन गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिला दी।

लिवरपूल के कोच जुर्गेन क्लॉप ने कहा कि हमें काफी गहराई तक जाना पड़ा, लेकिन यह सामान्य बात है। हमारा रवैया अच्छा था, लेकिन हमने कई मौकों पर अच्छी फुटबाल नहीं खेली। रविवार को लिवरपूल का मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ कठिन मुकाबला होगा।

अंतिम क्षणों में दो गोल खाकर यूनाइटेड हारा

मैनचेस्टर यूनाइटेड को चेल्सी के हाथों 3-4 से अविश्वसनीय हार का सामना करना पड़ा। कोले पामर की हैट्रिक की बदौलत चेल्सी को जीत मिली। पामर ने स्टापेज समय में एक मिनट के अंतराल में दो गोल कर यूनाइटेड के डच मैनेजर एरिक टेन हेग की मुश्किलें बढ़ा दीं। ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ पिछले मुकाबले में भी यूनाइटेड ने अंतिम क्षणों में गोल खाया था। यह मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। टेन हैग ने कहा कि दो मैचों में पांच अंक गंवाना स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कोनोर गालेघर (4) और पामर (19) ने पेनाल्टी पर गोलकर चेल्सी को 2-0 की बढ़त दिलाई, लेकिन गारनाचो (34) और ब्रूनो फर्नांडीज (39) ने पहले हाफ में ही यूनाइटेड को बराबरी दिला दी।

67वें मिनट में गारनाचो ने एक और गोल कर यूनाइटेड को बढ़त दिलाई। यूनाइटेड जीत की ओर बढ़ रहा था। स्टापेज समय में पामर ने दूसरी पेनाल्टी को गोल में बदला और एक मिनट बाद गोल कर चेल्सी को 4-3 से जीत दिला दी।

जेवर से गाजियाबाद तक बनेंगे नमो भारत और मेट्रो ट्रेन के 22 स्टेशन

नईदिल्ली, एजेंसी।
एनसीआर में रहने वालों के लिए राहत की खबर है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जेवर से गाजियाबाद तक के लिए नमो भारत और मेट्रो को जोड़ने के लिए 22 स्टेशन बनेंगे। भविष्य में इसे 35 स्टेशन तक बढ़ाया जा सकेगा। पहले 25 स्टेशन बनाने की तैयारी थी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने परियोजना की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर यमुना प्राधिकरण को सौंप दी है। एयरपोर्ट से गाजियाबाद तक 72.2 किलोमीटर तक एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाएगा। एक ही ट्रैक पर मेट्रो और नमो भारत दोनों दौड़ेंगी।

यमुना प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए गाजियाबाद के सिद्धार्थनगर से वाया ग्रेनो वेस्ट, एल्फा-1 व जेवर एयरपोर्ट तक नमो भारत (रैपिड रेल) रूट का डीपीआर तैयार कर लिया गया है। परियोजना की

डीपीआर और फिजीबिलिटी रिपोर्ट में 4.58 करोड़ रुपये का खर्च आया है। अहम बात यह भी है कि जेवर एयरपोर्ट से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और यमुना सिटी में बनने वाली फिल्म सिटी की सीधी कनेक्टिविटी होगी। गाजियाबाद से ग्रेटर नोएडा वेस्ट, एल्फा-1 और यीडा सिटी से जेवर एयरपोर्ट तक रैपिड रेल का रूट अब फाइनल कर लिया गया है। नमो भारत और मेट्रो में छह बोगी होंगी। गाजियाबाद आरआरटीएस से वाया ग्रेटर नोएडा वेस्ट होते हुए जेवर एयरपोर्ट तक चलने वाली नमो भारत का निर्माण कार्य पूरा होने का लक्ष्य वर्ष 2031 रखा गया है।

पहले चरण में गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार से ग्रेटर नोएडा ईकोटेक-6 तक 39.39 किलोमीटर का ट्रैक तैयार किया जाएगा। इस ट्रैक पर 18 स्टेशन बनेंगे, जिनमें से सात नमो भारत और 11 मेट्रो के होंगे। यह रूट गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशन से शुरू होगा। इसे विश्वकर्मा रोड (सिद्धार्थ विहार/प्रताप विहार), ताज हाईवे, ग्रेटर नोएडा वेस्ट की चार मूर्ति चौक, ग्रेटर नोएडा लिंक रोड नॉलेज पार्क-5 से घुमाकर सुरजपुर कासना से परी चौक से ले जाकर ईकोटेक-6 पर खत्म किया जाएगा।

नोएडा एयरपोर्ट से गाजियाबाद तक 72.2 किलोमीटर तक एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाएगा। एक ही ट्रैक पर मेट्रो और नमो भारत दोनों दौड़ेंगी। नमो भारत ट्रेन 80 किलोमीटर से 114 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। मेट्रो की गति 46 किलोमीटर प्रति घंटे रहेगी। उम्मीद जताई गई है कि वर्ष 2031 तक इस रूट पर 3.09 लाख यात्री होंगे।

परियोजना के मूर्तरूप लेने पर न सिर्फ नोएडा एयरपोर्ट बल्कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट व ग्रेटर नोएडा के निवासियों को काफी लाभ होगा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लिए यह परियोजना तो लाइफ लाइन साबित होगी। दरअसल अभी ग्रेनो वेस्ट व ग्रेटर नोएडा से गाजियाबाद पहुंचना आसान नहीं है। लोगों को ग्रेनो वेस्ट में प्रतिदिन जाम से जूझना पड़ता है। एनसीआरटीसी ने यमुना सिटी के सेक्टर-21 में विकसित होने वाली फिल्म सिटी की जेवर एयरपोर्ट से सीधी कनेक्टिविटी के लिए भी खाका तैयार किया है। इसके लिए फिल्म सिटी से जेवर एयरपोर्ट तक एलआरटी चलाई जाएगी। इसके लिए 14.6 किमी का अलग ट्रैक तैयार किया जाएगा। वहीं, इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से जेवर एयरपोर्ट के लिए भी नमो भारत चलाई जाएगी।

दूसरे चरण में ईकोटेक-6 से जेवर एयरपोर्ट तक सिर्फ चार स्टेशन बनेंगे।

संक्षिप्त समाचार

इरोड में लॉरी और कार की टक्कर से भीषण सड़क हादसा, डॉक्टर दंपती की मौके पर मौत

इरोड। तमिलनाडु के इरोड में लॉरी और एक कार की टक्कर से भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में एक डॉक्टर दंपती की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा ओराची कोईई हाइवल इलेक्ट्रिसिटी बैराज के पास हुई, जब दंपती अपने बेटे से मिलने के बाद मेट्टूर स्थित अपने घर लौट रहे थे। पुलिस ने आगे बताया कि इस हादसे में घायल दोनों पीड़ितों को यहां पास के भवानी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहीं, अस्पताल ले जाते समय दोनों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतकों की पहचान 75 साल के मडप्पन और उनकी 72 साल की पत्नी पद्मावती के रूप में की है। भवानी पुलिस दुर्घटना का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तमिलनाडु को ड्रग्स से एनडीए सरकार ही दिला सकती है मुक्ति

चेन्नई। तमिलनाडु के युवा शराब और ड्रग्स के आदी होकर अपना जीवन बर्बाद कर रहे है। स्थिति यह है कि कक्षा नौ और दस के छात्र भी ड्रग्स ले रहे हैं। अमेरिका में मिलने वाले गांजा, हेरोइन और कोकेन जैसे सभी प्रकार के ड्रग्स तमिलनाडु में मिल रहे हैं। यह बात कहते हुए पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि रामदास ने समस्या के लिए द्रमुक और अन्नाद्रमुक को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि राज्य को केवल राजग सरकार ही ड्रग्स की समस्या से मुक्ति दिला सकती है। लोकसभा चुनाव के लिए पीएमके ने राज्य में भाजपा के साथ गठबंधन किया है। पीएमके नेता रामदास ने आरोप लगाया कि द्रमुक और अन्नाद्रमुक ने 57 साल के शासन में राज्य को बर्बाद कर दिया। ड्रग्स राज्य की सबसे बड़ी समस्या है और सरकार ने इसके बारे में कुछ नहीं किया। कई बार मुद्दा उठाए जाने के बाद भी मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को कोई चिंता नहीं है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले 10 साल में राज्य के विकास के लिए हमारे पास मानव संसाधन उपलब्ध नहीं होगा। लोग भ्रष्ट द्रमुक सरकार से तंग आ चुके हैं और वे सरकार से नाराज हैं। उन्होंने कहा,

सीएम स्टालिन ने लोकसभा चुनाव को बताया देश का दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन

चेन्नई, एजेंसी। भाजपा आरक्षण और सामाजिक न्याय के खिलाफ है। यदि भाजपा एक बार फिर केंद्र की सत्ता में आई तो आरक्षण खत्म कर देगी। भाजपा सामाजिक न्याय को दफना देगी और हमारे लोगों को 100 साल पीछे ले जाएगी। यह आरोप तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने लगाया। वह शुक्रवार को विरुद्धनगर में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान लोकसभा चुनाव को देश का दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन करार देते हुए कहा कि इस समय देश बहुत बड़े खतरे का सामना कर रहा है। पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी), अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यकों के आरक्षण पर खतरा है। उन्होंने कहा कि भाजपा आरक्षण के खिलाफ है और यही कारण है कि केंद्र सरकार में पिछड़े वर्ग के तीन प्रतिशत सचिव भी नहीं हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रशासित उच्च शिक्षण संस्थानों में ओबीसी, एससी और एसटी से संबंधित उम्मीदवारों को आरक्षण के माध्यम से प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर जैसे पदों पर नहीं चुना जाता है। यह पिछड़े समाज के साथ अन्याय है।

गवाहों को पट्टी पढ़ाया जाना चिंताजनक, सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के डीजीपी से दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने थाने के अंदर आपराधिक मामले में गवाहों को पट्टी पढ़ाए जाने को चिंताजनक करार दिया है। मामले में तमिलनाडु के डीजीपी से दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने कहा कि यह चिंताजनक है कि ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट दोनों ने मामले में गवाहों को पाठ पढ़ाए जाने के महत्वपूर्ण पहलू को नजरअंदाज कर दिया है। पीठ ने एक आदेश में कहा कि उनके सुबूतों को खारिज करना होगा, क्योंकि इस बात की स्पष्ट संभावना है कि उक्त गवाहों को पहले दिन पुलिस द्वारा सिखाया गया था। न्यायिक प्रक्रिया में पुलिस द्वारा इस तरह का हस्तक्षेप चिंताजनक है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि पुलिस को अभियोजन पक्ष के गवाहों को पाठ पढ़ाने की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि यह पुलिस मशीनरी द्वारा शक्ति का घोर दुरुपयोग है। पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपीलकर्ताओं को जमानत दिए जाने से पहले वे 10 साल से अधिक समय तक जेल में रह चुके थे। दो आरोपितों मणिकंदन और शिवकुमार पर आरोप था कि उन्होंने चार अक्तूबर, 2007 को बालामुरुगन की हत्या कर दी थी।

चूहे को जलाकर मारने वाले डीटीयू के 2 छात्र सस्पेंड, जुर्माना भी ठोका; साइको एनालिसिस टेस्ट कराने के आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) के दो छात्रों को एक चूहे को डिब्बे में फंसाकर और निर्दयतापूर्ण जलाकर मारना महंगा पड़ गया। डीटीयू ने आरोपी दोनों छात्रों को दो सप्ताह के लिए क्लास सस्पेंड कर दिया है। साथ ही, दोनों छात्रों को हमेशा के लिए हॉस्टल से बाहर निकालकर उन पर 10-10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। आरोपियों ने खुद ही इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इस मामले में दोनों छात्रों पर जनवरी 2024 में केस दर्ज होने के बाद पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया ने दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रतीक शर्मा से मुलाकात कर शिकायत की थी।

पेटा ने इस मुलाकात के दौरान डीटीयू के कुलपति से अनुरोध किया था कि आरोपी दोनों छात्रों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। इसके बाद डीटीयू ने एक आधिकारिक आदेश जारी कर दोनों छात्रों को दो सप्ताह के लिए क्लास से सस्पेंड कर दिया। इन्हें अपनी डिग्री खत्म करने तक प्रोबेशन पर डाल दिया गया है। इनको भविष्य में इस प्रकार के कृत्यों में शामिल न होने की शपथ भी लेनी होगी। इसके अलावा इनके माता-पिता को दोनों छात्रों का इनका साइको एनालिसिस टेस्ट कराने और एक महीने के भीतर दिल्ली विश्वविद्यालय में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। पेटा इंडिया की क्रूएल्टी रिस्पॉन्स कोऑर्डिनेटर सुनयना बसु ने बताया कि जो लोग जानवरों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं, वे मनुष्यों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

रामेश्वरम कैफे में आईईडी ब्लास्ट को अंजाम देने वाले आरोपी की हुई पहचान

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में ब्लास्ट के आरोपी और सह-साजिशकर्ता की पहचान हो गई है। बता दें कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने ब्लास्ट को अंजाम देने वाले की पहचान मुसाविर हुसैन शाजिब और सह-साजिशकर्ता अब्दुल मथीन ताहा के रूप में की।

बेंगलुरु के आईटीपीएल रोड पर स्थित रामेश्वरम कैफे में एक मार्च को ब्लास्ट हुआ था। इस मामले को लेकर एनआईए की जांच चल रही है। एनआईए ने रामेश्वर कैफे में ब्लास्ट करने वाले दोनों आरोपियों की पहचान कर ली है, जो शिवमोगा जिले के तीर्थहल्ली के निवासी हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई ने एनआईए के हवाले से बताया कि रामेश्वरम कैफे में आईईडी विस्फोट को अंजाम देने वाले आरोपी व्यक्ति की पहचान मुसाविर हुसैन शाजिब और सह-साजिशकर्ता अब्दुल मथीन ताहा के रूप में की है, जो शिवमोगा जिले के तीर्थहल्ली के रहने वाले हैं।

जहरीले खेल का आरोपी है एल्विश यादव, नोएडा पुलिस ने 1200 पेज की फाइल की चार्जशीट

नईदिल्ली, एजेंसी।
रेव पार्टी आयोजित करने और उसमें सांपों का जहर सप्लाई करने के मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव समेत आठ आरोपियों के खिलाफ नोएडा पुलिस ने न्यायालय में 1200 पन्नों की चार्जशीट शुक्रवार दाखिल कर दी। इसमें 24 गवाहों के बयान नत्थी किए गए हैं। पीपुल्स फॉर एनिमल संस्था के पदाधिकारी ने बीते साल एल्विश यादव और उसके साथियों पर सांपों के जहर का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए सेक्टर-49 थाने में केस दर्ज कराया था।

संस्था के सदस्य ने एक स्टिंग किया था। इसमें कोबरा समेत नौ सांप और 20 एमएल सांपों का जहर पांच सपेरों के पास मिला। सभी को जेल भेज दिया गया। संस्था के पदाधिकारी का एक ऑडियो इसके बाद वायरल हुआ, जिसमें मुख्य आरोपी राहुल संस्था के पदाधिकारी से बात कर रहा है। इसमें राहुल यह कह रहा है कि

वह एल्विश की ओर से आयोजित होने वाली पार्टियों में शामिल हो चुका है।

राहुल पार्टियों में अपने अन्य सपेरे दोस्तों के साथ गया था। हालांकि, बाद में सभी को जमानत मिल गई। इसके बाद एल्विश को दबोचने के लिए पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह तैयार किया। पूछताछ के बाद उसे नोएडा से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। वह पांच दिन तक जेल में रहा। हालांकि होली के पहले उसे इस मामले में जमानत मिल गई। पुलिस ने चार्जशीट में एल्विश के ऊपर लगे सभी आरोपों का जिक्र किया है।

चार्जशीट में नोएडा पुलिस की ओर से बताया गया है कि एल्विश का जहरीले खेल में जेल भेजे गए सपेरों से संपर्क था। एल्विश के खिलाफ लगी एनडीपीएस की धाराओं का आधार भी पुलिस ने इसमें बताया है। एल्विश और उसके सहयोगियों पर लगे आरोपों की पुष्टि पुलिस ने चार्जशीट में की है। 155 दिन बाद दायर हुआ आरोपपत्र नोएडा पुलिस ने एल्विश यादव और उसके आठ साथियों के खिलाफ केस दर्ज होने के करीब 155 दिन बाद चार्जशीट दाखिल की है। उसके खिलाफ बीते साल तीन नवंबर को सेक्टर-49 थाने में केस दर्ज हुआ था। बीते माह 17 मार्च को 136 दिन नोएडा पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था।

केस दर्ज होने वाले दिन सपेरे राहुल, टीटूनाथ, जयकरन,नारायण और रविनाथ गिरफ्तार हुआ था। मामले में कुल सात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। इसमें एल्विश के अलावा कई अज्ञात भी थे। एल्विश की गिरफ्तारी के बाद उसके दो करीबियों ईश्वर और विनय यादव को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। राहुल और उसके साथियों से सांप बरामद हुए थे।

सीएए पर अगाथा संगमा का अहम बयान, कहा- मेघालय को छूट मिली थी, इसलिए किया समर्थन

शिलांग , एजेंसी।
नेशनल पीपुल्स पार्टी की नेता एवं मेघालय के तुरा से निवर्तमान सांसद अगाथा संगमा ने सीएए यानी नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने सीएए को समर्थन दिया, क्योंकि मेघालय को इससे छूट दी गई थी। गौरतलब है कि सीएए पर उनके रुख के लिए उन्हें विपक्षी दलों की आलोचना का सामना करना पड़ा था। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि अगर गारो हिल्स को सीएए में शामिल किया जाता तो वह विधेयक का समर्थन नहीं करतीं। वह कहती हैं कि सीएए मेघालय में लागू नहीं होता है, इसलिए, चिंता का कोई कारण नहीं है। अगाथा संगमा ने बताया कि जब 2019 में सीएए का विधेयक संसद में पेश किया गया था, तब तत्कालीन सांसद और अब के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के साथ-साथ अन्य सांसदों के सुझाव के आधार पर मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को इसके प्रावधानों से छूट दी गई थी।

इससे पहले कॉनराड के संगमा ने भी स्पष्ट किया था कि सीएए मेघालय पर प्रभाव नहीं डालेगा, क्योंकि राज्य का केवल एक छोटा सा हिस्सा इसके दायरे से बाहर रखा गया है। 13 मार्च को जारी हुई थी अधिसूचना गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ओर से 13 मार्च को सीएए कानून की अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके अनुसार 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत में आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारत की राष्ट्रीयता प्रदान की जाएगी।

आप के एक और नेता पर कसेगा शिकंजा, समन पर नहीं हुए पेश; कोर्ट पहुंची ईडी

नईदिल्ली, एजेंसी।
आम आदमी पार्टी (आप) के एक और नेता पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का शिकंजा कसने वाला है। ईडी ने शुक्रवार को एक अमानतुल्ला खान के खिलाफ ट्रायल शुरू करने की मांग की है। एजेंसी का कहना है कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भेजे गए समन का विधायक पालन नहीं कर रहे हैं। ईडी ने उन्हें दिल्ली वक्फ बोर्ड में कर्मचारियों की नियुक्ति और संपत्तियों को पट्टे पर देने के मामले में कथित अनियमितताओं को लेकर समन जारी किए हैं। ईडी के अनुसार, खान 23 जनवरी, 31 जनवरी, 9 फरवरी, 19 फरवरी, 26 फरवरी और 4 मार्च को पूछताछ के लिए जारी किए गए समन पर पेश नहीं हुए।

एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) दिव्या मल्होत्रा इस मामले पर 6 अप्रैल को सुनवाई करेंगी। एजेंसी ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 174 के साथ पढ़ी जाने वाली आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 190 और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 63(4) के तहत आप विधायक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कानून की यह धाराएं एजेंसी को समन जारी करने की शक्ति प्रदान करते हैं। सीआरपीसी की धारा 190 अदालत को उसके समक्ष दायर शिकायत पर संज्ञान लेने और

उस व्यक्ति को समन जारी करने का अधिकार देती है जिसके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। वहीं पीएमएलए की धारा 63(4) में कहा गया है कि जो व्यक्ति जानबूझकर धारा 50 पीएमएलए के तहत एजेंसी द्वारा जारी समन को नजरअंदाज करता है, उस पर आईपीसी की धारा 174 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा, जिसमें एक महीने तक की कैद या जुर्माना हो सकता है जो 500 रुपये तक बढ़ सकता है। उसे जुर्माना और कैद दोनों भी हो सकते हैं।

बता दें कि ईडी ने 2016 में दर्ज केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) केस के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें खान पर दिल्ली वक्फ बोर्ड में गैर-स्वीकृत और गैर-मौजूद भर्तियां करने का आरोप लगा। कई लोगों को अवैध रूप से नियुक्त करने की वजह से दिल्ली सरकार को वित्तीय नुकसान हुआ।

1 जून से जयपुर एयरपोर्ट से ट्रैवल करना पड़ेगा महंगा

जयपुर , एजेंसी।
राजस्थान के जयपुर अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर अडानी समूह आम यात्रियों पर बड़ा बोझ डालने की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि 1 जून 2024 से यात्रियों पर लगने वाले यूजर डवलपमेंट फीस को दोगुना करने की तैयारी कर ली गई है। खास बात यह है कि एयरपोर्ट पर अराइवल यात्रियों से भी टैक्स वसूला जाएगा। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों पर लगने वाले टैक्स को दोगुने से भी अधिक करने की तैयारी कर ली है। टैक्स यूडीएफ यानी यूजर डवलपमेंट फीस के रूप में वसूला जाएगा। अभी जयपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले प्रत्येक यात्री से 465 रुपए यूडीएफ टैक्स लिया जाता है, लेकिन अब अडानी समूह के जयपुर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इस राशि को बढ़ाकर 910 रुपए करने की तैयारी की जा रही है। यूडीएफ को करीब दोगुना किए जाने से हवाई यात्रियों के लिए मुश्किल बढ़ सकती है। बड़ी बात यह भी है कि केवल जयपुर से डिपार्चर

वाले यात्रियों पर यूडीएफ टैक्स ही नहीं बढ़ेगा, बल्कि अराइवल वाले यात्रियों से भी यूडीएफ वसूल किया जाएगा। देश में ज्यादातर एयरपोर्ट्स पर अराइवल यात्रियों से कोई टैक्स नहीं लिया जाता। इसके पीछे बड़ी वजह यह है कि अराइवल वाले यात्री एयरपोर्ट पर किन्हीं सुविधाओं का उपयोग नहीं करते। विमान से उतरकर यात्री सीधे बाहर निकल जाते हैं, लेकिन जयपुर एयरपोर्ट पर 1 जून से अराइवल यात्रियों से भी टैक्स वसूल किया जाएगा। हवाई किराए पर अभी कितना लगता है टैक्स एयरपोर्ट विकास के नाम पर 465 रुपए यूजर डवलपमेंट फीस। सीआईएसएफ सुरक्षा जांच के नाम पर 236 रुपए एविएशन सिक्योरिटी फीस। कॉमन यूज टर्मिनल इक्विपमेंट फीस 50 रुपए। रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम फीस 50 रुपए जयपुर से जाने वाले घरेलू यात्री के लिए 910 रुपए यूडीएफ। जयपुर से जाने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्री के लिए यूडीएफ 1260 रुपए।

स्कूल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर रद्द होगी या नहीं? मद्रास होई कोर्ट में सुनवाई

चेन्नई , एजेंसी।
तमिलनाडु में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18 मार्च को एक रोड शो किया था। इस दौरान स्कूली बच्चों की मौजूदगी के संबंध में कोयंबटूर सिटी पुलिस ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसी मामले में मद्रास हाई कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ पुलिस की किसी भी तरह की जबरन कार्रवाई को लेकर सुरक्षा बढ़ा दी।

न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन ने गुरुवार को अपने अंतरिम आदेश में कहा कि 28 मार्च, 2024 को इस न्यायालय द्वारा पारित बलपूर्वक कार्रवाई न करने का सुरक्षात्मक आदेश अगले आदेश तक जारी रहेगा।

स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर एफआईआर रद्द करने की मांग की थी। ऐसे में कोर्ट ने सुनवाई करते हुए प्रश्नों की एक सूची पेश की और सवाल किया कि किशोर न्याय देखभाल और बच्चों की सुरक्षा अधिनियम की धारा 75 वर्तमान मामले में कैसे लागू होगी।

किशोर न्याय देखभाल और बच्चों की सुरक्षा अधिनियम की धारा 75 बच्चों पर हमला, दुर्व्यवहार या अनावश्यक मानसिक या शारीरिक पीड़ा पहुंचाने से जुड़ी हुई है। जिसके तहत तीन साल तक की सजा का प्रावधान है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 8 अप्रैल को तय की है।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादक: सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)